22- MAR- K&C- MAIN- Pg- 1_page1.qxd 3/23/2025 12:16 AM Page 1

बिलासपुर, रविवार 23 मार्च 2025 haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

भोजन घोटाला...

15 साल बाद हो रही पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा में अनुपस्थित छात्रों की संख्या ने शिक्षा विभाग को परेशानी में डाल दिया है। बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा नहीं दे रहे हैं। अधिकारी सकते में हैं और जांच के लिए घर-घर पहुंच रहे हैं। पता चल रहा है कि छात्र गरीबी, मजदूरी की मजबूरी में पढ़ाई से दूर हो गए हैं। टीम हरिभूमि भी जांच के लिए पहुंची। चौकाने वाले खुलासे हुए। पता चला कि बच्चे 4-5 महीना पहले ही परिवार सहित दिल्ली, जम्मू, महाराष्ट्र, गुजरात और दूसरे राज्यों पलायन कर गए हैं। लेकिन इन बच्चों की बकायदा रोजाना उपस्थिति दर्ज हो रही है और उनके नाम से मध्यान्ह भोजन भी बन रहा है। इन स्कूलों में बिलासपुर का मोपका, चिंगराजपारा के साथ ही तखतपुर का प्राथमिक शाला टिहुलाडीह शामिल हैं।

4 महीने पहले पलायन कर गए छात्र, स्कूल में लगती रही हाजिरी, कागजों में खिलाया खाना

टेकचंद कारडा ▶▶| बिलासपुर/तखतपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

हरिभूमि की टीम सबसे पहले तखतपुर ब्लाक के प्राथमिक शाला टिहुलाडीह पहुंची तो पाया कि 5वीं की परीक्षा में 22 विद्यार्थियों में 12 विद्यार्थी ही ही उपस्थित हो रहे हैं। शेष 10 विद्यार्थी पिछले 4 महीने से अपने परिजन के साथ ▶▶|शेष पेज 3 पर

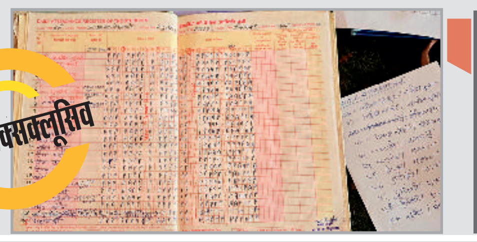

प्राथमिक शाला टिहुलाडीह में गांव में नहीं रह रहे स्टूडेंट की उपस्थिति डालना और मध्यान्ह भोजन में गड़बड़ी करने की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।
- कामेश्वर बैरागी
विकासखंड शिक्षा अधिकारी

हरिभूमि ने छात्रों के घर पहुंचकर जानकारी ली तो मामला सामने आया

दादा- दादी की सेवा के लिए नहीं दी परीक्षा

इसी तरह प्राथमिक शाला टिहुलाडीह कक्षा पांचवीं में पढ़ने वाली छात्रा रौशनी माथुर परीक्षा के पहले दिन ही स्कूल नहीं पहुंची तब शिक्षक गुलाम रसूल खान उसके घर गए। छात्रा ने बताया कि उसके माता और उसके भाई कमाने के लिए महाराष्ट्र गए हैं और वह अपने दादी और दादा की मदद करने के लिए घर में है। दादी की आंख की रोशनी नहीं है उसकी मदद के लिए वह घर में रहती है, इसलिए वह परीक्षा दिलाने नही जा सकती है।

पलायन बड़ा कारण, दूसरी बार मौका देंगे

5 वीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा में छात्रों की अनुपस्थिति चिंता का विषय है। शिक्षकों ने ऐसे स्टूडेंट के घर जाकर भी जानकारी ली है। इसमें पलायन सबसे बड़ा कारण सामने आ रहा है। इसके साथ ही कुछ छात्रों ने दूसरे स्कूलों में एडमिशन ले लिया है और पहले स्कूल से नाम नहीं कटवाया है। जो बच्चे इस परीक्षा में उपस्थित नहीं हो रहे हैं उन्हें फिर से दूसरी बार मौका दिया जाएगा। इनके लिए रेमेडियल क्लासेस भी लगाई जाएंगी।
-वासूदेव पांडे, समन्वयक
समग्र शिक्षा, शहरी स्रोत

8.50 के ट्यूब को 2352 रुपए, 5 लाख की सीबीसी मशीन को 25 लाख में खरीदा

दवा निगम में भ्रष्टों का किला ढहा, तत्कालीन जीएम सहित पांच अरेस्ट, सात दिन की रिमांड

हजारों गुना अधिक दाम में रीएजेंट और अन्य उपकरण की खरीदी के महाघोटाले के खिलाफ हरिभूमि की लंबी मुहिम ने असर दिखाया है। घोटाले में सप्लायर मोक्षित कार्पोरेशन के एमडी की गिरफ्तारी के बाद ईओडब्लू की टीम ने इस महाघोटाले को अंजाम देने वाले सीजीएमएससी के तत्कालीन जीएम सहित पांच अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। लगभग 660 करोड़ के इस रीएजेंट और उपकरण घोटाले को अंजाम देने के लिए 8.50 के ईडीए ट्यूब को 2352 और 5 लाख की सीबीसी मशीन को 25 लाख रुपए में खरीदा था। मामले में पूछताछ के लिए उन्हें सात दिन की रिमांड पर लिया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खबर का असर

टीम हरिभूमि लगातार इस महाघोटाले को सामने लाने मुहिम चला रहा था। हरिभूमि ने छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में जाकर कूड़े की तरह जमा किए गए रीएजेंट और उपकरण रखे जाने का खुलासा किया था। पाठकों को बताया कि किस तरह अरबों रुपए की दवा और उपकरण बिना मांग के प्रदेशभर में भेजे गए। शासन द्वारा मामले की जांच ईओडब्लू को सौंपी। घोटाले से जुड़ी अहम कड़ी मोक्षित कार्पोरेशन के एमडी शशांक चोपड़ा के विभिन्न ठिकानों में 28 जनवरी को छापा मारा गया और देर रात उसे गिरफ्तार किया गया था। अब इस घोटाले में जुड़े सीजीएमएससी ▶▶|शेष पेज 3 पर

हरिभूमि की लंबी मुहिम का असर...

आईएएस भी घेरे में

इस मामले में सबसे बड़ा सवाल आईएएस की संलिप्तता को लेकर है। अरबों रुपए की खरीदी में दो आईएएस और तत्कालीन मंत्रियों की भूमिका संदिग्ध है। दो आईएएस से ईओडब्ल्यू में पूछताछ की जा चुकी है। हालांकि अब तक पूर्व मंत्री से पूछताछ नहीं की गई है।

27 दिन में हुई खरीदी पड़े-पड़े खराब हुए

इस बड़े घोटाले को अंजाम देने के लिए अधिकारियों की टीम इतनी सक्रिय थी कि केवल 27 दिन में ही करीब 411 करोड़ की प्रक्रिया पूरी कर ली। दवा कार्पोरेशन के गोदाम फुल होने के बाद रीएजेंट ऐसे 200 स्वास्थ्य केंद्रों में में भेज दिया गया, जहां उसे रखने के लिए रेफ्रिजरेटर तक की व्यवस्था नहीं थी। स्वास्थ्य केंद्रों में पड़े-पड़े करोड़ों के रीएजेंट खराब हो गए। इसके साथ ही सीबीसी मशीन की सप्लाई इस तरह की गई कि उसमें कोई दूसरा रीएजेंट उपयोग नहीं हो सके। बाद में इन मशीन को कोडवर्ड के माध्यम से लॉक भी कर दिया गया।

किनकी क्या थी जिम्मेदारी

तत्कालीन प्रभारी महाप्रबंधक उपकरण एवं उप महाप्रबंधक क्रय एवं संचालक **बसंत कुमार कौशिक**- टेंडर समिति का महत्वपूर्ण सदस्य होने के साथ जरूरत और आवश्यकता तय करने के साथ उपकरण और रीएजेंट खरीदी करने की जिम्मेदारी।

तात्कालीन डिप्टी डायरेक्टर स्टोर डॉ. **अनिल परसाई**- सरकारी अस्पतालों में दवा और उपकरणों की आवश्यकताओं का आकलन करना। कमी तय कर सीजीएमएससी के माध्यम से खरीदी की सिफारिश करना।

तात्कालीन उपप्रबंधक उपकरण **कमलकांत पाटनवार**- टेंडर कमेटी के सदस्य होने के साथ आवश्यकता के हिसाब से खरीदी के लिए स्पेसिफिकेशन तय करना। खरीदी के लिए उपकरणों की आवश्यकता तय करना।

बायोमेडिकल इंजीनियर **क्षिरौद्र रौतिया और दीपक कुमार बंधे**- सप्लायर द्वारा प्राप्त होने वाले रीएजेंट की जांच कर उनकी गुणवत्ता का परीक्षण करना। इसके साथ ही आवश्यकता होने पर खरीदी संबंधी आर्डर जारी करने वाली कमेटी में सहभागिता।

खबर संक्षेप

विनोद कुमार को ज्ञानपीठ पुरस्कार, सीएम ने दी बधाई

रायपुर। प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को वर्ष 2024 के लिए 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। सीएम साय ने कहा कि शुक्ल जी ने छत्तीसगढ़ को भारत के साहित्यिक मानचित्र पर गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान किया है।

संजय के दीक्षित

तरकश

महिला IAS, तीखे तेवर

आबकारी सचिव आर. शंगीता की हाई प्रोफाइल मीटिंग की ब्यूरोक्रेसी में बड़ी चर्चा है। नई आबकारी पॉलिसी में शराब दुकानों की संख्या बढ़ाने से लेकर उससे जुड़े तमाम पहलुओं पर आबकारी सचिव ने 19 मार्च को कलेक्टर, एसपी, आईजी, कमिश्नर्स की वीडियो कांफ्रेंसिंग कर क्लास ली। संगीता कुछ पुलिस अधीक्षकों से इसलिए खफा थीं कि होली के दिन शराब दुकान वाले सुरक्षा के मद्देनजर थानों में पैसा रखवाने गए तो थानेदारों ने इंकार कर दिया। कुछ जिलों में आबकारी विभाग के मुलाजिमों के साथ दुर्व्यवहार हुआ, तो कुछ जगहों पर कार्रवाई के नाम पर पुलिस वाले आबकारी अधिकारियों से भिड़ गए...इस पर तीन-चार एसपी साहबों की खिंचाई हुई। मसला यह भी आया कि शराब दुकानों के बाहर पुलिस वाले ताक में बैठे रहते हैं, थोड़ी-सी मात्रा अधिक हुई नहीं कि लोगों को पकड लें। आबकारी सचिव ने कलेक्टरों से भी खरी-खरी अंदाज में ही बात की। बिलासपुर और बस्तर कलेक्टरों की जरूर तारीफ हुई कि उनके जिलों में शराब दुकानें काफी व्यवस्थित और साफ-सुथरी हैं। बहरहाल, महिला ब्यूरोक्रेट्स में सख्त एडमिनिस्ट्रेशन के लिए अभी तक रेणु पिल्ले और ऋचा शर्मा जानी जाती थीं। आर. शंगीता के प्रशासनिक तेवर देख कलेक्टर, एसपी हैरान थे। अफसरों को झेंप कुछ इसलिए भी आई कि वीडियोकांफ्रेंसिंग में जिला आबकारी अधिकारी भी कनेक्ट थे। और उनके सामने सारा कुछ हुआ...डेढ़ घंटे की मीटिंग के बाद एसी में बैठे कलेक्टर, एसपी, आईजी, कमिश्नर पसीना पोंछ रहे थे। ठीक भी है, छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक हलकों में जिस तरह लचरता आ गई है, सख्ती की जरूरत तो है। मगर इसके साथ कुछ उठते सवाल भी हैं....

प्रोटोकॉल का सवाल

आबकारी सचिव की वीडियोकांफ्रेंसिंग के बाद सवाल उठ रहा कि क्या मंत्रालय का कोई सचिव कलेक्टर, एसपी के साथ ही आईजी और कमिश्नरों की मीटिंग ले सकता है? दरअसल, छत्तीसगढ़ के अस्तित्व में आने के बाद 25 साल में ऐसा कभी हुआ नहीं। किसी प्रमुख सचिव या अपर मुख्य सचिव को भी ऐसी बैठकें लेते देखा नहीं। हो सकता है कि ब्यूरोक्रेसी के प्रोटोकॉल की हमारी समझ थोड़ी कम हो। मुझे अभी तक ये ही पता था कि कलेक्टर, एसपी के साथ आईजी, कमिश्नरों की बैठक या तो मुख्यमंत्री लेते हैं या फिर चीफ सिकरेट्री। सीएम सचिवालय के शीर्ष अफसर भी ऐसी बैठक ले तो कोई हर्ज नहीं, क्योंकि सीएम सचिवालय को सीएम का हिस्सा समझा जाता है। ऐसे में, एक प्रसंग याद आता है। पिछली सरकार में 2022 की बात रही होगी। डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कलेक्टरों की मीटिंग लेनी चाही। ग्रामीण और पंचायत सचिव गौरव द्विवेदी ने सभी कलेक्टरों को सूचना भेज दी। मगर बाद में प्रोटोकॉल के नाम पर बैठक को रद्द कर दिया गया। खैर, सचिव कमिश्नर, आईजी की बैठक ले सकता है या नहीं, यह देखना सिस्टम का काम है।

कांग्रेस का नया पायलट

चर्चा है, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी को जल्द ही नया प्रदेश प्रभारी मिल सकता है। सचिन पायलट को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने की खबर है। उन्हें वहां अगर पीसीसी की कमान सौंप दी गई तो फिर पार्टी छत्तीसगढ में नए प्रभारी बनाकर भेजेगी। वैसे भी सचिन बेमन से ही प्रभारी थे। नगरीय निकाय चुनाव के दौरान एक बार भी वे छत्तीसगढ़ नहीं आए। सत्ता में होने के बाद भी बीजेपी के प्रदेश प्रभारी नीतीन नबीन महीने में छत्तीसगढ़ का दो चक्कर लगा जाते हैं। सचिन पायलट 25 जनवरी को महापौर प्रत्याशियों की टिकिट फायनल करने वाली मीटिंग में हिस्सा लेने रायपुर आए थे, उसके बाद पूरा चुनाव निबट गया, पायलट का कोई पता नहीं था। दो महीने बाद सीधे 19 मार्च को वे रायपुर आए। और कहीं वे राजस्थान पीसीसी के अध्यक्ष बन गए तो फिर उनका यह आखिरी दौरा ही होगा। याने छत्तीसगढ़ कांग्रेस को नया पायलट मिलेगा।

5 नामों का पेनल!

एक से बढ़कर एक दावेदारों के चलते छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना आयुक्त का सलेक्शन काफी हाई प्रोफाइल हो गया है। 26 मार्च को एसीएस मनोज पिंगुआ की अध्यक्षता वाली पांच आईएएस अधिकारियों की कमेटी के समक्ष 33 दावेदारों का इंटरव्यू होगा। कमेटी सभी का साक्षात्कार लेकर एक पेनल बनाएगी। हालांकि, अभी ये फायनल नहीं हुआ है कि पेनल तीन का होगा या पांच का। सूत्रों का कहना है कि कमेटी किसी तरह के विवाद से बचने कोशिश करेगी कि ज्यादा नामों का ही पेनल बनाए। ऐसे में, पांच की संभावना अधिक है। इंटरव्यू के बाद सर्च कमेटी पेनल बनाकर सामान्य प्रशासन विभाग को सौंप देगी। पेनल तैयार होने के बाद सलेक्शन कमेटी की बैठक के लिए नियमानुसार 15 दिन का समय रखा जाना चाहिए। याने 26 मार्च को इंटरव्यू लेने के बाद अगर 27 को पेनल जीएडी में जाएगा तो 11 अप्रैल से पहले सलेक्शन कमेटी की बैठक नहीं होगी। मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सीनियर मंत्री की तीन सदस्यीय कमेटी पेनल में से किसी एक नाम पर टिक लगाएगी। याने सब कुछ ठीक रहा तो 25 अप्रैल से पहले सीआईसी की नियुक्ति हो जाएगी।

चीफ सिकरेट्री पर सस्पेंस

बड़े-बड़े लोग सीआईसी के लिए अप्लाई किए हैं, सिर्फ इसलिए लोगों की इसमें उत्सुकता नहीं है। दरअसल, मुख्य सूचना आयुक्त के साथ मुख्य सचिव की नियुक्ति जुड़ी हुई है। मुख्य सचिव अमिताभ जैन अगर सीआईसी बन गए तो छत्तीसगढ़ का अगला चीफ सिकरेट्री कौन होगा, ये सवाल बड़ा है। इस समय नए सीएस के लिए पांच दावेदार हैं। सीनियरिटी की बात करें तो अमिताभ के बाद 91 बैच की आईएएस रेणु पिल्ले हैं। उनके बाद फिर 92 बैच में सुब्रत साहू। 93 बैच के अमित अग्रवाल सेंट्रल डेपुटेशन पर हैं। 94 बैच में मनोज पिंगुआ और ऋचा शर्मा हैं। ये तय है कि इन पांच में से ही कोई एक छत्तीसगढ़ का नया प्रशासनिक मुखिया बनेगा। मगर वह एक कौन? इस बारे में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ही बता सकते हैं या फिर उनके प्रमुख सचिव सुबोध सिंह। दरअसल, सीएस, डीजीपी और पीसीसीएफ की नियुक्ति मुख्यमंत्री पर निर्भर करता है। विष्णुदेव केंद्र के शीर्ष नेताओ के विश्वासप्राप्त भी हैं, सो यहां यूपी, एमपी जैसा कोई सरप्राइजिंग होगा नहीं।

मनोज पिंगुआ का औरा

चीफ सिकरेट्री बनने की अर्हता रखने करने वाले पांच आईएएस अफसरों में से एक नाम एसीएस मनोज पिंगुआ का भी है। वे चीफ सिकरेट्री बनेंगे या नहीं, ये वक्त बताएगा। वैसे भी चीफ सिकरेट्री वही बनता है, जिसके माथे पर लिखा होता है। मगर ये अवश्य है कि सरकार ने सीआईसी सर्च कमेटी का चेयरमैन बनाकर मनोज पिंगुआ की हैसियत बढ़ा दी है। सिर्फ इससे समझा जाइये कि वे बड़े-बड़े लोगों का इंटरव्यू लेने वाले हैं।

घर में भी सीनियर, बैच में भी

ये जनरल परसेप्शन है कि घरों में महिलाओं की ज्यादा चलती है। पतियों के पास कोई चारा नहीं होता। बहरहाल, छत्तीसगढ़ की ब्यूरोक्रेसी में दो जोड़े ऐसे हैं, जो आईएएस के बैच में भी अपने पतियों से सीनियर हैं। 94 बैच की निधि छिब्बर इस बैच में अपने पति विकास शील गुप्ता से उपर हैं। इसी तरह हाल ही में एसीएस प्रमोट हुईं डॉ0 मनिंदर कौर द्विवेदी 95 बैच में अपने हसबैंड गौरव द्विवेदी से सीनियर हैं। ये दोनों आईएएस दंपती एसीएस हैं। और संयोग से चारों इस समय सेंट्रल डुपेटेशन पर हैं। अगर कभी मुख्य सचिव बनने की बारी आई तो सीनियरिटी में इन दोनों महिला अफसरों का नाम उपर होगा। और उनके पतियों को मंत्रालय से बाहर जाना होगा। क्योंकि, सेम बैच का अगर कोई चीफ सिकरेट्री बनता है तो परिपाटी के अनुसार उसके बैच के अफसरों को मंत्रालय से बाहर सीएस के समकक्ष कोई पोस्टिंग दी जाती है।

एम्स की प्रतिष्ठा

एम्स देश का एक बेहद प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान हैं। इस पर लोगों का इतना भरोसा है कि हर आदमी चाहता है कि उसके बीमार परिजन को एम्स में दाखिला मिल जाए। रायपुर एम्स भी कुछ इसी तरह का था। मगर इस समय जो सुनने में आ रहा, उससे थोड़ी हैरानी होती है। रायपुर से एक व्यक्ति हार्निया का ऑपरेशन कराने 5 सितंबर 2024 को एम्स पहुंचा तो उसे दिसंबर 2025 का टेंटेटिव डेट दिया गया। याने 16 महीने आगे का डेट। रायपुर सांसद की चिठ्ठी-पत्तरी भी इसमें कोई काम नहीं आई। एम्स में इलाज के इश्यू को रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी लोकसभा में उठाया है। आईएमए रायपुर के प्रेसिडेंट डॉ कुलदीप सोलंकी ने इसको लेकर एम्स प्रबंधन के खिलाफ अहम बयान दिया है. एम्स रायपुर को इसे नोटिस में लेनी चाहिए, ताकि देश की शीर्ष चिकित्सा संस्था पर लोगों का विश्वास कायम रहे।

200 करोड़ के मोड का खेला!

सीजीएमएससी ने चार मेडिकल कॉलेजों को क्लब कर घोटाले का टेंडर निकाला था, हेल्थ सिकरेट्री अमित कटारिया की सख्ती के बाद उसे रद्द कर दिया गया है। मगर कंसलटेंट मोड के नाम पर 200 करोड़ का खेला की फाइल अभी चल रही है। ईपीसी मोड में चारों कॉलेजों को बनाने में 50 करोड़ के हिसाब से 200 करोड़ ज्यादा बैठ रहा है। याने ढाई सौ करोड़ के कालेज में डिजाइन और कंसलटेंसी के नाम पर 50 करोड़ एक्सट्रा दिया जाएगा। इस पर राजेश मूणत ने विधानसभा में सवाल किया कि तीन मेडिकल कालेज बनवाए जा रहे, वो किस मोड में है तो लिखित जवाब आया, पीएमसी मोड याने प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एंड कंसलटेंसी। ईपीसी याने इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंट्रक्शन मोड में एक कॉलेज के पीछे 50 करोड़ रुपए बढ़ा देने का मतलब सीजीएमएससी वाले ही समझा सकते हैं। हेल्थ के जिम्मेदारों को 200 करोड़ के इस खेल का समझना चाहिए कि जब तीन कॉलेज पीएमसी मोड में बन रहे तो फिर ईपीसी की जरूरत क्यों पड़ी।

अंत में दो सवाल आपसे

1. किस मंत्री ने अपनी भांजी के नाम पर बिल्हा के पास 70 एकड़ जमीन ख़रीदा है?
2. किस जिले में कल एक विशिष्ट व्यक्ति के दौरे में पत्ता गोभी की सब्जी बनने पर अफसरों ने बवाल काट दिया?

ओडिशा से गांजा लाकर छत्तीसगढ़ तथा अन्य राज्यों में व्यापार का पुराना सरगना

कुख्यात गांजा तस्कर हीरा यादव ने कमाई करोड़ो की अवैध संपत्ति, कोर्ट ने की फ्रीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जशपुरनगर

जशपुर पुलिस ने सफेमा कोर्ट मुंबई के माध्यम से गांजा तस्कर की करोड़ों की अवैध कमाई संपत्ति फ्रीज कराई है। कुख्यात गांजा तस्कर हीराधार यादव लंबे अरसे से गांजा तस्करी में शामिल था। आईजी सरगुजा रेंज अंकित गर्ग एवं एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन में सरगुजा रेंज में पहली बार जशपुर जिले से सफेमा के तहत कार्रवाई की गई है। गांजा तस्कर हीराधर यादव के खिलाफ जशपुर के अलावा सीतापुर में गांजा तस्करी के 2 मामले दर्ज है। अभियुक्त के ग्राम हल्दीझरिया स्थित मकान कीमत 1 करोड़ 1 लाख 47 हजार 1 सौ 34 रु तथा 5 वाहन कीमत 37 लाख 35 हजार, कुल कीमत एक करोड़ अड़तीस लाख ब्यासी हजार एक सौ चौतीस) की पुष्टि हुई है।

- सफेमा कोर्ट मुंबई के माध्यम से की गई करवाई

जशपुर जिले के हल्दीझरिया थाना बागबहार निवासी हीराधर ओडिशा से गांजा लाकर छत्तीसगढ़ तथा अन्य राज्यों में व्यापार का पुराना सरगना है। हीराधर यादव को चौकी कोतबा थाना बागबहार द्वारा 27 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ा था, जिस पर अपराध क्र. 94/2024 धारा 20(बी)(ii)(सी) दर्ज किया गया था। अभियुक्त शातिर किस्म का गांजा तस्कर था जिसके विरुद्ध सरगुजा जिले में भी गांजा तस्करी के 02 अपराध पंजीबद्ध किए गए थे।

तीन वर्ष में 1.50 करोड़ से ज्यादा की राशि अंतरित की

अभियुक्त हीराधर यादव तथा उसके परिवारजनों के खातों में विगत 3 वर्षों से कम अवधि में ही 1 करोड़ 50 लाख से ज्यादा की राशि अंतरित की गई थी। गांजे के अवैध व्यापार से अभियुक्त हीराधर यादव ने 5 वाहन तथा 2 मंजिला मकान कुल कीमत एक करोड़ अड़तीस लाख ब्यासी हजार एक सौ चौतीस का अर्जित किया था। विस्तृत रिपोर्ट सक्षम अधिकारी तस्कर एवं विदेशी मुद्रा छल साधक संपत्ति संपहरण अधिनियम-1976 (साफेमा) मुंबई को प्रेषित की गई। अभियुक्त को अपने अभिकर्ता के माध्यम से अपना पक्ष रखने का पूर्ण अवसर दिया गया। अंततः जशपुर पुलिस द्वारा किये गये आर्थिक अन्वेषण प्रमाणित होने पर अभियुक्त हीराधर यादव के ग्राम हल्दीझरिया स्थित मकान तथा 5 वाहन जिसमे 2 कार, 2 मोटर सायकल, 1 ट्रेक्टर जिसकी कुल कीमत रू. एक करोड़ अड़तीस लाख ब्यासी हजार एक सौ चौतीस के समपहरण की पुष्टि की गई।

जिले में पहली बार हुई करवाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेश कुमार जायसवाल द्वारा इसकी संपत्ति का विवरण प्राप्त कर सफेमा मुंबई कोर्ट में अत्यंत प्रोफेशनल तरीके से प्रस्तुत करने पर जशपुर जिले से प्रथम बार ऐसी कार्रवाई हुई है।

जिले में 2 लाख का गांजा किया गया था बरामद

पूर्व में 2 जून 24 के शाम में चैकी कोतबा द्वारा गांजा तस्करी की सूचना मिलने पर ग्राम पीठाआमा चौक के पास नाकाबंदी करने के दौरान कार सी.जी. 13 ए.डब्ल्यू 4063 कार के चालक एवं उसमें सवार कुछ व्यक्ति पुलिस को देखकर अंधेरे एवं पानी गिरने का मौका पाकर भाग गये, पुलिस द्वारा उनके भागने पर तत्काल कार के पास जाकर घेराबंदी की गई थी। उक्त कार में एक 16 वर्षीय बालक मिला जो कार का गेट नहीं खुलने पर भागने में असफल रहा। पुलिस द्वारा उक्त बालक से गांजा रखने के संबंध में पूछताछ कर वाहन की तलाशी ली गई, तलाशी दौरान वाहन की डिक्की में मादक पदार्थ गांजा 27 किलोग्राम कीमत दो लाख सत्तर हजार रुपये मिलने पर कार सहित जब्त कर अपचारी नाबालिग को अभिरक्षा में लिया गया। अपचारी बालक ने पूछताछ पर बताया कि उक्त गांजा हीराधर यादव का है। पुलिस द्वारा हीराधर यादव को 26 अगस्त 24 को एवं उसके साथी महेश यादव को 10 अक्टूबर 24 को गिरफ्तार किया जा चुका है। हीराधर यादव के विरुद्ध सीतापुर थाना में गांजा तस्करी के 2 प्रकरण वर्ष 2014 एवं 2016 में दर्ज है। चौकी कोतबा में वर्ष 2024 में दर्ज किया गया है।

---

27 साल पहले शिक्षाकर्मी भर्ती में भ्रष्टाचार आरोपी अधिकारी को हाईकोर्ट से राहत नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

सरगुजा जिले के वाड्रफनगर जनपद पंचायत के तत्कालीन सीईओ और वर्तमान में बिलासपुर में पदस्थ आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त सीएल जायसवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया है। एसीबी कोर्ट ने भ्रष्टाचार के केस में उनके खिलाफ आरोप तय किया है, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मामले की सुनवाई जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच में हुई।

दरअसल, आदिवासी विकास विभाग में पदस्थ सहायक आयुक्त सीएल जायसवाल साल 1996 में वाड्रफनगर में जनपद पंचायत सीईओ थे। इस दौरान साल 1998 में राज्य सरकार ने शिक्षाकर्मी ग्रेड-3 के रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की थी।

आरोप है कि जायसवाल समेत अन्य ने अपने चहेते उम्मीदवारों को बिना किसी योग्यता के लाभ देकर नियुक्त करने के लिए अनियमितताएं कीं। उनका अवैधानिक तरीके से चयन किया गया। नियमों को दरकिनार कर रिश्तेदारों का भी नियुक्ति दे दी गई। शिकायत मिलने पर सरगुजा के तत्कालीन कलेक्टर ने जांच के लिए चार सदस्यीय समिति बनाई। जांच में अनियमितताएं मिली। जिसके बाद एसीबी/ईओडब्ल्यू बिलासपुर ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

एसीबी कोर्ट ने तय किया है आरोप

शिक्षाकर्मी ग्रेड-3 की भर्ती में हुए घोटाले के आरोपी सीएल जायसवाल के खिलाफ विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) बलरामपुर ने 27 जून 2018 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) और आईपीसी की धारा 120-बी के तहत आरोप तय किया है। इस आदेश को चुनौती देते हुए आपराधिक पुनरीक्षण याचिका जायसवाल ने दायर की थी। याचिका में कहा गया कि उन्हें झूठा फंसाया गया है। वे चयन प्रक्रिया रोकने का आदेश दे चुके थे और बाद में उनका तबादला हो गया था। उन्होंने किसी भी अभ्यर्थी का चयन नहीं किया। राज्य सरकार की तरफ से जवाब में कहा गया कि आरोपी चयन समिति के पदेन अध्यक्ष थे। उन्होंने रिश्वत लेकर अभ्यर्थियों का चयन किया और दस्तावेजों में हेरफेर की। गवाहों के बयान में यह स्पष्ट हुआ कि तात्कालीन जनपद सीईओ ने साक्षात्कार में अंक देने में हेरफेर किया। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने आरोपी अधिकारी की तर्कों को नहीं माना। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को मामले की सुनवाई जारी रखने का निर्देश दिया है। साथ ही पूर्व में दी गई किसी भी तरह की अंतरित राहत भी हटाने का आदेश दिया है।

लंबी जांच प्रक्रिया के बाद कोर्ट में चार्जशीट पेश

जांच में पाया गया कि आरोपी और चयन समिति के 9 सदस्यों ने निष्पक्ष चयन प्रक्रिया का पालन नहीं किया। इंटरव्यू के अंक मनमाने तरीके से दिए गए। ओबीसी और एससी वर्ग की सूची में हेराफेरी गई। कई अभ्यर्थियों को ज्यादा नंबर देकर चयनित किया गया, जबकि योग्य उम्मीदवारों को बाहर कर दिया गया। जायसवाल समेत अन्य पर आरोप लगाया गया कि रिश्वत लेकर अभ्यर्थियों का चयन किया। गवाहों के बयान में सामने आया कि रिश्वत न देने पर कुछ अभ्यर्थियों को बाहर कर दिया गया। जांच में चयन प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के स्पष्ट प्रमाण मिले। एसीबी ने लंबी जांच प्रक्रिया के बाद कोर्ट में चार्जशीट पेश किया। जिसके बाद कोर्ट ने ट्रॉयल के बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) और आईपीसी की धारा 120-बी के तहत आरोप तय किया है।

कांग्रेस ने की 11 जिलों में नए अध्यक्षों की नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस में ने 11 जिला अध्यक्षों की पहली सूची जारी कर दी है। एआईसीसी द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन 11 जिलों में नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है।

जिला अध्यक्ष बदलने को लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हार की समीक्षा के बाद से चर्चा चल रही थी। कांग्रेस ने नगरीय निकाय चुनाव में करारी हार के बाद संगठन को मजबूत करने की दिशा में यह कदम उठाया है।

- कोंड़ागांव, नारायणपुर, सरगुजा, बलरामपुर के अध्यक्ष बदले गए
- बेमेतरा जिला अध्यक्ष होंगे आशीष छाबड़ा, दुर्ग ग्रामीण संभालेंगे राजेश ठाकुर

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी से जारी आदेश के मुताबिक, बालोद में चंद्रेश हिरवानी, दुर्ग (ग्रामीण) राकेश ठाकुर, नारायणपुर में बिसेल नाग, कोंडागांव में बुधराम नेताम, कोरबा (शहर) नाथूलाल यादव, कोरबा (ग्रामीण) मनोज चौहान, बलौदाबाजार में सुमित्रा घृतलहरे, सारंगढ़-बिलागढ़ में ताराचंद देवांगन, सरगुजा में बालकृष्ण पाठक, बलरामपुर में कृष्ण प्रताप सिंह और बेमेतरा में आशीष छाबड़ा अध्यक्ष बनाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दीपक बैज ने कांग्रेस संगठन में नई नियुक्ति के संबंध में एआइसीसी को सूची सौंपी थी, जिस पर प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट की अनुसंशा के बाद मुहर लगाई गई है। आने वाले दिनों में संगठन को मजबूत करने प्रदेश संगठन में भी नियुक्ति की जाएगी।

कोंडागांव अंतरराज्यीय बस स्टैंड की हालत खराब, हाईकोर्ट ने जल्द शुरू करने कहा

बिलासपुर। कोंडागांव का अंतरराज्यीय बस स्टैंड पिछले 2 सालों से बंद पड़ा है, जिसकी हालत अब खराब हो गई है। 6.51 करोड़ रुपए की लागत से बना यह बस स्टैंड अब असामाजिक तत्वों का अड्डा बन गया है। बस स्टैंड में शाम होते ही यहां शराबखोरी और स्टंटबाजी का माहौल बन जाता है। सुविधाओं की स्थिति भी खराब है। वॉशरूम, टॉयलेट और दरवाजे टूट-फूट कर कबाड़ में तब्दील हो रहे हैं। हाईकोर्ट ने मामले में संज्ञान लेते हुए 15 अप्रैल तक सारी व्यवस्था बनाने और बस स्टैंड शुरू करने कहा है। इस बस स्टैंड में अव्यवस्था की खबरें मीडिया में आईं थी। हाईकोर्ट ने इसे संज्ञान में लिया था। दरअसल 12 साल पहले जिला बनने के बाद शहर के यातायात दबाव को कम करने के लिए यह बस स्टैंड बनाया गया था। बस स्टैंड में बड़े स्क्रीन तो लगाए गए, लेकिन सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था नहीं की गई। इसके चलते असामाजिक तत्व बेखौफ होकर यहां आते-जाते हैं। 6 करोड़ से अधिक खर्च करने के बाद भी बस स्टैंड शुरू नहीं हो पाया।

सस्पेंड आईएएस रानू साहू की दो अग्रिम जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की चर्चित आईएस अफसर रहीं रानू साहू को फिर हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। उनकी ओर से लगाई दो अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई हैं। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि, आरोपी अफसर के खिलाफ जांच एजेंसी के पास पर्याप्त सबूत हैं। दरअसल, निलंबित आईएएस रानू साहू रायपुर सेंट्रल जेल में बंद है। उनके खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने दो अलग-अलग एफआईआर की है। इन मामलों में भी उन्हें गिरफ्तारी की आशंका लग रही है। इससे बचने के लिए उसने अग्रिम जमानत अर्जियां लगाई थी। इसके लिए केजरीवाल और सिसोदिया केस का हवाला भी दिया गया। शासन की ओर से कहा गया कि रानू साहू कोल और डीएमएफ घोटाले के अलावा आय से अधिक संपत्ति में भी आरोपी है। इसमें 2015 से 2022 के बीच उसने 3.93 करोड़ रुपए की बेमानी संपत्तियां अर्जित की है। ऐसे में आरोपी अग्रिम जमानत की शर्तें पूरी नहीं करता। अपराध की गंभीरता और गवाहों से छेड़छाड़ की संभावना है।

कोल इंडिया चेयरमैन ने किया चिरमिरी-दीपका माइंस का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन पीएम प्रसाद ने शनिवार को एसईसीएल चिरमिरी व दीपका क्षेत्र का दौरा किया। अपने एक दिवसीय निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिरमिरी कॉलरी की खुली खदानों का जायजा लिया और वहां जारी खनन गतिविधियों की समीक्षा की।

इस मौके पर उनके साथ डायरेक्टर (तकनीकी) फ्रैंकलिन जयकुमार, तकनीकी सचिव मनीष श्रीवास्तव और एसईसीएल के योजना एवं परियोजना महाप्रबंधक उपस्थित रहे। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कोयला उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि के मद्देनजर कोल इंडिया चेयरमैन विभिन्न खदान क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। फायर माइंस ओपन कास्ट, चिरमिरी में कोयला उत्पादन और प्रेषण में पिछले पांच वर्षों की तुलना में सर्वाधिक उत्पादन दर्ज किया गया है, इसके साथ ही बीते वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि हासिल करने पर चेयरमैन ने परियोजना के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल प्रबंधन ने जांच के बाद की शिकायत

फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाए जाने के मामले में पुलिस ने दर्ज किया अपराध

हरिभूमि न्यूज : अंबिकापुर

फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने के मामले में मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की शिकायत के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से च्वाइस सेंटर के खिलाफ की गई शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से छह जन्म प्रमाण पत्रों से संबंधित सबूत भी पुलिस को सौंपे गये हैं।

सरगुजा में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाए जाने के मामले का खुलासा हुआ है। च्वाइस सेंटरों द्वारा भोले भाले ग्रामीणों को अपने जाल में फंसाकर उनके जन्म प्रमाण फर्जी तरीके से बनाए जा रहे हैं। शातिर अपराधियों द्वारा इतनी सफाई से काम किया जा रहा है कि असली और नकली प्रमाण पत्र में फर्क करना आसान नहीं है। बाकायदा जन्म प्रमाण पत्र में बारकोड तक दिया जा रहा है और पिछले दिनों ऐसे ही एक फर्जी प्रमाण पत्र के बार कोड की से मामले का खुलासा उस वक्त हुआ जब व्यक्ति अपने बेटे के जन्म प्रमाण पत्र में जन्म तिथि सुधरवाने के लिए पहुंचा था। क्यूआर कोड स्कैन करने पर पता चला कि जन्म प्रमाण पत्र फर्जी है। अब तक गिरोह के द्वारा जिले में बनाए गए दस फर्जी जन्म प्रमाण पत्र सामने आए हैं जबकि हजारों लोगों को यह पता ही नहीं होगा की उनके जन्म प्रमाण फर्जी हैं। जन्म प्रमाण पत्र में रजिस्ट्रार के फर्जी हस्ताक्षर और सील मुहर का उपयोग किया जा रहा है। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि दस में से 6 जन्म प्रमाण पत्र मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बनाए गंए और इसमें रजिस्ट्रार डॉ. जेके रेलवानी का फर्जी हस्ताक्षर किया गया। मेडिकल कॉलेज सम्बद्ध जिला अस्पताल में जन्म प्रमाण पत्र बनाए जाने की शुरुआत हीं 2013 में की गई थी जबकि इसके पहले नगर निगम में जन्म प्रमाण पत्र बनाया जाता था। इसके साथ ही ऑनलाइन जन्म प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया 2021 में शुरू हुई लेकिन जो फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बरामद किए गए हैं उनमें सभी का जन्म स्थल जिला अस्पताल है और तिथि 2013 के पहले की है। जबकि एक प्रमाण पत्र तो ऑनलाइन 1965 में जारी किया गया है। जांच में पता चला था कि पैसे लेकर एक दिन में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाए गये हैं। वहीं नगर निगम के भी फर्जी सील साइन का उपयोग कर जन्म प्रमाण पत्र बनाए गए हैं।

इस मामले में जांच के बाद राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के सहायक अस्पताल अधीक्षक डॉ. हनुमंत बाघ द्वारा कोतवाली थाना में शिकायत दर्ज कराई गई जिसके बाद पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज किया है।

बिलासपुर, रविवार 23 मार्च 2025 | चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी | वर्ष: 25, अंक: 1 | पृष्ठ : 10+8 = 18 मूल्य: 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अजय-मूणत रहे आक्रामक

छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है, इसके बाद भी बजट सत्र में पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक अजय चंद्राकर और राजेश मूणत की आक्रामकता चर्चा में रही। अजय चंद्राकर ने कई मुद्दों पर अपनी ही सरकार के मंत्रियों को जमकर घेरा। श्री मूणत भी काफी आक्रामक रहे। सदन के समापन के दिन विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह ने कहा कि अजय चंद्राकर हमारे बुमराह हैं।

रेणुका, अमर अग्रवाल, रायमुनि, राजेश अग्रवाल और सिन्हा ने बजट सत्र में नहीं पूछा एक भी सवाल

भाजपा के अजय, धरम, धर्मजीत, मूणत और भावना ने 16 दिन में लगाए 64 सवाल, इतनी ही लिमिट

कांग्रेस के 10 और भाजपा के 5 विधायक रहे फुलफार्म में, सत्ताधारी 5 विधायक रहे खामोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ के बजट सत्र जोरदार रहा। विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी मंत्रियों को जमकर घेरा। नए विधायकों ने भी जमकर सवाल पूछे। बजट सत्र 17 दिन का था। राज्यपाल के अभिभाषण के दिन सवाल नहीं पूछे जाते। इस तरह 16 दिन प्रश्नकाल रहा। हर दिन एक विधायक अधिकतम 4 सवाल पूछ सकता है। इस तरह एक विधायक ज्यादा से ज्यादा 64 सवाल पूछ सकता है। ▶▶|शेष पेज 3 पर

50 से अधिक सवाल इन सदस्यों ने पूछे

सत्र के दौरान विधानसभा में कुछ विधायकों ऐसे भी थे जिन्होंने 50 या उससे अधिक सवाल लगाए। ऐसे विधायकों मे अधिकांश नए विधायक शामिल हैं जो पहली बार विधायक बने। इनमें भाजपा के सुशांत शुक्ला, संपत अग्रवाल, अनूज शर्मा आगे रहे। कांग्रेस विधायकों में चातुरी नंद, ओंकार साहू, संगिता सिन्हा, अनिला भेडिया, कुंवर सिंह निषाद के नाम शामिल हैं। इन विधायकों ने अपने क्षेत्र के मामले विधानसभा उठाए।

एक दर्जन कांग्रेस और 6 भाजपा सदस्यों ने प्रतिदिन पूछे सवाल

विपक्ष में होने के कारण प्रश्नकाल का ज्यादातर उपयोग कांग्रेस सदस्यों ने किया उन्होंने अधिक से अधिक सवाल लगाए। बजट सत्र के दौरान पूरे 16 दिन एक दर्जन कांग्रेस सदस्यों के सवाल रोज आए। वहीं भाजपा के आधा दर्जन सदस्य ऐसे थे जो सवालों माध्यम से रोज चर्चा में रहे। लगभग ▶▶|शेष पेज 3 पर

भैयालाल राजवाड़े | विक्रम उसेंडी | लता उसेंडी | भूलन सिंह मरावी | विद्यावती सिदार

प्रणव कुमार मरपच्ची | प्रेमचंद पटेल | पुरंदर मिश्रा | प्रबोध मिंज | डोमनलाल कोर्सेवाड़ा

10 से कम सवाल लगाने वाले विधायक

चैतराम अटामी | सुनील सोनी | गुरु खुशवंत साहेब

10 से कम सवाल पूछने वाले एक दर्जन विधायक भी इसमें शामिल हैं जिन्होंने अपने क्षेत्र से संबंधित मामलों में ही सवाल उठाए। इनमें भाजपा के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक भैयालाल राजवाड़े ने 1 और विक्रम उसेंडी ने 3 सवाल ही लगाए। पूर्व मंत्री लता उसेंडी ने 4 सवाल पूरे सत्र के दौरान पूछा। केवल चार सवाल लगाने वाले अन्य विधायकों में भूलन सिंह मरावी, विद्यावती सिदार, प्रणव कुमार मरपच्ची, प्रेमचंद पटेल और पुरंदर मिश्रा के नाम शामित हैं। विनायक गोयल ने 5, प्रबोध मिंज ने 7, डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, चैतराम अटामी और सुनील सोनी ने 8 और गुरु खुशवंत साहेब ने सत्र के दौरान 10 सवाल ही लगाए थे।

मैंने चवन्नी खा ली है, डिब्बे की आवाज कितनी है, सेशन एक पैसे का, आईपीएल में सटोरियों ने ईजाद किए शब्द...

बिलासपुर- विकास चौबे/ भिलाई- जेएम तांडी

हरिभूमि इंवेस्टीगेशन

'सेशन एक पैसे का है', 'मैंने चवन्नी खा ली है', 'डिब्बे की आवाज कितनी है', 'तेरे पास कितने लाइन है', 'आज फेवरिट कौन है', 'लाइन को लंबी पारी चाहिए'... कहने को यह सिर्फ चंद ऊटपंटाग शब्द लगेंगे, लेकिन इनके बोलने में करोड़ों का लेनदेन हो रहा है। बात हो रही है आईपीएल पर सट्टे बाजार की। आईपीएल को सट्टेबाजों को त्यौहार कहा जाता है। सरकार ने महादेव एप पर भले ही प्रतिबंध लगा दिया हो अवैध बेटिंग ऐप के ऑपरेटर्स सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन के इस्तेमाल से 'best IPL betting site' या 'online casino without KYC' टैग लाइन के साथ अपने साइट का प्रचार करते हैं ताकि लोग इनके झांसे में आ जाएं। यह व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे ऐप का भी जमकर इस्तेमाल करते हैं। ऐसे लोग जिनके फॉलोअर्स की संख्या लाखों में हैं। बिलासपुर में चकरभाठा सट्टे का सबसे बड़ा ▶▶|शेष पेज 3 पर

शहर के प्रमुख खाइवाल ने बताया

हरिभूमि- आईपीएल में सट्टा कैसे लगाया जाता है, क्या करना होगा?

खाइवाल- आईपीएल का सट्टा लाइन पर चलता है। लाइन का नंबर छोटे शहरों में बैठे बुकी के पास होता है। बुकी ही लोगों को सट्टा खिलवाते हैं। मैच शुरू होने के साथ भाव तय होता है। मजबूत और कमजोर टीम के हिसाब से लाइन पर भाव आते हैं। इस भाव के आधार पर ही युवा बुकी के जरिए सट्टे पर रुपए लगाते हैं। इसके अलावा प्रति ओवर, प्रति बाल के हिसाब से भी लोग सट्टा लगाते हैं। सट्टा लगाने वाले व्यक्ति को लाइन कहा जाता है, जो एजेंट यानी पंटर के माध्यम से बुकी (डिब्बे) तक संपर्क करता है। एजेंट को एडवांस देकर अकाउंट खुलवाना पड़ता है, जिसकी एक लिमिट होती है।

हरिभूमि- सट्टे का भाव कैसे तय होता है, कौन तय करता है

खाइवाल- सट्टे के भाव को डिब्बे की आवाज बोला जाता है। आईपीएल क्रिकेट में सट्टेबाज 20 ओवर को लंबी पारी, दस ओवर को ▶▶|शेष पेज 3 पर

- यह सिर्फ चंद ऊटपंटाग शब्द लेकिन इनके बोलने में करोड़ों का लेनदेन हो रहा
- आईपीएल के साथ ही शुरू हो गया सट्टेबाजों का त्यौहार बेटिंग ऐप के जरिए पूरा खेल

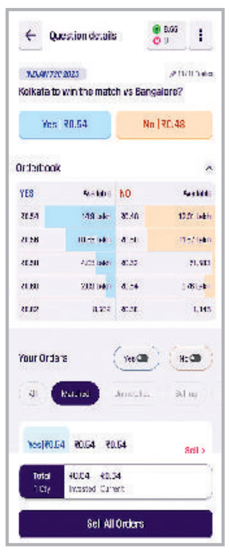

पुलिस की पैनी नजर

आईपीएल मैच शुरू होते ही सटोरियों पर पुलिस की पैनी नजर है। सट्टे के कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा। टीम जांच में जुटी हुई है।

- अजय सिंह, डीएसपी क्राइम भिलाई-दुर्ग

सट्टे की भाषा

बुकी	-	डिब्बा
एजेंट	-	पंटर
क्लाइंट	-	लाइन
एक लाख	-	एक पैसा
सवा लाख	-	सवा पैसा
25 हजार	-	चव्वनी

▶▶|शेष पेज 3 पर

पंटर से बातचीत

हरिभूमि: आईपीएल मैच शुरु हो गया क्या रेट चल रहा है ?

पंटर: पहला दिन है भैया कम चल रहा है लेकिन 86-87 का रेट है।

हरिभूमि: भिलाई-दुर्ग में सट्टा के कारोबार का क्या जलवा है?

पंटर: सबसे पास स्मार्ट फोन आ चुका है उसी से ऑनलाइन होता है अब।

हरिभूमि: पुलिस का डर नहीं रहा है क्या अब कि सेटिंग है?

पंटर: कहां भैया पुलिस को जैसे जानकारी मिलती है रेड करती है, इस कारण छिप कर कारोबार चलता है।

हरिभूमि: पहला दिन कारोबार कैसा रहता है खेलने वाले कितने होते हैं?

पंटर: शुरुआत में काफी कम रहता है जैसे जैसे मैच होता भीड़ बढ़ती है, खेलने वाले पहले से काफी सजग हो गए है। इस कारण कारोबार अभी मंदा है।

विधानसभा में दी गलत जानकारी रेंजर सहित पांच निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विधानसभा में गलत जानकारी दिए जाने के मामले में डीएफओ सहित 7 अधिकारियों पर कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। इन अधिकारियों ने विधानसभा में गलत जानकारी दी थी। वन मंत्री केदार कश्यप ने इस वजह से इन अफसरों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इनमें से वन परिक्षेत्र अधिकारी, माना नर्सरी प्रभारी सहित तीन लिपिकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। डीएओ और एडीएफओ पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र 2025 के दौरान पामगढ़ की विधायक शेषराज हरवंश ने माना में इंदिरा निकुंज रोपणी में संचालित होने वाले महिला स्व सहायता समूह के काम की जानकारी मांगी थी। काम करने वाले समूह की जानकारी छिपाकर अफसरों ने मंत्री को गलत जानकारी दी थी। इसी की वजह से रायपुर वनमंडल के रायपुर परिक्षेत्र अधिकारी सतीश मिश्रा, माना नर्सरी प्रभारी वनपाल तेजा सिंह साहू, वनमंडल कार्यालय के सहायक ग्रेड-2, अविनाश वाल्दे और प्रदीप तिवारी, परिक्षेत्र कार्यालय के लिपिक अजीत ड़डसेना को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। वनमंडलाधिकारी लोकनाथ पटेल एवं उप वनमंडलाधिकारी विश्वनाथ मुखर्जी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने शासन स्तर पर पत्राचार करने निर्देशित किया है। मंत्री केदार कश्यप ने वन ▶▶|शेष पेज 3 पर

केदार कश्यप वन मंत्री

- डीएफओ और डिप्टी डीएफओ के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश

शेषराज हरवंश विधायक

मंत्री के निर्देश पर बनी थी जांच समिति

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक शेषराज हरवंश ने इंदिरा निकुंज माना रोपणी में संचालित कुंवारादेव महिला स्व सहायता समूह के कार्य संचालन के संबंध में विभाग द्वारा सदन में गलत जानकारी प्रस्तुत करने की बात कही थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए मंत्री केदार कश्यप ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख को जांच करने के लिए निर्देश दिए थे। वन मंत्री के निर्देश के बाद पीसीसीएफ व्ही. श्रीनिवास राव की अध्यक्षता में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक नावेद शुजाउद्दीन और मुख्य वन संरक्षक रायपुर वृत्त, रायपुर, राजू अगासिमनी सदस्यों द्वारा तत्काल जांच समिति गठित किया गया था।

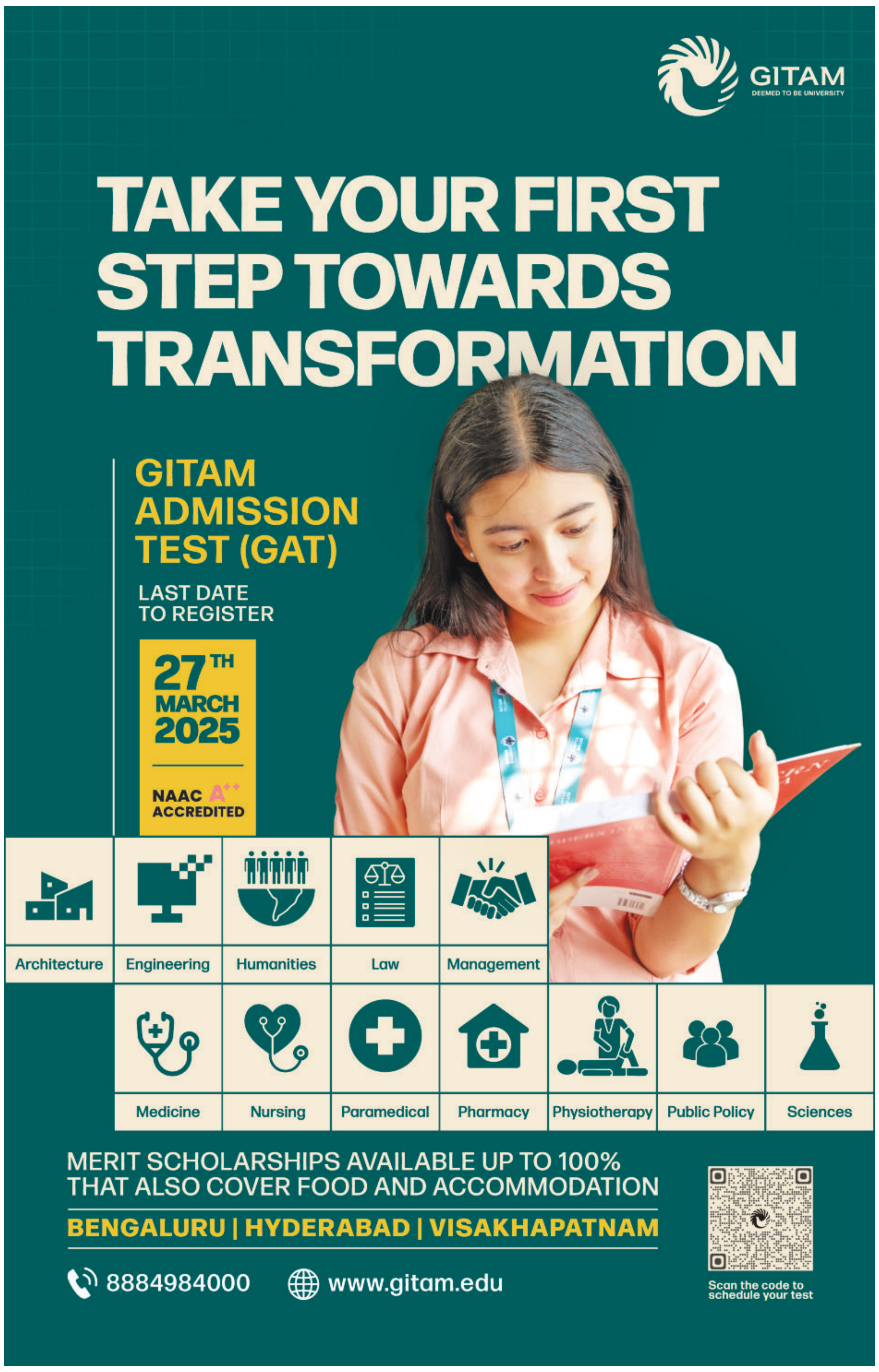

फिल्म छावा के बाद से शुरू औरंगजेब विवाद की आंच में नागपुर झुलस गया। अमूमन शांत रहने वाली संतरा नगरी में औरंगजेब की कब्र और सोशल मीडिया पर अफवाह को लेकर हुई हिंसा चिंता पैदा करती है। असदुद्दीन ओवैसी जैसे सुलझे नेता ने बयान दे दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई हैं। इस तरह की अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं? नागपुर में हिंसा के दौरान भीड़ जगह-जगह उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो इसका कारण न सामान्य हो सकता है और न इसे तत्कालिक रूप से उत्पन्न संघर्ष मानना चाहिए। अगर पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, उनको घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा। इसके पीछे कौन लोग हैं, किनकी साजिश है? यह विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न दिखा, जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। इतिहासजीवी बनकर भविष्यदृष्टा नहीं बना जा सकता। औरंगजेब की कब्र, आयत अफवाह के पीछे की साजिश व राजनीति का आंकलन करता आजकल का यह अंक...

नागपुर हिंसा के पीछे की सोच को समझें

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल अगर किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं, नकाबपोश हैं, कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चलने के प्रमाण हैं। आप भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े साफ मन के रहते खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसका परिणाम क्या होगा, इस पर भी अवश्य विचार कर लीजिए।

नागपुर के दृश्य निस्संदेह फिर देश को भयभीत कर रहे हैं। केवल तत्कालीन गुस्से में हुई त्वरित प्रतिक्रिया में इस तरह की हिसा संभव नहीं। 33 से ज्यादा पुलिसकर्मियों का घायल होना, भारी संख्या में वाहनों की तोड़फोड़ या जलाना, जगह-जगह घरों और दुकानों का क्षतिग्रस्त होना बताता है कि हमले सुनियोजित थे। विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने बयान भी दिया कि यह एक सुनियोजित हमला लगता है। नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल अगर किसी मुद्दे, विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं, नकाबपोश हैं, कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चलने के प्रमाण हैं। वैसे भी इतने व्यापक क्षेत्र में बगैर पूर्व योजना और षड्यंत्र के वैसी हिंसा संभव ही नहीं है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक नागपुर हिंसा मामले में 13 प्राथमिकी दर्ज हो चुकी हैं तथा 100 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी भी।

औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध

संक्षेप में घटनाक्रम को देखिए। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर प्रतीकात्मक पुतला जलाया। एक तरफ यह हो रहा था और दूसरी तरफ माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी के शहर अध्यक्ष फ़हीम अहमद लगभग 50-60 लोगों को लेकर गणेशपेठ पुलिस थाना पहुंचे और लिखित प्राथमिकी दर्ज कराई कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान की आयत लिखकर जलाया जा रहा है। इसके साथ सोशल मीडिया पर चारों तरफ इसकी अफवाह फैलाई गई कि पवित्र कुरान की आयतें जलाई गई हैं, लोगों को घर से निकलने की अपील की गई।

सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया गया कि हिंसा में उनके दो लोगों की मृत्यु हो गई है। एक सोशल मीडिया अकाउंट बांग्लादेश से मिला है जिसमें लिखा गया कि यह छोटा दंगा था, इससे बड़ा दंगा आगे होगा। फहीम थाने से आकर 400-500 लोगों के साथ, जिनके हाथों में हथियार थे, ने छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर हथियार दिखाकर लोगों को डराना शुरू किया। पुलिस द्वारा भीड़ से वापस जाने के आग्रह को अनसुना करते हुए भड़काऊ और उकसाऊ नारे लगे। आप सोचिए, अगर कुछ निहत्थे लोग अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हो, पुतले जल रहे हों और वहां कुल्हाड़ियों, पत्थरों, लाठी, रॉड और अन्य ऐसी सामग्रियां लेकर 400-500 लोग लहराने लगें तथा दृश्य ऐसे हों मानो अब इन पर टूट पड़ने वाले हैं तो लोगों की कैसी मनोदशा होगी। भीड़ द्वारा भालदारपुरा में पुलिस पर पत्थरों से हमले की भी घटना हुई।

महिला पुलिस के साथ दुर्व्यवहार

सबसे शर्मनाक अंधेरे का लाभ उठाकर महिला पुलिस के साथ छेड़खानी और दुर्व्यवहार था। गीतांजलि चौक पर भीड़ ने पुलिस वाहनों पर पेट्रोल बम से हमला किया और पुलिस के दो वाहनों में आग लगा दी। गंजीपुरा में फ्लाईओवर निर्माण के लिए खड़ी दो क्रेन को पेट्रोल बम से आग लगा दी गई। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों पर पत्थरों और घातक हथियारों से हमलाकर घायल कर दिया गया। बड़ी संख्या में एक विशेष समुदाय के लोगों ने बिल्कुल आक्रामक तेवर और तैयारी में महल, कोतवाली, गणेशपेठ और चिटनिस पार्क समेत शहर के विभिन्न इलाकों में एकत्रित होकर हिंसा शुरू की। पुलिस द्वारा आंसू गैस के गोले दागे गए।

दुकानें सुबह से ही बंद क्यों रखी गईं

नागपुर के सीए रोड, भालदारपुरा, गंजी पेठ, हंसापुरी, गांधी बाग, चिटनवीस पार्क, आदि क्षेत्र में ज्यादातर दुकानें पुराने मोटरसाइकिल एवं ऑटो स्पेयर पाट्र्स की हैं। सभी दुकानें मुस्लिम समुदाय की है। सोमवार को दुकानें सुबह से ही बंद रखी गई थी। क्यों? मोबिनपुरा में 150 गाड़ियां इन्हीं लोगों की खड़ी रहती थी, वहां एक भी गाड़ी नहीं थी। क्यों? शाम की हिंसा में केवल हिंदू घर एवं दुकान ही निशाना बने। नागपुर के डीसीपी निकेतन कदम पत्थरबाजी की घटना में घायल हुए। उनका वक्तव्य देखिए, 'जिस तरह से हर तरफ से पत्थरबाजी हुई, उसमें कई अधिकारी घायल हो गए। एक घर में कुछ लोग छिपकर पत्थरबाजी कर रहे थे। टीम वहां गई तो दूसरी ओर से 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ आई। मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की तो एक ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कई छतों से पत्थर फेंके जा रहे थे। पत्थर छत पर कैसे पहुंचे, कुछ तो प्लानिंग थी।' भीड़ जगह-जगह उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो इसका कारण न सामान्य हो सकता है और न इसे तत्कालिक रूप से उत्पन्न संघर्ष मानना चाहिए। अगर पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, उनको घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा।

झूठा प्रचार कर भड़काई गई हिंसा

इस तरह की भयानक घटना को अगर हम सामान्य राजनीतिक और दलीय चश्मे से देखेंगे तो भविष्य में होने वाले भयावह परिणामों के भागीदार बनेंगे। सच को सच के रूप में समझ कर स्पष्ट नाम बोला जाए तो फिर परिणाम सतत भयावह से भयावहतम की ओर बढ़ेंगे। सामान्य सामाजिक व्यवहार की दृष्टि से देखें तो इस हिंसा का कोई कारण नहीं था।

कोई संगठन या संगठनों का समूह किसी विषय पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहा है तो उसे मजहब विरोधी कार्रवाई मानकर हमले करने की व्याख्या कैसे की जाएगी? साफ है कि ऐसा कुछ जलाया ही नहीं गया जिसका प्रचार किया गया। असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता ने बयान दे दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र पाक कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई हैं। इस तरह के अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं। भारी संख्या में सोशल मीडिया अकाउंट बंद किए गए और उनके आधार पर लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं।

इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों

मानकर चलना चाहिए कि इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी को दी जाती है तो केंद्र दोषियों को अंतिम सीमा तक दंड दिलाएगा। केवल दंड दिलाना ही ऐसी समस्याओं के निदान का आधार नहीं हो सकता । यह विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न देखा, जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। आखिर कोई समूह औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहा है तो उससे इतनी संख्या में किसी समुदाय के लोगों के अंदर गुस्सा क्यों पैदा हो गया? औरंगजेब जैसे आततायी, धर्मांध, बुरे शासक के लिए उसकी मृत्यु के 300 से ज्यादा वर्षों बाद इतने लोगों के अंदर उसे अपना या अपने इस्लाम का आदर्श मानने की इतनी संवेगी भावना कि मरने - मारने को उतारू हो जाएं, कहां से पैदा हो गई? पहले भी सोशल मीडिया पर औरंगजेब का महिमामंडन कर हिंसा फैलाने की कोशिश की गई है।

बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति

केवल औरंगजेब नहीं, उत्तर प्रदेश से महमूद गजनवी और उसके भांजे सालार मसूद तक के प्रति इतना समर्थन कैसे कि उन पर प्रश्न उठाने के विरुद्ध खुलेआम बयानबाजी और हिंसा तक की घटनाएं हो रही हैं? क्या कल कोई नादिर शाह और अहमदशाह अब्दली को भी इस्लाम का ध्वजवाहक मानकर लड़ना शुरू कर देगा? कल्पना करिए कि कोई जनरल डायर, लॉर्ड क्लाइव आदि के पक्ष में खड़ा हो तो देश उसे किस दृष्टि से दिखेगा? यही दृष्टि औरंगजेब, महमूद गजनवी, सालार मसूद गाजी जैसों के प्रति क्यों नहीं पैदा होता? यह ऐसी विचारधारा है जिसमें इस्लाम के नाम पर काफिरों या विरोधियों के विरुद्ध हर तरह के अत्याचार, उनके पवित्रतम स्थलों को ध्वस्त कर इस्लामी ढांचा खड़ा करने को सही माना जाता है। इस्लाम को उच्च तथा काफिरों या विरोधियों के साथ हर तरह के बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति मिलती दिख रही है। यह चिंतनीय है, सरकार देखे।

औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित

यही आचरण दुनिया में आतंकवाद और अन्य प्रकार की हिंसा का कारण बना हुआ है तथा भारत विभाजन के पीछे भी यही था। इसलिए दलीय बयानबाजी द्वारा ऐसे तत्वों को परोक्ष समर्थन देना इनको हिंसा के लिए प्रोत्साहित करने के समान है जो भविष्य में सबके लिए आत्मघाती साबित होगा।

शिवसेना नेता संजय राऊत का बयान देखिए, 'नागपुर में हिंसा होने का कोई कारण नहीं है। यहीं पर आरएसएस का मुख्यालय है। यह देवेंद्र जी का निर्वाचन क्षेत्र भी है। यहां हिंसा फैलाने की हिम्मत कौन कर सकता है? हिंदुओं को डराने, अपने ही लोगों से उन पर हमला करवाने और फिर उन्हें भड़काकर दंगों में शामिल करने का यह एक नया पैटर्न है।' हिंसा कौन कर रहे थे यह साफ दिख रहा है और संजय राऊत को भाजपा और संघ ही दोषी नजर आ रहा है। इसी समय बेंगलुरु में संघ की प्रतिनिधि सभा से अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर का बयान है कि औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित।

सामना के संपादकीय में औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग करने वालों को हिंदू तालिबान कहा गया। लिखा गया कि औरंगजेब की कब्र मराठों और शिवाजी के शौर्य का प्रतीक है और उसे खत्म करने की मांग करने वाले इतिहास को समझने की कोशिश नहीं कर रहे। जब अबू आजमी ने औरंगजेब को महान शासक बताया तो अखिलेश यादव ने एक्स पर सच्चाई छुप नहीं सकती जैसे पोस्ट कर दिया। संसद के अंदर और बाहर सारा विपक्ष हमलावरों की आलोचना की जगह केवल प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने पर लगा रहा। हमारा मानना है कि आप भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े साफ मन के रहते खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसका परिणाम क्या होगा, इस पर भी अवश्य विचार कर लीजिए।

भविष्यदृष्टा नहीं हो सकती इतिहासजीवी राजनीति

दो टूक
राज कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और फिर से विश्व गुरु बनने को आतुर भारत की परिपक्वता पर सवालिया निशान भी है कि 21वीं शताब्दी में वह 17वीं शताब्दी के इतिहास का बंधक नजर आये। तात्कालिक संदर्भ 1707 में दुनिया से विदा हो चुके मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र का है, जिसे तोड़ने की मांग 21वीं शताब्दी में कुछ संगठनों का एजेंडा बन गयी है। लगभग 49 साल भारत पर शासन करने वाले औरंगजेब की क्रूरता के किस्से इतिहास में भी कम नहीं मिलते, पर उसकी कब्र से बदला लेकर गौरव बहाल करने की सोच विवादास्पद फिल्म छावा से उपजी है। विडंबना देखिए कि जवाब में औरंगजेब की महानता का बखान करने वाले भी पीछे नहीं रहना चाहते। एक आक्रांता में नायक देखने वाले या तो मानसिक विकृति से ग्रस्त हैं या किसी फिर साजिश का हिस्सा। बेशक औरंगजेब और उसकी कब्र पर विवाद नया नहीं है। ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन के मुखिया, सांसद असदुद्दीन ओवेसी ही कम से कम दो बार औरंगजेब की कब्र पर फूल चढ़ाकर महाराष्ट्र में अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन अक्सर शांति, सौहार्द और विकास के लिए चर्चा में रहने वाले नागपुर को झुलसा देने वाली सांप्रदायिक हिंसा को तीली दिखाने का काम सपा नेता अबू आजमी ने किया।

छावा का सांप्रदायिक धावा

अपनी बयानबाजी से अतीत में भी विवादों में रहे अबू आजमी ने इस बार औरंगजेब को 'अच्छा बादशाह' होने का प्रमाणपत्र देने का जिम्मा उठाया। यह बहस का विषय है कि अबू को यह मौका फिल्म छावा से औरंगजेब के विरुद्ध भड़कती भावनाओं और बयानबाजी ने दिया या उन्होंने स्वयं लपक लिया। लपकने की कला में ज्यादातर राजनेता कुशल होते हैं। आजमी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि औरंगजेब क्रूर नहीं था। औरंगजेब द्वारा मंदिर तोड़े जाने के मुद्दे पर आजमी ने कहा कि उसने कई मंदिर बनवाये भी। आजमी ने दावा किया कि औरंगजेब 'महान प्रशासक' था, जिसकी सेना में कई हिंदू कमांडर भी थे। हालांकि विवाद बढ़ते देख विधानसभा से निलंबन के बाद आजमी ने अपना बयान वापस ले लिया। अबू आजमी ने सफाई भी दी कि उन्होंने तो असम के मुख्यमंत्री द्वारा राहुल गांधी की तुलना औरंगजेब से किये जाने पर प्रतिक्रिया दी और औरंगजेब की बाबत कई इतिहासकारों द्वारा लिखी गयी बातों को ही दोहराया था। कहना मुश्किल है कि बिना विवाद के छावा बॉक्स ऑफिस पर ऐसी सफलता हासिल कर पाती। छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी महाराज पर केंद्रित छावा में औरंगजेब की क्रूरता से महाराष्ट्र के बाहर भी भावनाएं भड़कने की खबरें आयीं। इतिहास में कई तरह के संदेह और सवालों से घिरे संभाजी तो छावा से नायक बन गये, लेकिन भारत और भारतीयों के दमन और शोषण से दागदार दामनवाले औरंगजेब की खलनायकी के जख्म ताजा हो गये।

देर से जागा पुलिस-प्रशासन

खुद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने नागपुर हिंसा के लिए छावा फिल्म को जिम्मेदार

बताया। ऐसे में मराठी साहित्यकार शिवाजी सावंत के उपन्यास छावा पर बनी इस फिल्म को भाजपा शासित राज्यों में टैक्स फ्री करने की होड़ और उसके मंसूबों पर भी सवाल उठेंगे ही। फिल्म में चित्रित औरंगजेब की क्रूरता और उसके द्वारा संभाजी महाराज की यातनापूर्ण हत्या के मद्देनजर हिंदूवादी संगठनों ने उसकी कब्र तोड़ने की मांग उठायी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय भी वहीं है। हिंसा के बाद पुलिस-प्रशासन जितना चुस्त नजर आया, अगर वैसा पहले से रहता तो नागपुर को झुलसने से बचाया जा सकता था। आम तौर पर मुगल बादशाहों की कब्र या मकबरे शानदार हैं, लेकिन औरंगजेब की कब्र अपवाद है। कहा जाता है कि खुद औरंगजेब चाहता था कि उसे आध्यात्मिक गुरु सूफी संत शेख जैनुद्दीन की दरगाह के पास ही दफना कर साधारण कब्र बनायी जाये। पहले यह मिट्टी की बनी साधारण कब्र थी, जिस पर अंग्रेज शासन के दौरान वायसराय लार्ड कर्जन ने संगमरमर और जाली लगवायी। इतिहास बताता है कि भारत में मुगल सल्तनत का सर्वाधिक विस्तार औरंगजेब के शासनकाल में ही हुआ, पर उसी के अंतिम दिनों में वह सिमटने भी लगा था। मराठा साम्राज्य का दबदबा बढ़ने लगा था। ताजा विवाद शुरू भले महाराष्ट्र से हुआ, लेकिन वहां तक सीमित नहीं रहा। आक्रांताओं का महिमा मंडन करने वालों को सबक सिखाने की धमकियां राष्ट्रव्यापी हैं। मनोविज्ञान को समझें तो इतिहास बेहद संवेदनशील जटिल चीज है। प्रतिशोध मानवीय स्वभाव है, जिसके चलते ज्यादातर विवाद और झगड़े होते हैं। इतिहासजीवी बनकर भविष्यदृष्टा भी नहीं बना जा सकता। इसलिए हमें व्यक्ति हो या राष्ट्र, सभी के जीवन में इतिहास की सही भूमिका समझनी चाहिए। निश्चय ही इतिहास से नजरें चुराकर उसे भूलना आत्मघाती भी साबित हो सकता है, लेकिन इतिहास से प्रतिशोध के बजाय सही सबक सीखने चाहिए।

प्रतिशोध नहीं, सबक जरूरी

औरंगजेब की 300 साल पुरानी कब्र खोदने से यह ऐतिहासिक सच तो नहीं मिट जायेगा कि भारत पर लंबे समय तक मुगलों ने राज किया और उसमें भी सबसे लंबा शासनकाल औरंगजेब का रहा। कब्र तोड़ देने से औरंगजेब की क्रूरता के जख्मों का एहसास भी नहीं चला जायेगा। हां, अगर हम उन परिस्थितियों और कारणों का विश्लेषण कर सही सबक सीखें, जिनके चलते कभी सोने की चिड़िया कहा गया भारत एक-के-बाद-एक अनेक आक्रांताओं का गुलाम बना, तो शायद हमें अपना गौरव बहाल करने में मदद मिल पाये। बेशक यह कह देने जितना आसान भी नहीं है। यह तभी संभव है, जब हम बार-बार इतिहास के जख्म दिखाकर अपनी सत्ता राजनीति चमकाने के खेल के खतरों को समझें और यह काम कोई एक पक्ष नहीं कर सकता। कुछ दशकों से जिस तरह इतिहास या वर्तमान के जरिये भी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति जोर पकड़ रही है, उसमें कई बार तो सुनियोजित मिलीभगत भी लगती है। अगर औरंगजेब के जरिये हताश असदुद्दीन ओवैसी और अबू आजमी अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं तो उसकी कब्र खोदने की बात कहने वाले भी हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की जवाबी भावनाओं के जरिये अपनी चुनावी बिसात ही बिछा रहे हैं। लगभग साढ़े तीन दशक पहले देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश से शुरू सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का खेल पूरे देश में कारगर चुनावी रणनीति बन गया है। सम्भल, बहराइच से लेकर कर्नाटक में ठेकेदारी में भी अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण तक के पीछे यही मानसिकता काम कर रही है कि विकास से ज्यादा धार्मिक भावनाएं सत्ता राजनीति में संभावनाएं बेहतर बनाती हैं। जब तक राष्ट्र हित में समाज जागरूक नहीं होगा, तब तक जीवित लोगों के बेहतर भविष्य के बजाय मुर्दा लोगों के नाम पर सत्ता राजनीति परवान चढ़ती रहेगी।

छावा विवाद से किसका नफा या नुकसान

विमर्श
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म 'छावा' फिल्म के चलते मुगल बादशाह औरंगजेब इन दिनों चर्चा में है। औरंगजेब भी चर्चा में तब आया, जब मुंबई के एक विधायक अबू आजमी ने उसकी प्रशंसा कर दी। इसके बाद विवाद इतना बढ़ा कि महाराष्ट्र से लेकर देश की राजनीति सुलगने लगी। वामपंथी और राष्ट्रवादीय ऐतिहासिक दृष्टि तो पहले से ही औरंगजेब को लेकर बंटी हुई है, ऐसे में राजनीति नहीं बंटती तो हैरत ही होती। राजनीति के इस बंटवारे पर निगाह जमाए बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका मिला और नागपुर में दंगा फैल गया। अब दंगे की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पता चल रहा है कि औरंगजेब को लेकर जैसे-जैसे विवाद बढ़ा, धार्मिक आधार पर वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ा। इसने सामाजिक समरसता के पथ के नीचे जैसे बारूद बिछा दी। इस बारूद के इंतजार में बैठी भारत विरोधी ताकतों को मौका माकूल लगा और उन्होंने अफवाह की माचिस धीरे से जलाकर बारूद के ढेर पर फेंक दी। नागपुर के दंगों में बांग्लादेशी कनेक्शन के संकेत तो यही हैं।

राष्ट्रविरोधी ताकतों को फायदा

समाजशास्त्री और चुनाव शास्त्री मानते हैं कि धार्मिक ध्रुवीकरण का फायदा राजनीति के उस हिस्से को होता है, जो मध्यमार्गी नहीं होती। उन्हें इसमें एक और तथ्य भी जोड़ देना चाहिए कि ध्रुवीकरण का फायदा राष्ट्रविरोधी ताकतों को भी मिलता है। तीन सौ साल पुराने शहर नागपुर का दंगों की आग में झुलसना तो यही बताता है। यह भी ध्यान देने की बात है कि नागपुर में अब तक कभी दंगा नहीं हुआ। बाबरी ध्वंस के बाद महाराष्ट्र के कई इलाके जब सुलग रहे थे, तब भी नागपुर शांत था। लेकिन औरंगजेब के चरित्र पर जब 'छावा' फिल्म ने सवाल उठाए तो नागपुर जल उठा। इतिहासकार अपने-अपने वैचारिक खेमे के लिहाज से अपनी सरपरस्त राजनीतिक धारा को फायदा पहुंचाने को लेकर ऐतिहासिक चरित्रों को पेश करता है। औरंगजेब के चरित्र को लेकर लिखे गए इतिहास की भी यही कहानी है।

यह बताने की जरूरत नहीं कि औरंगजेब को वामपंथी इतिहासकार महान शासक बताते रहे हैं। स्कूली पाठ्यक्रमों में औरंगजेब के बारे में पढ़ाया ही जाता रहा है कि बादशाह होने के बावजूद वह टोपी सीलकर और कुरान बेचकर अपना खर्च चलाता था। इस तथ्य को स्कूली स्तर से ही भारत की दो पीढ़ियों में इस कदर घोलकर पिला दिया गया है, उसके अन्य क्रूर कार्यों की छाप कहीं नेपथ्य में चली जाती है।

सीएम के बयान पर भी विवाद

यह भी सच है कि उसने सल्तनत अपने नाम करने के लिए अपने ही भाई दाराशिकोह की हत्या करा दी थी, अपने ही पिता शाहजहां और माता को आगरा के किले में कैद कर रखा था। औरंगजेब के खाते में अपने शासन के दौरान हिंदुओं पर तरह-तरह के अत्याचार भी दर्ज हैं। नागपुर के दंगों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने जो कहा है, उसे लेकर भी विवाद हो रहा है। फड़णवीस ने कहा है कि छावा फिल्म को लेकर

मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था। वैसे नागपुर में अफवाह फैलाई गई कि कुरान को जलाया जा रहा है। इसके बाद नागपुर का मुस्लिम समुदाय आक्रामक हो उठा और देखते ही देखते संतरा उत्पादन इलाके की राजधानी के रूप में विख्यात नागपुर धधक उठा। जब से शिवसेना के रास्ते बीजेपी से अलग हुए हैं, तब से उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना बीजेपी और उसके मराठी अगुआ देवेंद्र फड़णवीस पर हमले और तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। मराठी मानुष की नजर में हिंदू हृदय सम्राट रहे बाला साहब देवरस की वैचारिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली शिवसेना के लिए देवेंद्र फड़णवीस का बयान बढ़िया अवसर लगा। उसने देवेंद्र फड़णवीस पर हमला बोल दिया। उद्धव की शिवसेना इस बहाने देवेंद्र को यह साबित करने में जुटी रही कि दरअसल वे सिर्फ हिंदुओं के वोट के लिए हिंदुत्व की राजनीति करते हैं, अलबत्ता उनका नजरिया दूसरा है। यह बात और है कि बीजेपी की ओर से शिवसेना के बयानों पर वैसी प्रतिक्रियाएं नहीं आई हैं, जैसी उसकी प्रतिक्रिया अबू आजमी के बयान के बाद आई थी, जिसमें आजमी ने औरंगजेब की प्रशंसा की थी। अगर हम मान लेते हैं कि छावा की वजह से मुस्लिम समुदाय में गुस्सा था, क्योंकि इस फिल्म में औरंगजेब के चरित्र को उनके जेहनी छवि से अलग रूप में पेश किया गया है, तो इसका मतलब यह है कि फिल्म किताब की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावी माध्यम है। यह फिल्म मराठी के मशहूर उपन्यासकार शिवाजी सावंत के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। दिलचस्प यह है कि यह उपन्यास करीब 46 साल पहले 1979 में प्रकाशित हुआ था, जिसका हिंदी समेत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। छावा का मतलब बच्चा या बेटा होता है। यह उपन्यास शिवाजी के बेटे संभाजी के जीवन पर केंद्रित है। इस उपन्यास में छत्रपति संभाजी के साथ औरंगजेब के युद्ध और मराठा साम्राज्य पर औरंगजेब के अत्याचार की कहानियां हैं। फिल्म में इसे ही उभारा गया है। वैसे एक सवाल यह भी उठता है कि ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर कोई समुदाय इस कदर क्यों खुद की भावनाओं को जोड़ लेता है? औरंगजेब के चरित्र को लेकर इतना गुस्से में भरने की जरूरत ही क्यों पड़े कि अपने आज के पड़ोसियों के साथ विवाद खड़ा करना पड़े। अगर किसी चरित्र का ऐतिहासिक स्वरूप क्रूरता से भरा है तो क्रूरता का बचाव ही क्यों करना? सवाल राजनीति से भी पूछे जा सकते हैं कि राजनीतिक लाभ-हानि के हिसाब को कब परे रखकर ऐतिहासिक चरित्रों का समग्रता से मूल्यांकन करेगी?

सवाल यह भी उठ सकता है कि क्या हम इतिहास को लेकर रोज-रोज के अपने रिश्तों को इतना बिगाड़ लेंगे कि हम वर्तमान में अपने साथियों और पड़ोसियों के साथ सुकून के साथ बैठ नहीं सकें, दो बोल बोल नहीं सकें। सवाल इतिहासकारों से भी पूछा जाना चाहिए कि वे कब अपनी वैचारिक खेमेबाजी से उठकर किसी ऐतिहासिक घटना और चरित्र का आकलन करेंगे और कब तक अपने वैचारिक आकाओं के राजनीतिक मोहरे बनते रहेंगे? दिलचस्प यह है कि छावा फिल्म के जरिए फिल्मकार की मोटी कमाई हो रही है। अब तक यह फिल्म साढ़े सात सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी थी। यानी विवादों ने फिल्म को आर्थिक फायदा खूब पहुंचाया है।

खेमेबंदी को त्यागना जरूरी

इस पूरे विवाद में अगर नुकसान हुआ है तो सिर्फ और सिर्फ भारत के लोक का, जो लोकतंत्र का आधार है। जो आपस में ही लड़ने को उतारू है। उसे ऐतिहासिक चरित्रों को लेकर अपनी खेमेबंदी अपने वैचारिक आधारों की बुनियाद पर खड़ी करने की बजाय समग्रता में करनी होगी। अन्यथा उसकी भावनाओं के जरिए कारोबार भी होगा और राजनीति भी होती रहेगी। भारतवासियों को अपनी तकदीर खुद लिखनी होगी।

निवेश का 'गुरु मंत्र' जब लोग डर रहे हों तो आप लालची बन जाएं

● निवेश में सफलता के लिए हमेशा लक्ष्य तय कर पैसा लगाएं ● दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट का मंत्र- बाजार में जब दूसरे डरे हुए हों तो लालची बनो और जब दूसरे लालची हों तो डरो। घबराहट में अपना निवेश भुना लेने से सिर्फ घाटा ही बढ़ता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट का एक पॉपुलर कोट है कि बाजार में जब दूसरे डरे हुए हों तो लालची बनो और जब दूसरे लालची हों तो डरो। घबराहट में अपना निवेश भुना लेने से सिर्फ घाटा ही बढ़ता है, जबकि निवेश बनाए रहने से टाइम और कंपाउंडिंग निवेशक के फेवर में काम करते हैं। उनका कहना है कि जब बाजार में घबराहट होती है तो हम अपनी दौलत नहीं गंवाते हैं, बल्कि जब हम घबराते हैं तो हम अपने पैसों का नुकसान कर लेते हैं। तो क्या मौजूदा बाजार की गिरावट में भी दिग्गज निवेशक का ये मंत्र लंबी अवधि में सफलता का राज बन सकता है। अगर हम बाजार की हिस्ट्री में बड़ी गिरावट और उसके बाद रिकवरी के आंकड़े देखें तो यह बात समझ में आ सकती है।

● बाजार में उतार-चढ़ाव टेंशन बढ़ाने वाला हो सकता है, लेकिन घबराएं नहीं

● यह लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करने का अहम समय

निवेश बनाए रखना जरूरी

जानकारों का कहना है कि फंड हाउस की एक स्टडी के अनुसार पिछले 2 दशक में, ऐसे 13 मौके आए, जब एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स ने 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की।

इनमें से 11 मौकों पर, इंडेक्स ने एक साल बाद पॉजिटिव रिटर्न दिया। इनमें से 9 मौकों पर रिटर्न डबल डिजिट में था, जबकि एवरेज रिटर्न 21 फीसदी रहा।

अगर आप 10 फीसदी की गिरावट के बाद भी निवेश के लिए 3 साल तक समय-सीमा बढ़ाते हैं, तो निगेटिव रिटर्न का एक भी उदाहरण नहीं है। रिसर्च के अनुसार 18 अप्रैल 2005 से 18 अप्रैल 2006 के बीच बाजार में 80 फीसदी से ज्यादा बढ़त रही।

15 सितंबर 2008 से 15 सितंबर 2009 तक बाजार में 20 फीसदी तेजी आई। 8 मई 2012 से 8 मई 2013 के बीच बाजार में 21 फीसदी तेजी रही।

17 नवंबर 2016 से 17 नवंबर 2017 के बीच बाजार में 27 फीसदी तेजी रही। 23 मार्च 2018 से 23 मार्च 2019 के बीच 15 फीसदी तेजी रही, जबकि इन सभी साल के पहले तक बाजार में करेक्शन का दौर चला था। तो यह डाटा तो वॉरेन बफेट के प्रसिद्ध कोट को सही साबित करता है।

एसआईपी बनाए रखने का फायदा

घबराहट की स्थिति में कई बार निवेशक घबराकर जल्दबाजी में फैसले लेने लगते हैं। जैसे पहले से चल रहे एसआईपी को बंद कर देना या टारगेट पूरा हुए बिना निवेश को भुना लेना, लेकिन वास्तव में ये कदम फाइनेंशियल हेल्थ के लिए नुकसानदायक है। एसआईपी के पीछे मूल उद्देश्य रूपी कास्ट एवरेजिंग है। जब आप लोअर मार्केट लेवल पर एसआईपी जारी रखते हैं, तो आप अपने समान मंथली निवेश की राशि से अधिक यूनिट खरीद सकते हैं, क्योंकि नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) कम होती है। यह रणनीति सुनिश्चित करती है कि जब बाजार में रिकवरी आती है, तो इन बढ़ी हुई यूनिट पर आपको ज्यादा लाभ होता है।

बाजार में उतार-चढ़ाव से कैसे निपटें

हालांकि बाजार में उतार-चढ़ाव टेंशन बढ़ाने वाला हो सकता है, लेकिन यह लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो का फिर से मूल्यांकन करने का एक सुनहरा अवसर पेश करता है। इस डर का उपयोग प्रोडक्टिवली यह मूल्यांकन करने के लिए करें कि आपका वर्तमान एसेट एलोकेशन आपकी जोखिम लेने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। अक्सर, बुल मार्केट यानी तेजी वाले बाजारों में निवेशक दूसरों को फॉलो करते हुए या हाल ही में टॉप प्रदर्शन करने वाली कैटेगरी को देखकर निवेश करते है, लेकिन हर निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता, लिक्विडिटी की जरूरतें और टाइम लिमिट अलग-अलग होती है। बाजार में करेक्शन एक चेतावनी के रूप में काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसी का पोर्टफोलियो उसके अपने लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और लिक्विडिटी की जरूरतों को पूरा करने के लिए सही तरीके से तैयार किया है।

एसेट एलोकेशन स्ट्रैटेजी

- **लार्ज और मिडकैप फंड/ल्टीकैप फंड/फ्लेक्सीकैप फंड** : उन निवेशकों के लिए जो लंबी अवधि में अपनी दौलत में इजाफा करना चाहते हैं और इक्विटी मार्केट में उतार-चढ़ाव को झेलने की क्षमता रखते हैं, ये फंड कैटेगरी अच्छे विकल्प होंगे। क्योंकि इनमें मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से पोर्टफोलियो मिक्स होता है, जो मार्केट के किसी खास सेगमेंट में तेज उतार-चढ़ाव के असर को कम करता है।
- **हाइब्रिड इक्विटी स्कीम/बैलेंस्ड एडवांटेज फंड** : ये योजनाएं निश्चित रूप से ऐसे निवेशकों के लिए सावधानी से विचार करने योग्य हैं, जिन्हें हाल ही में 10 फीसदी की गिरावट ने यह अहसास जगा दिया है कि इक्विटी निवेश में अप-डाउन हो सकता है, लेकिन जो अभी भी भारत में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले लॉन्ग टर्म एसेट क्लास के रूप में अपने स्टेटस के लिए इक्विटी होल्डिंग चाहते हैं।
- **मल्टी-एलोकेशन फंड** : जो निवेशक इसमें विश्वास करते हैं कि इक्विटी की एक ही कैटेगरी में निवेश करना समझदारी नहीं है, उनके लिए एक दूसरे से लो को-रिलेशन वाले मल्टी एसेट क्लास का मिक्स एक पसंदीदा विकल्प हो सकता है।
- (**डिस्क्लेमर** : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी प्रदान करना है। यह किसी भी तरह से निवेश की सलाह नहीं है। बाजार में जोखिम होता है, इसलिए यह सलाह दी जाती है कि निवेश का कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने स्तर पर फाइनेंशियल एडवाइजस से परामर्श जरूर कर लें।)

प्रथम पृष्ठ का शेष

4 महीने पहले...

महाराष्ट्र, गुजरात में पलायन कर गए हैं। मजे की बात यह है कि इन सभी की उपस्थिति पंजीयन रजिस्टर में दर्ज भी हो रही। इनके नाम से मध्यान्ह भोजन भी कागजों में बन रहा है। इस तरह पूरी राशि का गोलमाल किया जा रहा है। स्कूल के शिक्षक गुलाम रसूल खान के साथ हरिभूमि की टीम अजय जांगड़े के घर पहुंची तब पता चला कि उनके तीन बच्चे दुर्गा, दुर्गेश्वरी और मुस्कान चार माह पूर्व से ही कमाने खाने के लिए परिजन के साथ चले गए हैं। उनके भाई राधे जांगड़े ने बताया कि गांव में कुछ भी काम नहीं है। जीवन यापन के लिए कुछ तो करना होगा। इसके साथ ही दिलहरण माथुर अपने पिता दीपक माथुर के साथ जीवन यापन के लिए महाराष्ट्र में काम करने के लिए गया हुआ है। राकेश माथुर भी अपने पुत्र आदित्य माथुर के साथ गुजराज गया हुआ है। यह जानकारी उसके बड़े भाई शंकर माथुर ने दी। **घर से निकला और आलू बेचने लगा छात्र**-चिंगराजपारा प्राथमिक का पांचवीं का छात्र उसी मोहल्ले में रहता है। 21 मार्च को होने वाली पांचवी की अंग्रेजी की परीक्षा देने के लिए यह छात्र घर से निकला था। साढ़े 9 बजे तक स्कूल नहीं पहुंचा तो परिजन ने उसके पिता को फोन किया। मालूम पड़ा कि छात्र तो सुबह 8 बजे ही घर से निकल गया। दोस्तों और परिजन से बात की गई लेकिन किसी ने कुछ नहीं बताया। पिता से जानकारी मिली कि मजदूरी करने के साथ ही कई बार सब्जी मंडी चला जाता है। शनिचरी बाजार पहुंचने पर मालूम पड़ा कि छात्र आलू बेच रहा है। यही छात्र 17 मार्च को हुए गणित के पेपर में भी अनुपस्थित था। इसी तरह मोपका, लिंगियाडीह, मंगला और कोनी स्कूल में भी अलग-अलग कारणों से छात्र परीक्षा देने नहीं पहुंच रहे हैं।

दवा निगम में ...

के तत्कालीन प्रभारी महाप्रबंधक उपकरण बसंत कुमार कौशिक, तत्कालीन उप प्रबंधक उपकरण कमलकांत पाटनवार, तत्कालीन डिप्टी डायरेक्टर स्टोर डॉ. अनिल परसाई एवं तत्कालीन बायो मेडिकल इंजीनियर क्षिरौद्र रौतिया तथा दीपक कुमार बंधे को शुक्रवार देर शाम गिरफ्तार कर लिया। इन अधिकारियों की इस बड़े घोटाले को अंजाम देने में बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि इनके पास खरीदी से संबधित महत्वपूर्ण जिम्मेदारी थी। उनके खिलाफ ईओडब्लू ने आईपीसी की धारा 409, 120-बी तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)ए, 13(2), 7(सी) के तहत अपराध दर्ज किया है।

कांग्रेस के 10 और...

15 विधायकों ने बजट सत्र में 64 प्रश्न किए। इसमें 10 कांग्रेस के हैं और 5 भारतीय जनता पार्टी के। चौंकाने वाली बात यह है कि छह विधायक ऐसे हैं जिन्होंने एक भी सवाल नहीं पूछा। इनमें पांच भाजपा के हैं। सत्र में कांग्रेस-भाजपा के विधायकों ने सवालों के माध्यम से अपने क्षेत्र और राज्य के कई मुद्दों पर सरकार से जवा- तलब किया। छह विधायक ऐसे भी है जो सदन में मौजूद तो रहे पर एक भी सवाल नहीं लगा पाए। ऐसे आधा दर्जन विधायकों में भाजपा के पांच विधायक शामिल हैं।

एक दर्जन कांग्रेस ...

प्रतिदिन जिन सदस्यों के सवाल लगे उन कांग्रेस सदस्यों में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उमेश पटेल, विक्रम मंडावी, भोलाराम साहू, दलेश्वर साहू, दलीप लहरिया, राघवेंद्र सिंह, इंद्रसाव, बालेश्वर साहू, अरबिका मरकाम, हर्षिता स्वामी बघेल, शेषराज हरबंश, लखेश्वर बघेल के नाम शामिल हैं।

मैंने चव्वनी खा ली...

बाजार है तो सरकंडा क्षेत्र धीरे-धीरे इसका गढ़ बनता जा रहा है। जरहाभाठा और मगरपारा में पुराने खाइवाल हैं। पुलिस की कार्रवाई के बाद लेकिन खेल अंडरग्राउंड होकर चल रहा है। दयालबंद, हेमूनगर, यदूनंदन नगर और तिफरा में रोजाना लाखों करोड़ों का सट्टा लगता है। हरिभूमि ने बिलासपुर के सरकंडा क्षेत्र के एक प्रमुख सट्टेबाज से बात की तो उसने स्वीकार किया की करोड़ों का सट्टा लग रहा है। सट्टे के खेल में पुराने खिलाड़ियों के साथ ही युवाओं और छात्रों को ज्यादा शामिल किया जा रहा है। इसने बताया कि अब ऑनलाइन साइट पर कई ऐसे ऐप आ गए हैं जिसके जरिए बुकी के एजेंट सट्टा लगाने वालों से रकम लेकर उनकी नई आईडी बनाते हैं और फिर उस आईडी में रकम डालते हैं। कोई दो हजार रुपए से अपनी आइडी खुलवाता है, तो कोई 50 हजार से। यह सब ऑनलाइन किया जा रहा है। **भिलाई के सटोरियों ने शहर छोड़ा, आईपीएल के रेट तय**-आईपीएल मैच के शुरु होते ही भिलाई-दुर्ग में सट्टा बाजार गर्म हो गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स का रेट 86 और रॉयल चैलेंजर्स का 87 रेट चल रहा है। क्रिकेट सटोरियों को अब पकड़ पाना मुश्किल हो गया है क्योंकि स्मार्ट मोबाइल का उपयोग कर ऑनलाइन सट्टा लगा रहे हैं। पुलिस इन पर नजर तो रखी हुई है लेकिन बिना सबूत के पुलिस के हाथ भी खाली है। आईपीएल मैच के शुरू होते ही ऑनलाइन महादेव सट्टा के पैनालिस्ट भी सक्रिय होकर अपना कारोबार जिले के बाहर कर रहें है। इस सट्टे के कारोबार में कॉलेज छात्रों की भर्ती ली गई है। जिसे टेक्निकल की जानकारी अच्छी खासी है। हरिभूमि के स्टिंग में इस पूरे मामले का खुलासा हुआ है। सट्टे के दौरान उपयोग में लाए जाने वाली भाषा सामान्य से अलग है। डिब्बा, पंटर, लाइन, अठन्नी जैसे शब्दों को उपयोग में ला जा रहा है।

शहर के प्रमुख ...

सेशन और छह ओवर तक सट्टा लगाने को छोटी पारी खेलना कहते हैं। इन पांच ओवरों में खेलने वाली टीम कितने रन बनाएगी और इसके कितने खिलाड़ी आउट होंगे व कौन सा खिलाड़ी कितने रन बनाएगा, सभी पर सट्टा लगा होता है। हरिभूमि- मैच से पहले ही सट्टे का भाव तय होता है क्या खाइवाल- मैच की पहली गेंद से लेकर टीम के जीत तक भाव चढ़ते उतरते हैं। एक लाख को एक पैसा, 50 हजार को अठन्नी, 25 हजार को चवन्नी कहा जाता है। यदि किसी ने दांव लगा दिया और वह कम करना चाहता है तो फोन कर एजेंट को 'मैंने चवन्नी खा ली' कहना होता है। टॉस पर भी मोटा सट्टा लगता है।हरिभूमि- पुलिस पकड़ती नहीं क्या, बचने के लिए क्या करते हो खाइवाल- सावधानी बरती जाती है कि एक बार कोई मोबाइल नंबर यूज हो गया तो उसे दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जाता। पुलिस की नजर से बचने के लिए दर्जनों मोबाइल फोन रखते हैं। फोन टैप होने के डर से हरेक खिलाड़ी का रेट, जीत हार, कुल स्कोर आदि पर लगने वाले सट्टे के रेट एसएमएस से एक दूसरे को भेजे जाते हैं। इसमें नगद लेनदेन नहीं होता। फोन पर ही काल कर सट्टा लगाया जाता है। मोबाइल वालेट और खाता के जरिए पैसे इधर-उधर किए जाते हैं। बुकी मोबाइल लेकर घर पर बैठा है या कहीं और, यह जानकारी पुलिस को नहीं मिल पाती।

सट्टे की भाषा...

50 हजार	-	अठन्नी
भाव	-	डिब्बे की आवाज
20 ओवर	-	लंबी पारी
10 ओवर	-	सेशन
छह ओवर	-	छोटी पारी
शर्त कम करना-		खा जाना

विधानसभा में दी ...

विभाग के समस्त अधिकारियों को भविष्य में इस प्रकार की गलती दोबारा न करते हुए विधानसभा से संबंधित प्रश्नों की जानकारी सत्य एवं निष्ठापूर्व भेजने की हिदायत दी है।

पोस्ट ऑफिस की स्कीम भी दे रही अच्छा मुनाफा, कर सकते हैं निवेश

टीडी स्कीम बैंकों की एफडी की तरह देती है आकर्षक ब्याज, इस योजना में निवेश कर युवा भी अपनी झोली भर रहे, पोस्ट ऑफिस की टीडी स्कीम में कोई खोल सकता है खाता, निवेशकों को 6.9 फीसदी से लेकर 7.5 फीसदी तक ब्याज मिलता है

एफडी
बिजनेस डेस्क

भारतीय डाक विभाग की टाइम डिपॉजिट (टीडी) स्कीम निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और लाभदायक विकल्प बनकर उभरी है। यह स्कीम बैंकों की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की तरह ही काम करती है, लेकिन इसमें ब्याज दरें अधिक आकर्षक हैं। पोस्ट ऑफिस की यह डिपॉजिट स्कीम लोगों को मालामाल कर रही है। इस योजना में निवेश कर युवा भी अपनी झोली भर रहे हैं। पोस्ट ऑफिस की टीडी स्कीम में कोई भी व्यक्ति खाता खोल सकता है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ-साथ जॉइंट अकाउंट भी खोला जा सकता है। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 3 लोगों के नाम जोड़े जा सकते हैं। इसमें निवेश कर कोई भी आसानी से अपनी बचत को बढ़ा सकता है। टीडी स्कीम में निवेशकों को 6.9 फीसदी से लेकर 7.5 फीसदी तक का ब्याज मिलता है, जो इसे बैंकों की एफडी से बेहतर बनाता है. इस स्कीम में निवेश किया गया पैसा पूरी तरह से सुरक्षित है, क्योंकि यह भारत सरकार के अधीन काम करता है।

टीडी स्कीम की खास बातें

पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम में निवेशक 1 साल से लेकर 5 साल तक के लिए अपना पैसा जमा कर सकते हैं। इस स्कीम में न्यूनतम 1,000 से खाता खोला जा सकता है, जबकि अधिकतम जमा राशि की कोई सीमा नहीं है। टीडी खाते पर मिलने वाला ब्याज निवेश की अवधि पर निर्भर करता है।उदाहरण के लिए, 2 साल की टीडी पर 7.0 फीसदी का ब्याज मिलता है।

लाख जमा पर कितना ब्याज

अगर आप पोस्ट ऑफिस की 2 साल की टीडी स्कीम में 2 लाख जमा करते हैं, तो मैच्योरिटी पर आपको कुल 2,29,776 मिलेंगे। इसमें 29,776 का ब्याज शामिल होगा। यह ब्याज गारंटीड और फिक्स है, जिसमें किसी तरह का रिस्क नहीं है।

कौन खोल सकता है खाता

पोस्ट ऑफिस की टीडी स्कीम में कोई भी व्यक्ति खाता खोल सकता है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ-साथ जॉइंट अकाउंट भी खोला जा सकता है। जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 3 लोगों के नाम जोड़े जा सकते हैं। यह स्कीम छोटे और बड़े निवेशकों दोनों के लिए उपयुक्त है।

पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम के फायदे

- **सुरक्षित निवेश** : पोस्ट ऑफिस सरकारी संस्था है, इसलिए इसमें निवेश किया गया पैसा पूरी तरह से सुरक्षित है।
- **आकर्षक ब्याज दरें**: बैंकों की तुलना में पोस्ट ऑफिस टीडी पर ब्याज दरें अधिक हैं।
- **लचीलापन**: 1 साल से लेकर 5 साल तक की अवधि चुनने की सुविधा।
- **कम निवेश** : सिर्फ 1,000 से खाता खोल सकते हैं।

ऐसे खोलें टीडी खाता

पोस्ट ऑफिस टीडी खाता खोलने के लिए आपको नजदीकी डाकघर जाना होगा। वहां आपको आवेदन फॉर्म भरना होगा और जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे। इसमें पहचान प्रमाण, पता प्रमाण और पासपोर्ट साइज फोटो की आवश्यकता होती है।

डाकघर की ये भी बचत योजनाएं

- डाकघर बचत खाता
- 5 वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता (आर डी)
- डाकघर सावधि जमा खाता (टी डी)
- डाकघर मासिक आय योजना खाता (एम आई एस)

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एस सी एस एस)

- 15 वर्षीय सार्वजनिक भविष्य निधि खाता (पीपीएफ)
- सुकन्या समृद्धि खाता
- राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (एन एस सी)
- किसान विकास पत्र (के वी पी)
- महिला सम्मान बचत पत्र
- प्रधानमंत्री बाल केयर योजना, 2021
- ब्याज दर (नई)
- **डिस्क्लेमर** : (यह जानकारी सिर्फ़ सूचना के लिए है। इसे निवेश का सुझाव मानकर निवेश न करें। मार्केट में निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होता है। निवेशक के तौर पर पैसा लगाने से पहले हमेशा एक्सपर्ट से सलाह लें।)

एसआईपी से दूर जा रहे निवेशक गिरते बाजार में संभलकर उठाएं कदम

बाजार में म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करना एक बढ़िया तरीका माना जाता है। काफी निवेशकों ने इस तरह से बड़ा फंड भी बनाया है। एसआईपी के जरिए हर महीने एक तय रकम निवेश करने पर करोड़पति बनना काफी आसान होता है।

लेकिन लगता है कि इस स्कीम को किसी की नजर लग गई है। शेयर बाजार में पिछले कई महीने से भारी गिरावट देखी जा रही है। बाजार में बिकवाली (बिक्री) की आंधी का असर म्यूचुअल फंड निवेशकों पर भी पड़ रहा है। फरवरी में म्यूचुअल फंड में निवेश काफी गिर गया है। इसमें अभी भी गिरावट का दौर लगातार जारी है। ऐसे में निवेशकों को चाहिए कि लंबी अवधि के निवेश का लक्ष्य बनाएं रखें और बाजार की गिरावट से डरकर न भागें। पहले भी देखा गया है कि लंबी अवधि में एसआईपी ने अच्छा फायदा दिया है। इसलिए एसआईपी में निवेश बनाए रखें।

टैक्स बचाने का अब आखिरी मौका 31 मार्च से पहले अपनाएं ये ट्रिक्स

सुझाव
बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024-25 खत्म होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं और नया वित्त वर्ष 2025-26 शुरू होने में सिर्फ 10 दिन रह गए हैं। ऐसे में जो लोग पुरानी टैक्स व्यवस्था को चुन रहे हैं, उनके पास टैक्स बचाने के लिए अब आखिरी मौका है। हालांकि वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 24 में 72% टैक्सपेयर्स ने नई टैक्स व्यवस्था को अपनाया, और आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ सकती है। हालांकि, अभी भी कई करदाता पुरानी टैक्स व्यवस्था के जरिए टैक्स छूट के फायदे लेना पसंद करते हैं। अगर आप भी पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत टैक्स छूट पाना चाहते हैं, तो यह समय आपके लिए आखिरी मौका हो सकता है। सही निवेश से आप अपने टैक्स का बोझ कम कर सकते हैं।

सेक्शन 80सी: टैक्स बचाने के लिए बेस्ट निवेश विकल्प

अगर आप इनकम टैक्स बचाना चाहते हैं, तो सेक्शन 80सी के तहत कई निवेश योजनाओं में पैसा लगाकर 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का फायदा उठा सकते हैं। इस सेक्शन के तहत सुकन्या समृद्धि योजना, इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, कर्मचारी भविष्य निधि, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और 5 साल की टैक्स-सेवर फिक्स्ड डिपॉजिट जैसी कई योजनाएं आती हैं।

हर योजना की अपनी अलग लॉक-इन अवधि और रिटर्न दर होती है। अगर आप कम से कम लॉक-इन पीरियड में निवेश करना चाहते हैं, तो ईएलएसएस आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जिसका लॉक-इन केवल 3 साल है, लेकिन इसका रिटर्न बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। वहीं, नेशनल पेंशन सिस्टम (एनचीएस) में निवेश पर आपको सेवानिवृत्ति (60 वर्ष) तक इंतजार करना होता है।

ईपीएफ भी सेवानिवृत्ति तक का निवेश है, लेकिन आंशिक निकासी की सुविधा इसमें दी जाती है। अगर आप गैर-बाजार जोखिम वाले निवेश चाहते हैं, तो सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसए) और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस) बेहतर विकल्प हो सकते हैं। एसएसए में सालाना 8.2% और एससीएसएस में 8.2% ब्याज मिलता है।

गीतम डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी विशाखापत्तनम में स्नातक समारोह

विशाखापत्तनम। गीतम डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च एवं गीतम डेंटल कॉलेज का स्नातक समारोह शनिवार को संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। एमबीबीएस, बीडीएस और एमडीएस कार्यक्रमों के कुल 305 स्नातकों ने अपनी स्नातक की डिग्री प्राप्त की। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक प्रो. बलराम भार्गव ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और छात्रों को स्नातक प्रमाण पत्र प्रदान किए। स्नातकों को संबोधित करते हुए, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय डॉक्टर और नर्स अपनी विशेषज्ञता के लिए विश्व स्तर पर पहचाने जाते हैं और भारत चिकित्सा पर्यटन के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है, जो कि लागत प्रभावी और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा चाहने वाले रोगियों को आकर्षित करता है। डॉक्टर-रोगी संबंधों के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि मानवीय संपर्क आत्मविश्वास, आराम और आश्वासन को बढ़ावा देता है, जो रोगी के ठीक होने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आर्टिफिशियल

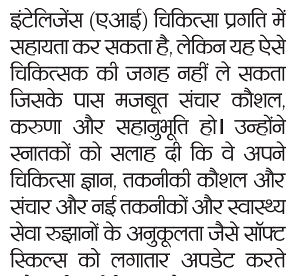

इंटेलिजेंस (एआई) चिकित्सा प्रगति में सहायता कर सकता है, लेकिन यह ऐसे चिकित्सक की जगह नहीं ले सकता जिसके पास मजबूत संचार कौशल, करुणा और सहानुभूति हो। उन्होंने स्नातकों को सलाह दी कि वे अपने चिकित्सा ज्ञान, तकनीकी कौशल और संचार और नई तकनीकों और स्वास्थ्य सेवा रुझानों के अनुकूलता जैसे सॉफ्ट स्किल्स को लगातार अपडेट करते रहें। जीआईटीएएम के अध्यक्ष एवं सांसद (विशाखापत्तनम) एम. श्रीभरत ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र लगातार विकसित हो रहा है, और नए प्रवेश करने वाले चिकित्सा पेशेवरों को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने होंगे। उन्होंने स्नातकों से ग्रामीण समुदायों की सेवा पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और उन्हें बताया कि जीआईटीएएम आधुनिक चिकित्सा अध्ययन और चिकित्सा अनुसंधान दोनों को प्राथमिकता देता है।

भारतीय शास्त्र सृष्टि के रहस्यों को जानने का माध्यम : धामी

हरिद्वार। "हमारे शास्त्र केवल ग्रंथ नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के रहस्यों को जानने का माध्यम हैं। भारतीय शास्त्रों और ग्रंथों में ऐसे अद्भुत सूत्र निहित हैं, जो आधुनिक ज्ञान-विज्ञान में परिलक्षित होते हैं।" उक्ताशय के विचार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित 62वीं अखिल भारतीय शास्त्रोत्सव स्पर्धा के समापन समारोह में व्यक्त किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा का आधार हमारे प्राचीन शास्त्र हैं, जिनमें विज्ञान, योग, चिकित्सा, गणित और दर्शन के गूढ़ रहस्य समाहित हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ऋषि-मुनियों द्वारा किए गए अनुसंधानों को केवल विरासत के रूप में संरक्षित करने के बजाय, उसे आगे बढ़ाना और आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने प्राचीन ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करें, तो यह समस्त मानवता के लिए कल्याणकारी सिद्ध हो सकता है। कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने संस्कृत को तीर्थ और संस्कृति का गौरव बताते हुए जीवन में प्राचीन भारतीय शास्त्रों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संस्कृत और भारतीय ज्ञान परंपरा को जीवन की उन्नति का मार्गदर्शक बताया। आचार्य जी ने देशभर से आए विद्वानों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और सनातन परंपरा के अनुयायियों को दिशा-निर्देश दिए कि वेद और शास्त्रों के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने के लिए सतत प्रयास करते रहें। शास्त्रोत्सव के समापन समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड, डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि संस्कृत कोई थकी-हारी भाषा नहीं है, बल्कि इसमें पूरे विश्व में अपना परचम लहराने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत में समस्त ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी समाहित है। साथ ही,

उन्होंने उत्तराखंड को राजभाषा का दर्जा मिलने और संस्कृत के क्षेत्र में उत्तराखंड राज्य का परचम पूरे विश्व में लहराने की बात कही। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने भी संस्कृत, शास्त्र और भारतीय ज्ञान परंपरा पर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये। इस शास्त्रोत्सव स्पर्धा में देश के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए प्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मधुकेश्वर भट्ट तथा मंच संचालन डॉ. पवन व्यास ने किया। समापन समारोह में महामंडलेश्वर स्वामी पुण्यानंदगिरिजी महाराज, उत्तराखंड के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद जी महाराज, वेरावल, गुजरात में श्रीसोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुकांत कुमार सेनापति, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत विश्वविद्यालय, असम के कुलपति प्रो. प्रह्लाद आर जोशी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में कुलपति डॉ. मुरली मनोहर पाठक, पतंजलि विश्वविद्यालय की कुलानुशासिका प्रो. साध्वी देवप्रिया, प्रतिकुलपति-पतंजलि विश्वविद्यालय प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल के साथ-साथ पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संकाय सदस्य, अधिकारीगण, देश के कोने-कोने से आए लब्धप्रतिष्ठ विद्वतजन व गणमान्य उपस्थित रहे।

साय ने कहा- हम सबके बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर में आज आयोजित दो दिवसीय पब्लिक लीडरशिप प्रोग्राम के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, हम सभी के बीच मतभेद हो सकते है, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों में यह बात हमेशा से कायम है। छत्तीसगढ़ का विकास हमारा मूल उद्देश्य है और जनप्रतिनिधि के रूप में हमें प्रदेशवासियों के हित में सदैव समर्पित होकर काम करना है। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मन की बात कार्यक्रम में हमेशा सीखते रहने की बात करते है और निश्चित रूप से सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। यहां कई ऐसे विधायक मौजूद है, जिनका जनप्रतिनिधि के रूप में लंबा अनुभव है, लेकिन वे भी इस कार्यक्रम को लेकर बहुत अधिक उत्साहित है।

उन्होंने कहा, आप सभी सदस्यों की मौजूदगी यह साबित करती है कि छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर आप कितने चिंतित भी है और उत्साहित भी है। जनप्रतिनिधि के रूप में आमजनों से आपका व्यवहार सबसे बड़ी पूंजी है और यह लोगों के मन में आपके और संसदीय व्यवस्था के प्रति विश्वास को अधिक मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री ने भारतीय प्रबंध संस्थान में पिछले वर्ष आयोजित चिंतन शिविर को भी अत्यधिक उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि चिंतन शिविर में हमने जो कुछ सीखा था, छत्तीसगढ़ के नीति निर्माण में हमने इसका भरपूर उपयोग किया है। विजन डॉक्यूमेंट से लेकर बजट तैयार करने में भी हमें इससे बड़ी मदद मिली। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्य, नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम, आईआईएम रायपुर के निदेशक राम कुमार, आईआईएम के प्रोफेसर सुमीत गुप्ता, प्रोफेसर संजीव पराशर, प्रोफेसर अर्चना पराशर उपस्थित थे।

इंदौर की दूसरी फ्लाइट दिलाएगी किराए में राहत, दोपहर में पूरा होगा सफर

रायपुर। इंदौर से संचालित होने वाली दूसरी नियमित फ्लाइट यात्रियों को किराए में राहत देगी। 30 मार्च से शुरू होने वाली यह फ्लाइट सुबह-सुबह रायपुर आएगी और दोपहर में लौटेगी। रायपुर-इंदौर के बीच पिछले कुछ समय से यात्रियों की संख्या काफी बढ़ी है, जिसकी वजह से इसका किराया 12 हजार रुपए तक पहुंच जाता है। सातों दिन संचालित हो वाली इस फ्लाइट से यात्रियों के पास सफर के लिए दो विकल्प होगा। अभी संचालित होने वाली फ्लाइट साढ़े दस बजे रायपुर से रवाना होकर 11.50 बजे इंदौर पहुंचती है। 30 मार्च के बाद यात्री दोपहर एक बजे भी इंदौर के लिए अपनी यात्रा शुरू कर कर सकेंगे। पिछले कुछ समय से रायपुर से इंदौर के बीच लोगों की आवाजाही बढ़ी है। इससे उज्जैन के महाकाल मंदिर की आस्था से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है-JCB 3DX मशीन, AJAX सीमेंट कंक्रीट मिक्सर मशीन, वाइब्रो रोलर, मेंटेनेंस हेतु मिस्त्री मैकेनिक इंजीनियर ड्राइवर ऑपरेटर और ट्रक स्विफ्ट चलाने हेतु ड्राइवर की। सम्पर्क करें- बिलासपुर 9669211111, 9827175811, 8602111111 (37171)

आवश्यकता है- सुपर बाजार में कार्य करने हेतु स्मार्ट, अनुभवी युवक, युवतियों की आवश्यकता है आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- जय भोले सुपर बाजार कारगिल चौक के पास सिन्धी कालोनी बिलासपुर 7000762795 (37180)

आवश्यकता है- एक अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है वैध लाईसेन्स अनिवार्य वेतन 8000/- प्रतिमाह मिलने का समय सुबह 8 से शाम 5 बजे तक सम्पर्क 9407901305 (37182)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में आर्डर बुकिंग, पेमेंट कलेक्शन हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन 12000 सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल कांप्लेक्स तेलीपारा, बिलासपुर 9827497711 (37186)

आवश्यकता है- सलवार सूट ब्लाउज गाउन कटिंग करके सिलाई करने वाले कारीगर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- परफेक्ट बुटिक मुंगेली नाका अमृत तुल्य चाय के बाजू में 7389444785 (37177)

आवश्यकता है- सम्मान संकल्प समिति बिलासपुर संविदा आधार पर M&E कम एकाउंटेंट-1,योग्यता- बीकॉम/ एमकॉम, PGDCA वेतन 16000/- परामर्शदाता- 1, योग्यता एमए, समाज शास्त्र, MSW, कम्प्यूटर वेतन 16000 आउटरीच वर्कर-4, योग्यता स्नातक, 12वीं, कम्प्यूटर वेतन 10500/- साक्षात्कार 28/03/25 समय 11बजे पता- सम्मान संकल्प समिति लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना (HIV/ AIDS) भारतीय नगर तैय्यब मस्जिद के सामने बिलासपुर 70007 02131, 9827492893 (37179)

आवश्यकता है- ड्राईवर की आवश्यकता है। लाईसेंस अनिवार्य है। आटोमैटीक व मैनूवल गाड़ी चालाना जनता हो 5 साल से अधिक अनुभव वाले ही संपर्क करेः- मिनोचा कॉलोनी के पास बिलासपुर मो. 7024691300 (37185)

आवश्यकता है- रोहित मेहता सिक्योरिटी एजेंसी में भूतपूर्व सैनिकों की आवश्यकता है सिक्योरिटी गार्ड के कार्य के लिए डीजीआर रेट पर सिर्फ कोरबा में ड्यूटी के इच्छित ही संपर्क करें 9109792914 (7065)

आवश्यकता है-इनोवा ड्राइवर की आवश्यकता है अनुभवी, शिक्षित एवं नशा मुक्त, पत्नी के लिए भी काम, रहने का घर उपलब्ध है। सम्पर्क करें- विद्याचरण वर्मा 7000785661 (37165)

आवश्यकता है-स्पोर्ट्स शोरूम में काम करने के लिए अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें-श्री लक्ष्मी स्पोर्ट्स गोड़पारा बिलासपुर (37158)

आवश्यकता है- ऑफिस में एकाउंटिंग कार्य करने हेतु अनुभवी एकाउंटेंट 2 पदों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- स्टार ऑफिस तिफरा बिलासपुर 9630555855 (37163)

आवश्यकता है-मेडिकल एजेन्सी में सेल्समैन एवं MR की आवश्यकता है अनुभवी व्यक्ति ही सम्पर्क करें- BBR मेडिकल एजेन्सी आजाद चौक देवरीखुर्द बिलासपुर 93003 50714 (37160)

आवश्यकता है-छड़ एवं सीमेंट दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों एवं ट्रैक्टर ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ममता ट्रेडर्स मोपका बिलासपुर 9300307926, 9993443207 (37170)

आवश्यकता है- सुपर मार्केट में पैकिंग हेल्पर (Boys) (समय 9.30 से 8) सैलरी 6000 से 9000 अनुभवी को प्राथमिकता पता- फॉर्मर्स प्राइड ऑर्गेनिक स्टोर मेन रोड नेचरसिटी गेट, सकरी 7225849081, 7987551332 (37166)

आवश्यकता है-गिफ्ट और खिलौना दुकान में काम करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- हिन्दुस्तान टॉयज तेलीपारा बिलासपुर 9827186198 (37164)

आवश्यकता है-जुड़वां बच्चों एवं घर की 24 घंटे देखभाल करने के लिए महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहना खाना फ्री सम्पर्क करें- 79748 09122, 8602538992 (37167)

आवश्यकता है-हॉटेल में हाउस कीपिंग स्टाफ, सेल्स मैनेजर अथवा रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हॉटेल शिवनेरी, सीएमडी कॉलेज ग्राउंड के सामने (गली में) लिंक रोड, बिलासपुर 77768 64202 (37173)

आवश्यकता है- हॉस्पीटल में साफ सफाई हेतु महिला कर्मी (आया/ हाउस कीपिंग) की आवश्यकता है जो नाइट ड्यूटी भी करने की इच्छुक हो सम्पर्क करें- इन्दु चौक के पास बिलासपुर 9425899221, 9827166240 (37168)

आवश्यकता है-नर्सिंग स्टाफ की आवश्यकता है योग्यता बीएससी नर्सिंग मिलने का समय दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक भार्गव यूरोलॉजी सेंटर गौरव पथ रिंगरोड नं. 2 मंगला चौक बिलासपुर 73894 39337 (37161)

आवश्यकता है-बच्चा संभालने हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की) चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। स्थान तेलीबांधा रायपुर सम्पर्क करे- 9575042814 (3378)

आवश्यकता है-साड़ी शोरूम में कार्य हेतु लड़के चाहिए सेल्समेन वेतन 14000+ 1%, हेल्पर वेतन 8000 नोट- रिटेल साड़ी शोरूम में सीखे हुए 18 से 30वर्ष के लड़के ही सम्पर्क करें-9691342085 (37151)

आवश्यकता है- आफिस में स्टाक लिखने, निकालने हेतु लड़कियां-2, सेल्स हेतु लड़के-2, वैन में डिलीवरी हेतु लड़के-2 की। वेतन योग्यतानुसार पता- NT& Sons दीनदयाल गार्डन के पास, व्यापार विहार बिलासपुर 07752411422, 930124222 (37152)

आवश्यकता है-फैक्ट्री होटल हेतु सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड, लेडीगार्ड, मार्केटिंग अधिकारी योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर गार्ड ऊंचाई 5'7" वेतन 12000 से 15000 सम्पर्क-Alert SGS Private Limited, 434, चतुर्थ तल, प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर 77460 00016, 8720005500 (3160)

आवश्यकता है- UTN शॉप में मार्केटिंग हेतु सेल्स एक्जीक्यूटिव 5, लीडर- 5 ट्रेनर- 7 लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है पता- शॉप नम्बर FS16, प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7806007192, 7999594790 (37122)

आवश्यकता है-ट्रेक्टर ट्राली, वाटर टेंकर एवं अन्य कृषि उपकरण बनाने के लिए अनुभवी मिस्त्री या ठेकेदार की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 98276 83510, 9827892413 (37155)

आवश्यकता है-(1) कार ड्राइवर (2) अकाउंटेंट/ ऑफिस गर्ल (अनुभवी) की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीबालाजी कंस्ट्रक्शन्स बिलासपुर 7974086925, 9907925045 (37156)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य के लिये जानकार कम्प्यूटर आपरेटर व फोटोकापी हेतु लड़के की आवश्यकता है संपर्क करें गगन फ्लैक्स 27 खोली चौक बिलासपुर 90399 68650, 9425535104 (37148)

आवश्यकता है-रेल्वे कोचिंग डिपो में ट्रेनों की साफ सफाई हेतु हाउस कीपिंग (सिर्फ पुरुष) स्टाफ चाहिए सम्पर्क करें- कोचिंग डिपो रेलवे माल गोदाम के पास, बिलासपुर 96444 30392, 8319023970, 9993378899 (37146)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 8000 सम्पर्क करें- गुप्ता अम्ब्रेला, गुप्ता लॉज के बाजू में जगदीश होटल के सामने गोल बाजार बिलासपुर (37140)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य करने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें- मैग्नेटो मॉल साईं मंदिर के पास 8817571731 (3381)

आवश्यकता है- रेडीमेड शोरूम में 3वर्ष के पुराने अनुभवी पुरुष सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन 10000 से शुरू सम्पर्क करें- नेशनल होजियरी NX सदर बाजार बिलासपुर (37139)

आवश्यकता है-पेमेंट रिकवरी फील्ड वर्क, कम्प्यूटर ऑपरेटर बिजी सॉफ्टवेयर, GST एकाउन्टेंट कोटेशन के अनुभवी लड़के/ लड़की, रिकवरी पेमेंट वसूली हेतु लड़के की। सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू गोड़पारा, बिलासपुर 9669211111, 9827175811 (37092)

आवश्यकता है-लेडीज ब्यूटी पार्लर में कार्य करने हेतु अनुभवी ब्यूटीशियन की आवश्यकता है। शीघ्र सम्पर्क करें- वीनस ब्यूटी सैलून वेयर हाउस रोड, बिलासपुर 94252 28537 (37112)

आवश्यकता है-थोक/ चिल्हर शोरूम में काम करने हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- भारत बैग हाउस मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर (37136)

आवश्यकता है-थोक कपड़ा दुकान में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों एवं कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- साजनदास एंड संस, भाजपा कार्यालय के पास करबला रोड बिलासपुर 7987404961 (37135)

आवश्यकता है-मार्केटिंग में फोर व्हीलर छोटा हाथी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार। आधार कार्ड लाइसेंस सहित सम्पर्क करें- अरोरा बेकरी, बृहस्पति बाजार के पास, बिलासपुर 9827164721 (37133)

आवश्यकता है-अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल मेन्स एण्ड वुमैन वियर हेतु- 4, हेल्पर- 4, फोल्डर- 2, अटेंडर- 1 चाहिए सम्पर्क करें- शैल वस्त्रालय, मेन रोड सत्यम चौक के पास, मसानगंज बिलासपुर 923810 7105, 9238107108 (37144)

आवश्यकता है-एकाउंटेंट कम टैली ऑपरेटर (फीमेल) ऑफिस ब्वाय 3 पद, सामान पैकेजिंग, लोडिंग अनलोडिंग ऑटो चालक एवं सफाई कर्मचारियों की आवश्यकता है वेतन 9000 से 12000 प्रतिमाह सम्पर्क करें- 9575488884 (37142)

आवश्यकता है-सीए ऑफिस में कार्य करने हेतु लड़के की आवश्यकता है योग्यता स्नातक पता-अतुल सोनी चार्टर्ड अकाउंटेंट दुआ टेन्ट हाउस के बगल में, श्रीसाईं सदन करबला रोड बिलासपुर 9425219796 (37143)

आवश्यकता है-राघव एडवटाईजिंग में वेल्डर ड्राइवर की। वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें राघव हाउस 8 प्रियदर्शनी कॉलोनी मातृ- पितृ छाया आपर्टमेंट रायपुर 99936 55555, 7898980581 (3823)

आवश्यकता है- मैट्रिमोनी में टेली कॉलिंग हेतु महिलाओं व युवतियों की आवश्यकता है संपर्क करें-8962460067 (3376)

आवश्यकता है-सीमेंट मार्केटिंग एवं बिजनेस बढ़ाने हेतु अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है न्यूनतम अनुभव 3वर्ष, आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार। शीघ्र सम्पर्क करें- मीनाक्षी सेल्स, पुराना हाईकोर्ट के सामने, बिलासपुर 9754002100 (36865)

आवश्यकता है- कपड़े दुकान में काम करने हेतु स्टोर मैनेजर, HR मैनेजर, रिसेप्शनिस्ट, सहायक, पैंट्री, सफाई विभाग पद हेतु योग्य युवक/ युवती की आवश्यकता है। बायोडाटा सहित संपर्क करें। वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करेंः- वसंत साड़ी सेंटर, सदर बाजार, बिलासपुर (छ.ग.) 8305284014, 79870 65573 (37184)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें-गोविन्द इलेक्ट्रॉनिक गेट नम्बर-1, बुधवारी बाजार बिलासपुर 882709000 (37137)

आवश्यकता है-तत्काल भर्ती सुरक्षा गार्ड- 50 सुपरवाइजर- 5 चाहिए 10वी पास हाईट 5'-7" रायगढ़, खरसीया, बिलासपुर के लिए आवास फ्री वेतन 9000 से 15000 (PF, ESIC सुविधा) सम्पर्क करें- 8461881111, 91254 14662 (37100)

आवश्यकता है- नौकरी ही नौकरी तहसील स्तरीय भर्ती पद संख्या 975 वनरक्षक फील्ड ऑफिसर माली सिपाही ड्राइवर वेतन 27500+52400 तक आवेदन करने के लिए आधार कार्ड मार्कशीट पैन कार्ड व्हाट्सएप करे 7460994309 (733)

आवश्यकता है- कालका रिपेयर कंप्यूटर सर्विसेज मे 1 फीमेल रिसेप्शनिस्ट, 1 फीमेल अकाउंटेंट की, योग्यता B.Com ग्रेजुएट, 1 कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर, संपर्कः- कालका रिपेयर, शॉप No-07, सेकंड फ्लोर, बजरंग कॉम्प्लेक्स पुराना बसस्टैंड बिलासपुर 07752-434025 (3377)

आवश्यकता है- रीयल एस्टेट कंपनी मे कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्स स्टाफ साइट सुपरवाइजर (सिविल), एकाउंटेंट ड्राइवर, प्यून एवं चौकीदार की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार संपर्कः 8839002378 राज किशोर नगर, बजरंग चौक, बिलासपुर (3386)

आवश्यकता है- कपड़े दुकान में काम करने हेतु बिलिंग, पैकिंग, रिसेप्शनिस्ट, पैंट्री, सहायक पद हेतु योग्य युवक/ युवती की आवश्यकता है। बायोडाटा सहित संपर्क करें। वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करेंः- शिखा सिल्क, श्री राम क्लॉथ मार्केट बिलासपुर (छ.ग.) 9981531694, 8319239388 (37183)

आवश्यकता है-स्पा एण्ड सेलून में काम करने के लिए तोरवा एवं व्यापार विहार में महिला टेलीकॉलर, महिला थैरेपिस्ट एवं महिला हाउस कीपिंग की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क 6399166000 (37145)

आवश्यकता है-चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों लेबर कार्य हेतु पुरुष एवं ड्राइवर की जरूरत है। संपर्क करें- SBI एटीएम के सामने आकृति विहार अम्ली डीह रायपुर 74699 80000, 07714075490 (7062)

आवश्यकता है-बिलासपुर के रियल एस्टेट कंपनी में जरूरत है रिसेप्शनिस्ट female सेल्स मैनेजर -4 पोस्ट, लग्जरी ऑफिस, बेस्ट सपोर्ट सिस्टम। संपर्क करें- 9302652734, 79873 74690 (3371)

आवश्यकता है- बम्पर भर्ती OMMI मल्टीनेशनल कम्पनी को 140 से अधिक लड़के, लड़कियां की आवश्यकता है आय 10500 से 18500 प्रतिमाह आवास, खाना फ्री परमानेन्ट जॉब पता-दीपसागर कालोनी बिलासपुर 80034 02269, 9519393913 (37126)

आवश्यकता है-श्याम इंटरप्राइजेज में ऑनलाइन ईकॉमर्स कम्प्यूटर वर्क हेतु 20 से 25वर्ष के लड़के/ लड़कियां चाहिए। सम्पर्क करें- 10 से 7बजे तक साइंस कॉलेज के पास सीपत रोड, सरकंडा बिलासपुर 7587203133 (3373)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है, उम्र 18 से 30 साल तक संपर्क करे ऑफिस टाइम 10 से 5:30 नूतन चौक अथर्व हॉस्पिटल के पास 9201508721 (3387)

आवश्यकता है-ऑफिस में कार्य करने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है उम्र 18 से 28 वर्ष, सैलरी योग्यता अनुसार संपर्क करें- होली क्रॉस स्कूल के पास मंगला चौक बिलासपुर 7000322273 (3380)

आवश्यकता है-इंदौर मध्यप्रदेश मे रहकर ऑफिस कार्य करने हेतु अविवाहित लड़को की आवश्यकता है सैलेरी 10000 रहना खाना ट्रैवलिंग फ्री नियुक्ति फ्री सम्पर्क करे-9575712101, 7389318055 (305)

आवश्यकता है-बिलासपुर की निर्माणाधीन कालोनी मे सिविल कॉन्ट्रैक्टर की आवश्यकता है (1) ईट जोड़ाई कार्य-10 (2) मकान प्लास्टर -15 (3) शटरिंग-10 (4) लोहार-10 संपर्क करें-79992 45462, 7970010956, 7970010973 (3379)

बेचना है

बेचना है-कैरीअर मीडिया 2019 model 2 tonne/ 4 tonne Cassette AC एवं लकड़ीके हैंगर ब्लैक मैनेक्विन संपर्क करे- 9584199929 (3375)

बेचना है- मंगला चौंक के पास अंडर कंस्ट्रक्शन मकान, प्लॉट बेचना है 2/3/4/5 BHK मेन रोड से 200 मीटर अंदर आकाश मार्ग व शांति नगर मे उपलब्ध है सम्पर्क करे- 9201544501, 96856 53332 (37187)

बेचना है-महामाया रेसीडेन्सी कालोनी कोनी स्थित 3 मंजिल भवन, 4 बेड रूम, 2 हाल, किचन, 5 टायलेट यूटीलिटी शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें 7049009079, 91370 42727 (37162)

बेचना है- नेहरू चौक से 320 मीटर दूर स्थित इंजीनियर कॉलोनी में 2160 वर्गफुट जमीन पर 1361 वर्गफुट में बना मकान मूल्य 72 लाख शीघ्र बेचना है। खरीददार ही सम्पर्क 8770134858 (37188)

बेचना है- बिलासपुर मोपका में सेन्दरी बायपास चौक में 60×100= 6000 वर्गफुट डबल रोड वाला एक शानदार डायवर्टेड आवासीय प्लाट एवं रायपुर रोड से LCIT कालेज रोड में चिचिरदा डामर रोड में 40 डिसमिल प्लाट वाजिब दाम पर अतिशीघ्र बेचना है।इच्छुक क्रेता ही सम्पर्क करें- 9131590153, 9691335602 (37178)

बेचना है- 3BHK नया फ्लैट सभी शासकीय अनुमति प्राप्त सर्वसुविधायुक्त परिसर में चकरभाठा मार्केट से लगा, हाईकोर्ट से वाकिंग डिस्टेंस, एयरपोर्ट से नजदीक बहुत वाजिब कीमत में बेचना है सम्पर्क- 9826130163 8770523386 (37150)

बेचना है-उस्लापुर साई नगर में 7500 वर्गफीट प्लाट व अल्का रेवेन्यु के बाजू में 6000 वर्गफीट प्लाट मौसाजी व्हाईट हाउस के पीछे 1500 वर्गफीट का मकान बेचना है संपर्क करें 9425535104 (37149)

बेचना है- सस्ते में हॉस्टल हेतु प्लाट बेचना है। एजुकेशन हब कोनी बिलासपुर में 100 फिट फ्रंट 13080 वर्गफिट डबल रोड, एवं अटल यूनिवर्सिटी से 500 मीटर की दूरी पेंड्रीडीह नेशनल हाईवे रोड ऊपर 75 फिट फ्रंट के साथ 13080 वर्गफिट का कमर्शियल प्लाट तत्काल बेचना है मार्च रजिस्ट्री में शुल्क फ्री. मो. 94064 41535 (3372)

बेचना है-बिलासपुर की सबसे बड़ी आवासीय कॉलोनी यदुनन्दन नगर तिफरा में 3BHK मकान बेचना है लाल ईट, सागौन दरवाजा, फाल सीलिंग सहित कीमत 35लाख 3 माह में पजेशन सम्पर्क करें- 9826314444 (37153)

बेचना है-वार्ड नं.-16 कुदुदण्ड पानी टंकी के सामने गली में 1 डिसमिल जमीन में बना 2 मंजिला मकान नीचे 1कमरा, किचन अटेच लेटबाथ, ऊपर 1 हाल लेटबाथ 24घंटे पानी सर्वसुविधायुक्त। सम्पर्क करें- 9753505350, 95222 48786 (37159)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है-रायपुर रोड, हाईकोर्ट के सामने, मेन रोड से 50 मीटर अन्दर न्यू एयरपोर्ट रोड, बोदरी में 50×200= 10000 वर्गफीट व्यावसायिक डायवर्सन, बाउन्ड्रीवाल सहित प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 93003 10774 (37093)

बेचना है- अज्ञेय नगर 30×50 पटवारी प्रशिक्षण कार्यालय 105×166 तालापारा मरीमाई मेन रोड 132×82, अल्का एवेन्यू 45×85, शान्ती नगर डबल स्टोरी मकान, सत्यम चौक मगरपारा मेन रोड 12×50, 18×50 36×50 सम्पर्क- 9425540759 (37119)

किराया

किराया- मध्यनगरी चौक शिशु भवन हॉस्पिटल के सामने वैष्णवी अपार्टमेंट बिलासपुर में किराए से देना है 1BHK बड़ा हाल दो बाथरूम छात्राओं छोटी फैमिली, नौकरी पेशा को प्राथमिकता सम्पर्क- 93295 85841, 8770880742 (37172)

किराया- 2BHK मकान किराए पर देना है पर्सनल बोर, किचन हॉल पोर्च, दो लेटबाथ पर्सनल स्वतंत्र मकान महामाया पार्क कॉलोनी मंगला चौक के पास हाउस नम्बर 18 सम्पर्क करें- 7999371005, 70476 60000 (37175)

किराया- पुराना बस स्टैण्ड करबला रोड किड्स किंगडम स्कूल के सामने आरती किराना दुकान के बगल में 12×15 फुट का डबल शटर वाला दुकान किराये पर देना है। सम्पर्क करें- 9425512067 (37181)

किराया-VR Plaza Link Road में First Floor में 250 वर्गफुट शानदार आफिस किराये से देना है सम्पर्क करें- 7412933333 (36987)

किराया-मंगला चौक में सागर गोल्डन स्क्वेयर काम्प्लेक्स में प्रथम तल पर 12×17 की दो दुकानें किराए से देना है सम्पर्क करें-9300625174, 98271 68452 (37132)

Medicare Specialists
चिकित्सा मे अचूक प्रामाणिक प्रयोग
एक है. क्षणिक उपाय रोग को दबाने का। दूसरा है. स्थाई इलाज जो रोग का जड़ से हटाने का। इन रोगों में चाहे कोई भी कैसा भी उपाय कर लीजिए रोग जड़ से नहीं जा सकता क्योंकि यह जीवाणु जन्य रोग नहीं है इसीलिए कोई एंटीबायोटिक्स या रोगमारक दवा काम नहीं करता। ये इम्यून डिसऑर्डर रोग है ये सिर्फ आयुर्वेद के रस रसायन से ही जड़ से जा सकता है।रस रसायन अर्थात आयुर्वेद के रस भस्म थोड़ा महंगा परन्तु सटीक प्रामाणिक चिकित्सा है। जो रोगी के शरीर में जाने पर चूक नहीं सकता परन्तु वात पित्त कफ से संबंधित रोग का निर्णय दवा का गुण एवं सटीक मात्रा की जानकारी होना आवश्यक है।
(1) समस्त प्रकार के लाइलाज चमड़ी रोग सोरायसिस, जोड़ों में दर्द , उंगलियों का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
(2) समस्त प्रकार के वायरस-जन्य रोग हेपेटाइटिस (ABC) हर्पिस रोग (स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने-फूँसी, छाले चमड़ी का फटना, लाल होना रुबेला) जीवाणु जन्य रोग, सिफ़लिस, गौनोरिया (सूजाक)
(3) समस्त प्रकार के यौन समस्या , यौन कमजोरी एवं यौन रोग। नोट : पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इंद्रिय) को बड़ा मोटा करने का आजतक कोई भी उपाय नहीं हैं। सावधान !
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल
फार्मा साईंटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग,।
मोबा.: 9425555659, 9617789223, 9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईन्टमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
गुजराती 44/ 5'11"
स्वयं का व्यवसाय
इनकम 40,000/- मासिक, युवक हेतु,
उच्च जाति बंधन नहीं
(मैरिज ब्यूरो क्षमा करें)
सम्पर्क करें
9827114645
9131139179

वधु चाहिए
प्रतिष्ठित मिश्रा परिवार गौत्र गौतम 32 वर्ष सिविल इंजीनियर कवर्धा निवासी जो नया रायपुर में कार्यरत युवक हेतु सुंदर सुशील वधु चाहिए।
संपर्क करें
9770577756

वधु चाहिए- यादव उम्र -48 वर्ष ,कद 5 फुट 6 इंच, योग्यता इंजीनियर स्वयं का व्यवसाय हेतु सुयोग्य, गृहकार्य में दक्ष, शिक्षित वधू चाहिए । मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। जाति बंधन नहीं । संपर्क करे मो - 9399627248 (7167)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि समाचार ही नही, विचार भी
CLASSIFIED RATE CARD
15 जून 2024 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	450	550	500	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	400	500	480	150/- Sq cm
Bilaspur City	400	450	450	140/- Sq cm
Raipur All Edition	650	750	700	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	550	600	600	195/- Sq cm
All CG	900	1020	1000	310/- Sq cm
All CG + MP	1150	1500	1450	330/- Sq cm
All Edition	1550	1900	1800	380/- Sq cm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
Colour 20% Extra Charge For Disply

SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. Single day Booking 100Rs. Extra.

ADVT. Booking time 10.30 am to 4.00 pm.
5% GST for All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	2800	2+1
Bhilai + Durg Edition	2600	5+3
Raipur Edition	4000	10+10
Bilaspur City	2200	15+18
Bilaspur Edition	3500	
All CG	5000	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	50000	80000	100000
Bilai + Durg Edition	45000	75000	95000
Bilaspur City	35000	65000	80000
Raipur All Edition	65000	110000	140000
Bilaspur All Edition	50000	90000	110000
All CG	100000	160000	200000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

खबर संक्षेप

चंद्रयान-3 ने हासिल की एक और उपलब्धि

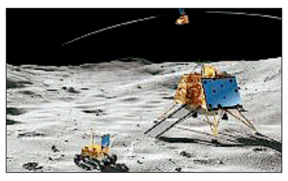

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 ने चंद्रमा पर पानी और बर्फ की खोज की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। चंद्रमा की सतह तापीय भौतिकी प्रयोग (सीएचएएसटीई) से पानी और बर्फ की खोज में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। विक्रम लैंडर द्वारा किए गए इस प्रयोग ने चांद की उच्च अक्षांश वाली मिट्टी (रेगोलिथ) से असाधारण इन-सीटू तापमान माप प्रदान किए हैं, जिससे चांद के तापीय वातावरण के साथ-साथ पानी और बर्फ के जमा होने की संभावना की उम्मीद जगी है। इसरो के भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) से के दुर्गा प्रसाद ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, 'पानी और बर्फ का पता लगाना चंद्रमा पर इंसानों के जीवन की संभावना और आगे की खोज के लिए एक अहम कदम है। चांद के तापमान न केवल पानी और बर्फ को निर्धारित करते हैं, बल्कि यह अन्य वैज्ञानिक और अन्वेषण पहलुओं को भी प्रभावित करते हैं।' चंद्रयान-3 मिशन से प्राप्त नई जानकारी को नेचर कम्युनिकेशन अर्थ एंड इनवायरमेंट पत्रिका में प्रकाशित किया गया है।

मीटिंग में पास हुआ ज्वाइंट एक्शन कमेटी की प्रस्ताव

'परिसीमन को 25 साल टालें और संविधान में संशोधन करें'

पांच राज्यों के 14 नेताओं ने हिस्सा लिया बैठक में

तमिलनाडु सीएम स्टालिन की अध्यक्षता में चेन्नई में एकजुट हुए नेतागण

एजेंसी ▸▸ चेन्नई

परिसीमन पर पहली संयुक्त कार्य समिति (जेएसी) की बैठक तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन की अध्यक्षता में चेन्नई में हुई। बैठक में पांच राज्यों के 14 नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) ने परिसीमन के मुद्दे एक प्रस्ताव पारित किया है।

प्रस्ताव में 'पारदर्शिता और स्पष्टता की कमी' पर चिंता जताई है। ऐसे में जेएसी ने केंद्र सरकार से किसी भी परिसीमन पर पारदर्शिता की मांग की है। इसके अलावा जेएसी ने परिसीमन को अगले 25साल के लिए टालने की अपील की है। जेएसी ने अपने पारित प्रस्ताव में संविधान में संसोधन की मांग की है। जेएसी का कहना है कि उन राज्यों की रक्षा और प्रोत्साहन के लिए संविधान में संसोधन जरूरी है, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से लागू किया है। इसलिए उन्हें दंडित नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में 1971 की जनगणना पर आधारित संसदीय क्षेत्रों की सीमा को 25 और वर्षों के लिए बढ़ा देना चाहिए।

यह संकीर्ण राजनीतिक हितों से प्रेरित : विजयन

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा, लोकसभा सीटों का परिसीमन डेमोक्रल्स की तलवार की तरह लटक रहा है। बीजेपी सरकार बिना किसी परामर्श के इस मुद्दे पर आगे बढ़ रही है। यह कदम अचानक उठाया गया है, जो संवैधानिक सिद्धांतों या लोकतांत्रिक अनिवार्यताओं से प्रेरित नहीं है, बल्कि संकीर्ण राजनीतिक हितों से प्रेरित है।

किसने क्या कहा

खतरे में पड़ जाएगी हमारी पहचान : स्टालिन

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा, परिसीमन उन राज्यों को प्रभावित करेगा, जिन्होंने परिवार योजना को सफलतापूर्वक लागू किया है, इसलिए हम इसका विरोध कर रहे हैं। मणिपुर दो साल से जल रहा है लेकिन उनकी आवाज नहीं सुनी जा रही है क्योंकि उनके पास उन्हें सुनने के लिए सांसद नहीं हैं। प्रतिनिधित्व खोने से धन और कानूनों पर अधिकार खो देंगे। छात्र, महिलाएं, किसान प्रभावित होंगे। इससे पहचान खतरे में पड़ जाएगी। हमारे अपने देश में हमारे पास राजनीतिक अधिकार नहीं होंगे।

हम परसीमन स्वीकार नहीं कर सकते : रेड्डी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा, दक्षिण जनसंख्या आधारित परिसीमन को स्वीकार नहीं करेगा। जनसंख्या आधारित परिसीमन के मामले में उत्तर (उत्तरी राज्य) हमें दोयम दर्जे का नागरिक बना देगा। आज देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। बीजेपी डेमोग्राफी पेनल्टी की पॉलिसी लागू कर रही है। हम एक देश हैं। हम इसका सम्मान करते हैं, लेकिन हम इस प्रस्तावित परिसीमन को स्वीकार नहीं कर सकते क्योंकि यह हमें राजनीतिक रूप से सीमित कर देगा।

हमने राष्ट्रीय हितों की रक्षा की : शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, किसी भी कीमत पर हम अपने देश को निराश नहीं कर सकते और हमारी सीटें कम नहीं हो सकतीं। उन्होंने दावा किया कि दक्षिण भारत ने हमेशा जनगणना नियमों और परिवार नियोजन नीतियों को बरकरार रखा है, जिससे यह एक प्रगतिशील क्षेत्र बन गया है।

भाजपा जहां हारती वहां सीटें घटाती : मान

परिसीमन की बैठक में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा, बीजेपी जहां जीतती है वहां सीटें बढ़ाना चाहती है और जहां हारती है वहां सीटें कम करना चाहती है।

जनसंख्या के आधार पर ना हो परिसीमन : पटनायक

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा, लोकतंत्र की रक्षा के लिए यह एक महत्वपूर्ण बैठक है। यदि दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया होता तो राष्ट्र को गंभीर संकट का सामना करना पड़ता. परिसीमन को जनसंख्या जनगणना के आधार पर लागू नहीं किया जाना चाहिए।

लद्दाख में चीन ने बनाई दो नई काउंटी, सरकार ने संसद में दी जानकारी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

नई दिल्ली ने बीजिंग के सामने जताया है विरोध

केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि चीन ने भारतीय सीमा पर दो काउंटी बनाई हैं, जिनमें से कुछ हिस्से लद्दाख में आते हैं। इसको लेकर भारत की ओर से राजनयिक माध्यमों के जरिए कड़ा विरोध जताया गया है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया, 'भारत सरकार ने उक्त क्षेत्र में भारतीय भू-भाग पर चीन के अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। नई काउंटी बनाए जाने से न तो इस क्षेत्र पर भारत की संप्रभुता के संबंध में हमारे दीर्घकालिक रुख पर कोई असर पड़ेगा और न ही इससे चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी।' सरकार से पूछे गए इस सवाल में भारतीय सीमा के अंदर बनी काउंटी के खिलाफ भारत की ओर से दर्ज कराए गए विरोध का विवरण भी मांगा गया है। साथ ही चीन सरकार की ओर से अगर कोई प्रतिक्रिया आई हो तो उसकी जानकारी भी मांगी गई।

पूछा गया था सवाल

मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या सरकार को लद्दाख में भारतीय क्षेत्र को शामिल करते हुए होटन प्रांत में चीन द्वारा दो नए काउंटी बनाने के बारे में जानकारी है। अगर हां तो सरकार ने इस मुद्दे को हल करने के लिए क्या रणनीतिक और कूटनीतिक उपाय किए हैं। विदेश राज्यमंत्री ने कहा, 'भारत सरकार चीन के होटन प्रांत में तथाकथित दो नई काउंटी की स्थापना से संबंधित चीन की घोषणा से अवगत है। इन तथाकथित काउंटी के अधिकार क्षेत्र के कुछ हिस्से भारत के केंद्र-शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं।' उन्होंने कहा कि सरकार इस बात से भी अवगत है कि चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास कर रहा है। कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा, 'सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार पर सावधानीपूर्वक और विशेष ध्यान दे रही है ताकि इन क्षेत्रों के आर्थिक विकास को गति दी जा सके। साथ ही भारत की सामरिक और सुरक्षा आवश्यकताओं को भी पूरा किया जा सके।'

दंगाइयों से की जाएगी नागपुर दंगे में हुए नुकसान की भरपाई

सीएम फडणवीस बोले- भरपाई में विफल होने पर संपत्ति होगी नीलाम मकान पर भी चलेगा बुलडोजर

एजेंसी ▸▸ नागपुर

नागपुर में 17 मार्च 2025 को हुई हिंसा मामले में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा ऐलान किया है। यूपी में दंगाइयों से निपटने के लिए योगी सरकार वाला तरीका महाराष्ट्र सीएम फडणवीस ने भी अपना लिया है।

सीएम फडणवीस ने आदेश दिया है कि नागपुर में हुए दंगों के दौरान हुए नुकसान की लागत दंगाइयों से वसूला जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने कहा "अगर दंगाई नुकसान की भरपाई करने में विफल रहते हैं, तो उनकी संपत्ति को नीलाम कर दिया जाएगा और नुकसान की राशि उससे वसूली जाएगी।" सीएम ने कहा अगर जरूरत पड़ी तो नागपुर दंगाइयों के घरों पर बुलडोजर भी चलाया जा सकता है। महाराष्ट्र मुख्यमंत्री ने हिंसक घटनाओं और अशांति के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों की प्रतिक्रियाओं की समीक्षा आज की जिसके बाद एक प्रेस वार्ता के दौरान ये बात कही है। नागपुर में 17 मार्च को हुई हिंसा के बारे में मुख्यमंत्री फडसवीस ने बताया कि इस मामले में अब तक 104 की पहचान की जा चुकी है और 94 लोगों को गिरफ़्तार किया जा चुका है।"

हिंसा के पांचवें दिन एक शख्स की मौत

नागपुर हिंसा में घायल 40 साल के इरफान अंसारी की शनिवार दोपहर 1:20 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। वह 17 मार्च से इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीजीएमसीएच) में भर्ती था। वेल्डर अंसारी सोमवार रात करीब 11 बजे नागपुर रेलवे स्टेशन से इटारसी के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए घर से निकला था। हिंसा से प्रभावित इलाकों में से एक नागपुर रेलवे स्टेशन भी है।

जस्टिस वर्मा मामले में सीजेआई करेंगे अब आगे की कार्रवाई

दिल्ली एचसी के चीफ जस्टिस ने सौंपी रिपोर्ट, 14 मार्च को होली वाली रात हुई थी आगजनी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी बंगले से कथित तौर पर नकदी मिलने के मामले की जांच कर रहे दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने अपनी रिपोर्ट भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना को सौंप दी है। सीजेआई इस जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेंगे। दिल्ली हाई कोर्ट के वरिष्ठ जज यशवंत वर्मा उस वक्त चर्चा में आए, जब उनके सरकारी आवास से बड़े पैमाने पर नकदी मिलने की खबर सामने आई। दरअसल, 14 मार्च को होली वाली रात जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित सरकारी आवास में आग लगने की घटना हुई। जस्टिस यशवंत वर्मा तब घर में नहीं थे और किसी काम से दिल्ली से बाहर गए थे. उनके परिवार के सदस्यों ने आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड से मदद मांगी। दिल्ली फायर डिपार्टमेंट ने तत्काल एक टीम को जज के घर भेज दिया।

वर्मा के तबादले का हो रहा विरोध

इस बीच, गत 20 मार्च को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कॉलेजियम की बैठक बुलाई। इस बैठक मं जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट में किए जाने का प्रस्ताव लाया गया। साथ ही दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को इस मामले की जांच सौंपी गई। इस जांच रिपोर्ट के आधार पर ही जस्टिस वर्मा के तबादले पर फैसला लिया जाना है। हालांकि, मामले में एक नया ट्विस्ट तब आया, जब दिल्ली फायर ब्रिगेड चीफ अतुल गर्ग ने दावा किया कि जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर आग बुझाने के दौरान फायर फाइटर्स को कोई नकदी नहीं मिली। इस बीच इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट ट्रांसफर किए जाने का विरोध किया है।

रामबन में वाहन खाई में गिरा, दो की मौत

बनिहाल/जम्मू। जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में शनिवार को ताजी सब्जियां ले जा रहा एक वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि चालक अर्शीद अहमद और उसका सहायक सेवा सिंह (लगभग 30 वर्ष) सब्जियां लेकर अपने गांव उखराल पोगल-परिस्तान जा रहे थे तभी जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी चश्मा के पास यह दुर्घटना हुई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों ने संयुक्त बचाव अभियान चलाया और शवों को कई सौ फुट गहरी खाई से निकाला।

विमान में चढ़ने नहीं दिया तो अपने कुत्ते को मारा, केस दर्ज

ऑरलैंडो। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक महिला ने आवश्यक दस्तावेज न होने के कारण उसके कुत्ते को विमान में ले जाने की अनुमति नहीं मिलने पर उसे हवाई अड्डे के शौचालय में डुबोकर मार डाला और फिर अंतरराष्ट्रीय उड़ान में सवार हो गई।

पुलिस ने महिला को लेक काउंटी क्षेत्र से बुधवार को गिरफ्तार कर दिया और उस पर पशु के साथ क्रूरता का आरोप लगाया गया। बाद में उसे 5,000 अमेरिकी डॉलर की जमानत पर रिहा कर दिया गया। ऑरलैंडो पुलिस विभाग ने हलफनामे में कहा, यह कृत्य जानबूझकर किया गया था और इस क्रूरतापूर्ण कदम के कारण पशु की मौत हो गई। ऑरलैंडो पुलिस विभाग के अनुसार, एक सफाई कर्मचारी ने मृत कुत्ते को शौचालय के कूड़ेदान में पाया जिसके बाद इस मामले की जांच दिसंबर में शुरू की गयी। पुलिस जांच में सामने आया कि महिला पहले कुत्ते के साथ शौचालय में गई थी और कुछ देर बाद कुत्ते के बिना बाहर आई।

प्रतिबंधित याबा की 5.5 करोड़ की गोलियां जब्त, तीन गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में प्रतिबंधित याबा (मादक पदार्थ) की 5.50 करोड़ रुपए की गोलियां बरामद होने के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस दल ने गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार रात एक होटल पर छापा मारा और याबा की 1.10 लाख गोलियां जब्त कीं। यह नशीला पदार्थ 'क्रेजी ड्रग' के नाम से भी जाना जाता है। याबा की गोलियों में 'मेथामफेटामाइन' और 'कैफीन' का मिश्रण होता है और इसे भारत में प्रतिबंधित किया गया है। पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक किरण कुमार ने पत्रकारों को बताया कि तलाशी अभियान के दौरान आरोपियों के पास एक ट्रॉली बैग से याबा की 1.10 लाख गोलियां बरामद हुईं जिनकी बाजार में कीमत 5.50 करोड़ रुपए है। दोनों आरोपी त्रिपुरा निवासी आरोपी त्रिपुरा के कमालपुर उपखंड के रहने वाले हैं।

पति की जीभ काटी, महिला पर केस दर्ज: कोटा। राजस्थान के झालावाड़ जिले के बकानी कस्बे में घरेलू विवाद के दौरान गुस्से में महिला ने कथित तौर पर अपने पति की जीभ काट ली। रवीना सैन (23) के खिलाफ जानबूझकर चोट पहुंचाने और गंभीर रूप से घायल करने को लेकर मामला दर्ज किया गया है। इस घटना की सूचना शुक्रवार शाम को पुलिस को दी गई।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी मर्यादित
(छ.ग.शासन का एक उपक्रम) (छराविमं. उत्तरदायी कं.)
कार्यालय कार्यपालन अभियंता (अउदा : निर्माण) संभाग, छराविपारेकंमर्या, तिफरा बिलासपुर-495223
email: eecht.bilaspur@espe.co.in Fax / Phone No. 07752427074

क्रमांक का.अ./अ.उ.दा./निर्माण/संभाग/ बिलासपुर, दिनांक 21.03.2025

आम सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी मर्यादित की विद्यमान 400 के. व्ही. कोरबा (वेस्ट)–भिलाई (खेदामारा) लाईन के लोकेशन क्रमांक–382 से लिलो करके प्रस्तावित 400/220 के. व्ही. उपकेन्द्र धरदेई, जिला–मुंगेली तक लगभग 8.0 कि.मी. 400 के. व्ही. डीसीडीएस लाईन का निर्माण कार्य तहसील–पथरिया जिला–मुंगेली के अंतर्गत ग्राम–जरेली, दलपुरवा, पेंड्री, सेंद्री, पडियाइन, रोहरा कला एवं धरदेई इत्यादि ग्रामों से होकर गुजरती है। इस लाईन में विद्युत प्रवाह दिनांक–23.03.2025 को या इसके पश्चात कभी भी चालू /ऊर्जीकृत किया जा सकता है।

अत: जन साधारण से अनुरोध है कि उक्त लाईन से दूर रहें तथा उस पर चढ़ने अथवा छूने का प्रयास न करें। इससे दुर्घटना हो सकती है जिसके लिये छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पारेषण कंपनी मर्यादित जिम्मेवार नहीं होगी।

कार्यपालन अभियंता (अ. उ.दा. निर्माण) संभाग
छ. रा. वि.पारे.कं. मर्या., बिलासपुर
संवाद-

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.), जोन क्र. 01 सकरी

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

निविदा क्र./48/जोन क्र. 01 सकरी/जन. कार्य.वि./25 सकरी, दिनांक 20/03/2025

नगर पालिक निगम बिलासपुर, जोन क्र. 01 सकरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु निर्माता/विक्रेता/सप्लायर से सीलबंद मैनुअल निविदा दिनांक 15.04.2025 तक सायं 4.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य विवरण	अनुमानित लागत (रुपये लाख में)	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि
1	जोन क्र. 01 सकरी अंतर्गत विभिन्न वार्डों में स्लूज वॉल, स्पैंडल कटिंग, थ्रेडिंग कार्य। (आयटम दर पर)	10.00	15.04.2025

2- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी ई-www.bilaspurnagarnigam.com में देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

Green City, Clean City, Dream City
कार्यपालन अभियंता
जोन क्र. 01, न.पा.नि. बिलासपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद कटघोरा, जिला - कोरबा (छ.ग.)
E-mail id - nagarpalikakatghora@gmail.com

क्रमांक /426/प्र.मं.आ.यो.2.0/ न.पा.प./ 2025 कटघोरा, दिनांक 21/03/2025

दावा आपत्ति आमंत्रण सूचना

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राज्य शहरी विकास अभिकरण, छत्तीसगढ़ इन्द्रावती भवन अटल नगर नवा रायपुर के पत्र क्रमांक / 9/ सूडा / PMAY-U 2.0 / 2024-25 / 8794 दिनांक 13/03/2025 के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 सबके लिए आवास मिशन BLC घटक अंतर्गत स्वयं की भूमि पर काबिज हितग्राहियों को निर्धारित दिशा-निर्देश अनुसार कट आफ तिथि दिनांक 31 अगस्त 2024 के पूर्व काबिज हितग्राहियों के आवेदन पत्रों पर नगर पालिका परिषद कटघोरा द्वारा हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर सर्वेकर्ता द्वारा सत्यापन किया जाकर डी.पी.आर. पट्टाधारी का कुल 28 हितग्राहियों की प्रथम सूची तैयार की गई है। उक्त हितग्राहियों का काबिज विवाद मुक्त होने पर उक्त हितग्राहियों का आवास स्वीकृति किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को प्रकाशित सूची में किसी प्रकार का कोई दावा आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर नगर पालिका परिषद कटघोरा कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में दस्तावेज आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। उक्त तिथि उपरांत किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी।

सूचना जाने।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् कटघोरा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित
(सं./सं.) संम्भाग-बलरामपुर

क्रमांक/का.यं.ब./क्रय खण्ड/सूचना/7013 /बलरामपुर, दिनांक 21.03.2025

"विद्युत बन्द की सूचना"

समस्त विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि बलरामपुर जिला अन्तर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र गणेश मोड़ में पॉवर ट्रान्सफार्मर की क्षमता वृद्धि का कार्य किया जाना प्रस्तावित है, जिसके कारण दिनांक 23.03.2025 को प्रात: 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक 33/11 के0 व्ही. उपकेन्द्र गणेश मोड़ से निकलने वाली फीडर की विद्युत प्रवाह सूची अनुसार बन्द रहेगी।

क्र.	उपकेन्द्र का नाम	फीडर का नाम	समय
1	33/11 केव्ही उपकेन्द्र गणेशमोड़	33/11 केव्ही उपकेन्द्र गणेशमोड से निकलने वाली समस्त फीडर	प्रात: 10 बजे से शाम 5 बजे तक

टीप :- आवशकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।
"विद्युत की बचत करें, समय पर विद्युत बिल का भुगतान करें ।"

भवदीय
कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.रा.वि.वि.कं.मर्या., बलरामपुर
संवाद-

राशिफल

मेष मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। धर्म के प्रति श्रद्धा रहेगी।

वृष कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें।

मिथुन स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। पिता का साथ मिलेगा। खर्च बढ़ेंगे। बातचीत में संयत रहें।

कर्क शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में मन लगेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा लाभप्रद रहेगी। मन में उतार-चढ़ाव के भाव रहेंगे।

सिंह शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भागदौड़ अधिक रहेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

कन्या शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी।

तुला क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक धैर्यशीलता बनाए रखें। भाई-बहनों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ सकती है।

मकर लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है।

कुंभ कार्यक्षेत्र में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। खर्चों की अधिकता रहेगी। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है।

मीन पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के प्रति सचेत रहें।

शब्द पहेली - 5813

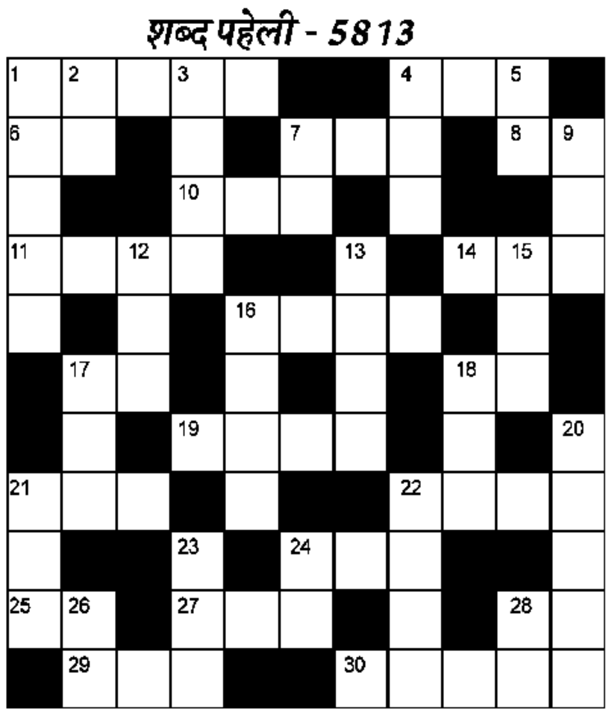

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली-5812 का हल

सूडोकू नवताल - 5823

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 5822 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 23 मार्च 2025

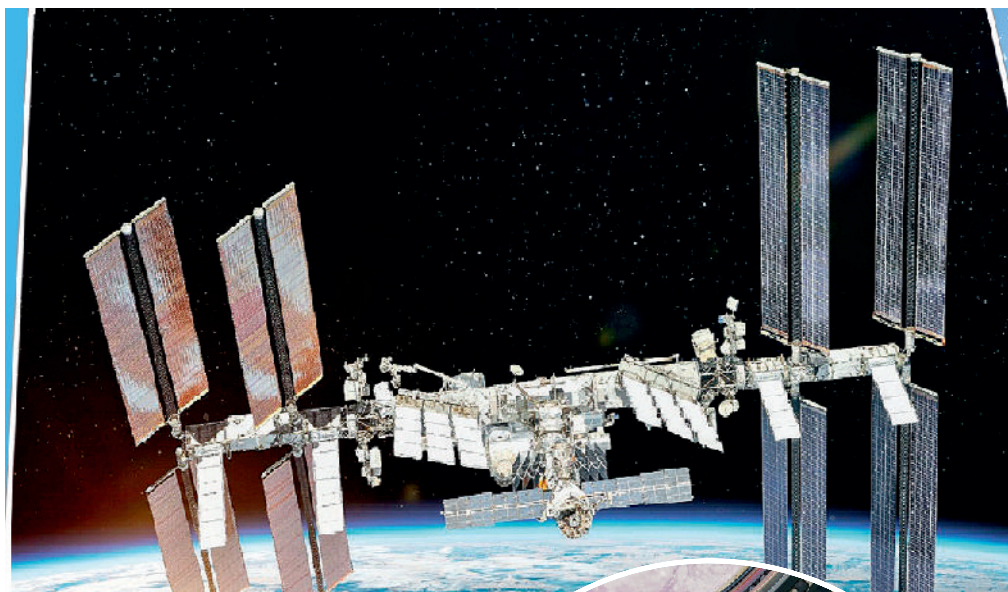

बीते सप्ताह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में करीब नौ महीने गुजारने के बाद भारतीय मूल की अंतरिक्ष वैज्ञानिक सुनीता विलियम्स वापस धरती पर लौटी हैं। ऐसे में स्पेस साइंस में रुचि रखने वाले हर व्यक्ति के दिमाग में आईएसएस की संरचना, उसमें रहने के अनुभवों के बारे में कई सवाल उठ रहे हैं। ऐसे तमाम सवालों के जवाब आप यहां पा सकते हैं।

फिक्शन पैलेस जैसा हाईटेक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन

कवर स्टोरी

विवेक कुमार

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की आंतरिक दुनिया, जहां कई महीने गुजार कर भारतवंशी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स लौटी हैं, वह खुद अपने आपमें किसी साइंस-फिक्शन के रहस्य महल जैसा है। अगर आपने कभी कल्पना की हो कि अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर की दुनिया कैसी होती होगी, तो जान लीजिए कि यह किसी साइंस फिक्शन फिल्म के सेट से कम नहीं है। अंतरिक्ष यात्री यहां महीनों तक रहते हैं, कई तरह के प्रयोग करते हैं और पृथ्वी से बहुत दूर रहकर भी संपूर्ण मानवता के नए रास्ते खोलते हैं। ऐसे में आईएसएस की उस अनोखी दुनिया के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

स्पेस स्टेशन की आंतरिक संरचना

इसके अंदर तंग, लेकिन बेहद हाईटेक कॉरिडोर्स हैं। चूंकि अरबों डॉलर की लागत के बावजूद अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर जगह काफी सीमित है, इसलिए इसकी दीवारों में जगह-जगह मॉनिटर्स, वायरिंग और उपकरणों की भरमार है। यहां हर चीज मॉड्यूलर होती है-यानी जिसे जरूरत के हिसाब से जोड़ा या हटाया जा सकता है। तभी इतने ज्यादा और नए-नए वैज्ञानिक प्रयोग किए जा सकते हैं, जैसा कि खासतौर पर सुनीता विलियम्स और उनके साथियों ने किए। इस अंतरिक्ष स्टेशन में रहते हुए वैज्ञानिक बायोलॉजिकल, फिजिकल और मेडिकल क्षेत्र के तमाम प्रयोग करते हैं, जिसके निष्कर्षों का उपयोग भविष्य में स्पेस ट्रैवल और मानव जीवन को आसान बनाने के लिए होगा।

रहने के बने होते हैं अलग-अलग क्वार्टर्स

इसमें विशेष रूप से हर अंतरिक्ष यात्री के लिए एक छोटा, कैप्सूलनुमा सोने का स्थान होता है, जहां वे स्लीपिंग बैग में खुद को बांधकर सोते हैं ताकि तैरते न रहें। यहां मनोरंजन के लिए लैपटॉप, म्यूजिक प्लेयर और वीडियो कॉल की सुविधा भी होती है। यहां एक डाइनिंग एरिया भी होता है, जिसे गैलेली मॉड्यूल कहते हैं। यहां स्पेशल पैक किए गए फूड पाउच होते हैं, जिन्हें पानी या हीटिंग सिस्टम से खाया जा सकता है। कोई भी चीज प्लेट में नहीं रखी जा सकती। क्योंकि ऐसा करते ही वह हवा में तैरने लगेगी। इसीलिए यहां कॉफी भी स्पेशल सीलबंद कप में मिलती है।

दिखते हैं अद्भुत दृश्य

अंतरिक्ष स्टेशन के कुछ हिस्सों में बड़ी-बड़ी खिड़कियां होती हैं, जहां से अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी को घूमते हुए देख सकते हैं। सूरज यहां हर 90 मिनट में उगता और अस्त होता है। सूरज को एक ही दिन में कई बार उगते और डूबते देखना, यह एक अविश्वसनीय अनुभव होता है। अंतरिक्ष स्टेशन में कई उद्देश्यपूर्ण साइंस लैब बनाई गई हैं। ये लैब्स, अंतरिक्ष की विशेष परिस्थितियों में प्रयोगों के लिए बनाई गई

होती हैं, जहां मेडिकल, बायोलॉजिकल और फिजिकल रिसर्च किए जाते हैं। यहां प्लांट ग्रोथ, मानव शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का प्रभाव और रोगों के लिए नई दवाइयों पर रिसर्च भी होती है।

स्पेशल स्पेस टॉयलेट

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में बना टॉयलेट भी बहुत अलग होता है। यह एक सक्शन सिस्टम की तरह काम करता है, जो अपशिष्ट को खींचकर अलग रखता है। यात्रियों के मूत्र और पसीने को ही रिसाइकल करके पीने योग्य पानी बनाया जाता है।

स्पेसवॉक एरिया

इसे यहां की टर्मिनोलोजी में एयरलोक और ईवा जोन कहते हैं। यह हिस्सा वह जगह होती है, जहां से अंतरिक्ष यात्री बाहरी मरम्मत या अनुसंधान के लिए स्पेसवॉक करने जाते हैं। कई बार किसी साइंस-फिक्शन जैसे वाकयात होते हैं। मसलन, कोई औजार हाथ से छूट गया तो वह हवा में तैरते-तैरते मॉड्यूल के दूसरी तरफ जाकर फंस जाता है। फिर उसे वापस लाने में खासी मशक्कत करनी पड़ती है।

स्पेस स्टेशन में 'गूंजती' ध्वनि

चूंकि अंतरिक्ष स्टेशन में हर चीज शून्य गुरुत्वाकर्षण में होती है, इसलिए यहां आवाजें अलग तरीके से सुनाई देती हैं। कई बार यात्री अपने साथी को दूसरी तरफ से पुकारते हैं, लेकिन उन्हें दीवारों की गूंज सुनाई देती है। लेकिन इन्हीं स्थितियों में जिंदगी का लुत्फ भी लिया जाता है। मसलन, स्पेस स्टेशन में रहते हुए सुनीता विलियम्स ने अपना बर्थ-डे सेलिब्रेशन भी किया, जिसमें केक को हवा में तैरते हुए काटा गया।

आम लोग भी जाएंगे वहां

जिस तरह तेजी से स्पेस टूरिज्म अब हकीकत बन रहा है। ऐसे में शायद आने वाले दशकों में आम आदमी भी पैसा खर्च करके कुछ दिनों के लिए स्पेस स्टेशन पर रह सकेगा। स्पेस स्टेशन में एक अनोखा अनुभव प्राप्त कर सकेगा। *

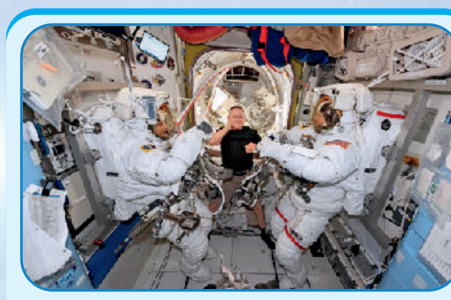

हवा में तैरते रहते हैं अंतरिक्ष यात्री

स्पेस स्टेशन के भीतर कोई 'ऊपर' या 'नीचे' नहीं होता। हर चीज शून्य गुरुत्वाकर्षण अर्थात जीरो ग्रैविटी में होती है, जिससे यात्री तैरते हुए एक मॉड्यूल से दूसरे मॉड्यूल में आते जाते हैं। यह सब सुनने में कितना ही रोमांचक लगे लेकिन हकीकत में शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। महीनों तक अंतरिक्ष में रहने से शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का कई तरह से असर पड़ता है। इसके चलते शरीर की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, मानसिक रूप से भी खुद को स्थिर रखना बहुत कठिन होता है।

आईएसएस का एक्सरसाइज जोन

अंतरिक्ष यात्रियों की हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर न हों, इसके लिए वे रोजाना ट्रेडमिल या साइकिल पर कसरत करते हैं। यह बहुत जरूरी इसलिए है, क्योंकि महीनों तक अंतरिक्ष में रहने से शरीर पर गुरुत्वाकर्षण की कमी का असर पड़ता है, हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और मानसिक रूप से खुद को स्थिर रखना एक चुनौती होता है।

अभूतपूर्व

संजय श्रीवास्तव

पूरे 287 दिन स्पेस स्टेशन में गुजारने के बाद सुनीता विलियम्स का सुरक्षित धरती पर लौटना एक अभूतपूर्व घटना है। सुनीता ने वहां जिस तरह अपना वक्त गुजारा, जिन कामों को अंजाम दिया और धैर्य से मुश्किलों का सामना किया, वो हर धरतीवासी के लिए एक प्रेरणा है।

धरती पर सुरक्षित लौटीं स्पेस क्वीन सुनीता विलियम्स

समुद्रतल से महज 408 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन, हमारे सिर के ऊपर से न जाने कितनी बार गुजरा होगा, पर हमने शायद ही कभी नंगी आंखों से देखे जा सकने वाले इस स्टेशन पर निगाह डाली होगी। इस बात पर भी शायद ही कभी गहराई से गौर किया होगा कि किसी बड़े फुटबॉल मैदान के बराबर, 15 हजार करोड़ डॉलर लागत के इस स्टेशन पर मात्र आठ दिन के लिए गईं, लेकिन 287 दिन गुजारने के लिए मजबूर सुनीता विलियम्स ने बस कुछ क्रू सदस्यों के साथ अपने रुटीन लाइफ वाले दिन सीमित स्थान वाले अंतरिक्ष में कैसे काटे होंगे?

आसान नहीं रहा वहां रहना: 5 जून 2024 को सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में फ्लाइट टेस्ट मिशन पर बतौर पायलट गई थीं। 8 दिन स्पेस स्टेशन पर रुक कर, शोध प्रयोग कर 10वें दिन स्पेसक्राफ्ट को धरती पर वापस लाना तय था। पर जो हुआ सबके सामने है। लेकिन उस दौरान तमाम कठिनाइयों के बावजूद, सुनीता वहां काम और व्यायाम के जरिए पर्याप्त प्रसन्न, स्वस्थ और स्थिर रहीं। अंतरिक्ष स्टेशन के शून्य गुरुत्वाकर्षण में बंधी दिनचर्या के तहत तंग सी जगह में कुछ ही चेहरों के साथ रहना, लटके हुए सोना, संभल कर दैनिक क्रिया निबटाना, व्यायाम करना, टूथपेस्ट को ब्रश के बाद निगल जाना, बिना नहाए महीनों रहना, उनके लिए सामान्य हो गया था। रोज मेंटिनेंस, रिसर्च, आकलन, सेल्फ असेसमेंट जैसे काम निबटाना, खान-पान में अपेक्षित सावधानी बरतना, छलकी बूंदों का पीछा कर उन्हें गटक जाना, सुनीता के लिए कोई नई बात नहीं थी।

किसी मुश्किल से नहीं घबराईं: कभी स्पेसक्राफ्ट के कैप्सूल में हीलियम लीकेज, तो कभी थ्रस्टर्स बंद तो कभी प्रॉपेलेंट वॉल्व का बंद न होना। एक बार तो यान के सुरक्षा कवच में दरार आ गई थी फिर अंतरिक्ष केंद्र के कंप्यूटरों में खराबी बमुश्किल ठीक हुई। यहां तक कि सोलर पैनल की भी कई बार मरम्मत करनी पड़ी। बहरहाल, पिछली बार सुनीता को अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने रुकना पड़ा था, लेकिन इस बार नौ महीने वहीं स्टे करना पड़ा। पर इस बार उनको वापस लाने के बार-बार हुए प्रयासों में तकनीकी विफलता अवश्य निराशाजनक थी। लेकिन वापसी के इंतजार में हंसती, मुस्कराती दिखती सुनीता कभी घबराई या निराश नहीं दिखीं। धरती पर नियत, निश्चित वापसी के बार-बार टलने का अहसास क्या होता है, धरती पर अपने घरों में रहते नहीं महसूस किया जा सकता।

आसान नहीं थी वापसी: सुनीता की वापसी की डगर कम खतरनाक नहीं थी। मौसम का बिगड़ा मिजाज एक बार फिर विलंब करवा सकता था। एक तकनीकी गलती, कोण में बदलाव उन्हें भाप में तब्दील कर सकती थी, ताउम्र अंतरिक्ष में गुम कर सकती थी, कक्षाओं में भटका सकती थी। बहरहाल, धरती पर सुनीता सुरक्षित लौट आई हैं।

नॉर्मल होने में लगेंगे कई दिन: लौटने के बाद सुनीता के सामने तमाम समस्याएं कुछ समय तक बनी रहेंगी। शरीर के अंगों और उनके द्वारा क्रिया-कलाप को स्वभावतः पृथ्वी की सतह पर वायुमंडलीय दबाव और गुरुत्व की आदत होती है। स्पेस में जाकर ज्यादा समय वहां रहकर वापस आना तमाम विसंगतियां पैदा करता है। गुरुत्व की आदी मांसपेशियां जिन्हें धरती पर हर हरकत पर कसरत करनी पड़ती है, स्पेस में लगभग निष्क्रिय रहती हैं। सो कमजोर और खराब होने लगती हैं। इसके अलावा हर समय हवा में तैरते रहने के चलते हड्डियों को शरीर का भार सहन करने की जरूरत नहीं रहती, इससे हड्डियों के ऊतक विकसित नहीं होते, जरा भी धक्के से टूट-फूट की आशंका बनती है। अंतरिक्ष से वापस आने पर कुछ दिनों बाद ही वे ठीक से खड़ी हो पाएंगी। सुनीता को गुर्दे की पथरी की समस्याएं हो सकती हैं, दिल भी सिकुड़ सकता है। इतना ही नहीं, उनका इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है। नजर बेहद कमजोर हो सकती है, कान से कम सुनाई देना और शरीर का बेहतर संतुलन बनाने में भी कठिनाई हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का बिल्कुल साफ-सुथरा वातावरण, धरती आने पर उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। धरती पर पाए जाने वाले बहुत से प्राकृतिक सूक्ष्म जीवाणु उनमें इम्यून सिस्टम से जुड़ी कई समस्याएं पैदा कर सकते हैं। फिलहाल सुनीता के व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही इसके निष्कर्षों का इंतजार रहेगा। *

ऐसे हुई सुनीता की वापसी

सुनीता को वापस लाने के लिए जाने वाले ड्रैगन क्रू-10 यान में चार लोग थे। 14 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 4.30 बजे केनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरकर यह ड्रैगन क्रू, 28 घंटे बाद 16 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 9.40 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंच कर डॉकिंग शुरू की, 11.05 बजे इसका हैच खुला। तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी कर टीम मेंबर भीतर गए। बात मुलाकात के बाद क्रू-9 के अंतरिक्ष यात्रियों, एस्ट्रोनॉट निक हेग, सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर और अलेक्सांद्र गोरबुनोव ने अपने काम-काज का ब्योरा आगंतुकों यानी क्रू-10 मेंबर्स को दिया। काम-काज हैंड ओवर करने के बाद वे पृथ्वी पर लौटने के लिए तैयार थे। पांच महत्वपूर्ण और बेहद जटिल प्रक्रियाएं निबटाने के बाद वे चले और लगभग 18 घंटे बाद महासागर में सफलतापूर्वक उतरे।

कविता

अलका 'सोनी'

सभ्यता वरदान नहीं

सभ्यता वरदान नहीं
होती हमेशा...
कभी-कभी
बन जाती है
अभिशाप भी!!
वह नहीं सिखा पाती हमें
अपने मन के
घावों को धोना
झूठी हंसी ओढ़े
सीख लेता है आदमी
चुप रहकर दर्द ढोना
छद्म आवरण से
ढंका शरीर लेकर
घूमता रहता है आदमी
इस सभ्य समाज में
इससे कहीं ज्यादा
महान होता है
प्रकृति का
वह भव्य खुलापन और
जहां नहीं छुपाते लोग
स्वयं को इन आवरणों में।
सदियों तक सहेज कर
रखते चले जाते हैं वो
अपनी सहजता
यह नैसर्गिकता ही तो
इनकी थाती होती है
जिसे पीढ़ियों तक
हस्तांतरित करते जाते हैं वे।

लघुकथाएं

नासूर

योगिता को हरीश के रूप में मन-माफिक नौकरीपेशा पति ही नहीं मिला, अच्छी ससुराल भी मिली। शादी के साल भर बाद वह मां बन गई। सब कुछ बढ़िया ही बढ़िया!

ससुराल में परिवार संयुक्त था। सबके साथ सब कुछ अच्छा हो, जरूरी तो नहीं। हरीश का एक चचेरा भाई था-नरेश। वह पढ़ा-लिखा तो था लेकिन बेरोजगार था। वह सरकारी नौकरी पाने की कोशिश में था। सारी कोशिशें सब व्यर्थ जा रही थीं। उसकी बेकारी पर अकसर योगिता फब्तियां कसती थी, 'क्यों नरेश! आजकल तुम्हारा इधर-उधर बहुत आना-जाना होता है। क्या बात है भाई! नौकरी मिली? नौकरी मिलेगी, तब छोकरी मिलेगी। लगे रहो नरेश भाई।'

नरेश योगिता को कभी मजाकिया लहजे में जवाब देता, तो कभी चुप रह जाता लेकिन बातें अंतस को लगती थीं। हरीश को अपने भाई के प्रति योगिता का व्यवहार अच्छा नहीं लगता था। एक दिन उसने समझाया, 'योगिता, नरेश की बेकारी की तुम खिल्ली मत उड़ाया करो।'

योगिता पति की बात हल्के से लेते हुए तपाक से बोली, 'क्यों...? बस मजाक ही तो करती हूं।'

'नरेश को बहुत ठेस पहुंचती है तुम्हारे मजाक से।' हरीश ने एक पीड़ा के साथ कहा।

'तुम्हें कैसे पता?' योगिता बोली।

'घायल की गति घायल जानता है योगिता। बेकारी शरीर के नासूर से अधिक पीड़ादायक होती है।' एक लंबी सांस खींचते हुए हरीश बोला। *

-टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'

आयु की अवधि

नौकरी से कई वर्ष पहले रिटायर हो चुके दीनानाथ जी को जर्जर होते जा रहे मकान की मरम्मत का खयाल आया। लेकिन इसके लिए पास में पर्याप्त पैसा न होने के कारण, उन्होंने बैंक से कर्ज लेने की सोची। उनका खयाल था, पेंशन खाते से बैंक उन्हें कर्ज दे देगा। बीवी की सहमति से कर्ज की अर्जी देने के लिए वे एक दिन बैंक पहुंच गए।

बैंक अधिकारी से उन्होंने पेंशन खाते के एवज में कर्ज लेने के बारे में पूछा।

'बैंक में ऐसे लोन का प्रावधान है तो सही, लेकिन...' दीनानाथ जी की ओर गौर से देखते हुए बैंक अधिकारी बोलते-बोलते ठहर गया।

'लेकिन क्या..?' उन्होंने पूछा।

'बात यह है दीनानाथ जी कि एक उम्र अवधि पार करने के बाद ऐसे किसी लोन का प्रावधान नहीं है बैंक में।' बैंक अधिकारी ने बताया।

'ऐसा क्यों है?' मायूसी के साथ दीनानाथ जी ने पूछा। समझाने के अंदाज में अधिकारी ने कहा, 'इसलिए कि... ईश्वर न करे, इस बीच आपको कभी भी कुछ हो जाए और...।' कहते-कहते अचानक ही उस अधिकारी को एक जोरदार हिचकी आई और वह अपनी कुर्सी पर ही लुढ़क गया। उसके प्राण पखेरू उड़ चुके थे। *

-हबीब कैफी

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

काफ्का पर संग्रहणीय अंक

जब भी दुनिया के महानतम लेखकों का जिक्र होता है तो फ्रांज काफ्का का नाम उसमें शामिल होता ही है। इस विलक्षण लेखक के अवसान को एक सदी गुजरने पर श्रद्धांजलि स्वरूप नया ज्ञानोदय ने अपना ताजा अंक (फरवरी-मार्च) 'काफ्काः अवसान के सौ वर्ष' शीर्षक से प्रकाशित किया है। इसमें उनकी क्लासिक कथा 'कायांतरण' के अलावा 'दंडद्वीप में', 'एक छोटी महिला' और 'ग्यारह बेटे' कहानियां भी संकलित हैं। उनकी दो कविताओं और दो लघुकथाओं के अलावा कुछ बेहतरीन लेख भी यहां पढ़े जा सकते हैं। सुधांशु गुप्त का लेख 'के से काफ्का पढ़िए' और स्वाति शर्मा का संस्मरण 'कमरा नंबर बाईसः काफ्का की खिड़की' विशेष रूप से पठनीय हैं। सौम्य शाश्वत का लेख 'सिनेमा में काफ्का की उपस्थिति' भी बढ़िया है। गुस्ताव जैनुक और पिएत्रो चिताती के अनूदित संस्मरण भी बेहतरीन हैं। केशव चतुर्वेदी ने अपने लेख में काफ्का के रचना संसार के आलोक में उनकी प्रासंगिकता की गहनता से पड़ताल की है। कुल मिलाकर काफ्का पर केंद्रित नया ज्ञानोदय का यह अंक संग्रहणीय है। *

पत्रिकाः नया ज्ञानोदय (काफ्काः अवसान के सौ वर्ष), संपादकः मधुसूदन आनंद, मूल्यः 50 रुपए, प्रकाशकः भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

श्रेया घोषाल के गानों का क्रेज

परफॉर्मेंस की शुरुआत श्रेसा घोषाल ने की। श्रेया घोषाल ने अपनी मधुर आवाज के साथ अपने प्रदर्शन की शुरुआत 'अमी जे तोमार' के भावपूर्ण गायन से की, जिसके बाद उन्होंने 'घूमर' और 'कर हर मैदान फतेह' सहित अन्य गीत प्रस्तुत किए। उन्होंने चुन्नी मेरी रंग दे ललारिया, मेरे यार दी गद्दी दे नाल दी गाने पर परफॉर्म किया। लेकिन पूरा स्टेडियम तब गूंज उठा जब उन्होंने हुसन तेरा-तेरा तौबा-तौबा गया और इसी समय दिशा पाटनी की भी एंट्री हुई। दोनों ने जमकर डांस किया।

आईपीएल का रंगारंग आगाज

60 हजार दर्शकों में दिखा रोमांच...

दिशा पटानी, श्रेया घोषाल ने लूटी महफिल

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में 60 हजार दर्शकों के बीच आईपीएल के 18वें सीजन की रंगारंग शुरुआत हो गई है। कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच से पहले ईडन गार्डन्स पर ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया। मैच से पहले ओपनिंग सेरमनी में बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के साथ ही बॉलीवुड के कई कलाकार नजर आए। दिशा पाटनी के डांस मूव पर फैंस क्रेजी नजर आए। दिशा पाटनी के बाद पंजाबी सिंगर करण औजला स्टेज पर पहुंचे। उन्होंने अपने गानों से धूम मचा दी। करण ने जैसे ही 'हुस्न तेरा तौबा-तौबा' गाया दर्शक झूम उठे। इसके साथ ही उन्होंने वेवी और साफ्टली भी गाया।

इसके बाद श्रेया घोषाल के बाद दिशा पाटनी स्टेज पर पहुंचीं। दिशा ने अपने शानदार डांस परफॉर्मेंस से मंच पर धूम मचा दी। टू पीस में दिखा ने अपनी फिल्मों की गानें पर जोरदार डांस किया। अपने स्टेप्स से उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया।

शाहरुख ने की शुरुआत

आईपीएल 2025 के ओपनिंग सेरेमनी की शुरुआत शाहरुख खान ने की। वह कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम के मालिक भी हैं। शाहरुख खान ने आईपीएल को लेकर कई प्रेरणादायक बातें कहीं। शाहरुख खुद भी पहले सीजन से आईपीएल का हिस्सा हैं। उन्होंने ही परफॉर्म करने वाले आर्टिस्ट का नाम भी अनाउंस किया।

रिंकू-विराट का डांस

इसके बाद शाहरुख खान ने दोबारा स्टेज संभाला। उन्होंने 18 साल से लगातार एक ही टीम में खेलते आ रहे विराट कोहली को स्टेज पर बुलाया और कुछ बातें कीं। फिर शाहरुख ने अपनी ही टीम के रिंकू सिंह को बुलाया। रिंकू सिंह के साथ शाहरुख ने अपने गाने लुट-पुट गया पर परफॉर्म किया और फिर कोहली को पठान के गाने पर झूमने को मजबूर कर दिया।

कोहली का सम्मान

फिर शाहरुख ने बीसीसीआई अधिकारियों और आईपीएल गर्वनिंग काउंसिल के अधिकारियों को स्टेज पर बुलाया। इसी के साथ सभी परफॉर्मर को भी स्टेज पर बुलाया। इसके बाद विराट का सम्मान किया गया और फिर आईपीएल ट्रॉफी लगाई गई। इस ट्रॉफी को इस सीजन का पहला मैच खेलने वाली टीमों के कप्तान लेकर आए। कोलकाता और आरसीबी के बीच पहला मैच होना है जो कोलकाता में ही होगा।

बेंगलुरु का जीत से आगाज, कोहली का तूफान, कोलकाता को 7 विकेट से रौंदा

आईपीएल : विराट और साल्ट का अर्धशतक, क्रुणाल ने झटके 3 विकेट

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सत्र के शुरुआती मुकाबले में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स पर 22 गेंद शेष रहते सात विकेट से जीत दर्ज की। विराट कोहली (नाबाद 59) और फिल सॉल्ट (56) ने आक्रामक बल्लेबाजी की। कप्तान अजिंक्य रहाणे की 31 गेंद में 56 रन की पारी के बावजूद केकेआर की टीम आठ विकेट पर 174 रन ही बना सकी। आरसीबी ने 16.2 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

कोहली ने 36 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाकर एक छोर संभाले रखा तो वहीं दूसरे छोर से उन्हें सॉल्ट और कप्तान रजत पाटीदार का अच्छा साथ मिला। सॉल्ट ने 31 गेंद की पारी में नौ चौके और दो छक्के जड़ने के अलावा कोहली के साथ पहले विकेट के लिए 8.3 ओवर में 95 रन की साझेदारी कर आसीबी को शानदार शुरुआत दिलाई। पाटीदार ने 16 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाए जबकि लियाम लिविंगस्टोन ने पांच गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 15 रन बनाए।

रहाणे का अर्धशतक बेकार :

रहाणे ने केकेआर की कप्तानी में शानदार शुरुआत करते हुए 25 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। भारत के लिए अपना पिछला टी20 मैच 2016 में खेलने वाले 36 वर्षीय अनुभवी रहाणे को श्रेयस अय्यर की जगह केकेआर का कप्तान बनाया गया है।

मुंबई के सामने होगी चेन्नई की स्पिन चुनौती

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स अपने मजबूत स्पिन आक्रमण के दम पर रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस पर शिकंजा कसने की कोशिश करेगा। मुंबई की टीम इस मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना उतरेगी और ऐसे में उसे एम ए चिदंबरम स्टेडियम की स्पिनरों की मददगार पिच पर कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

पांच बार के चैंपियन चेन्नई ने यहां की पिच का व्यवहार देखते हुए पिछले साल मेगा नीलामी में रविचंद्रन अश्विन, नूर अहमद, श्रेयस गोपाल और दीपक हुड्डा को अपनी टीम से जोड़कर अपने स्पिन आक्रमण को मजबूत किया। टीम के पास पहले से ही अनुभवी स्पिनर रवींद्र जडेजा थे। चेन्नई के टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उठाए गए इस कदम से पता चलता है कि यहां की पिच का धीमी गति के गेंदबाजों को मदद पहुंचाना किसी टीम की रणनीति में कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

रॉयल्स और सनराइजर्स में दावेदार की जंग आज

हैदराबाद। अपनी दमदार बल्लेबाजी और अनुभवी गेंदबाजों की उपस्थिति में सनराइजर्स हैदराबाद रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। सनराइजर्स के पास दुनिया के सबसे विस्फोटक बल्लेबाज हैं। इनमें ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, इशान किशन और हेनरिक क्लासेन शामिल हैं जो किसी भी तरह के आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं। सनराइजर्स के पास गेंदबाजी विभाग में कप्तान पैट कमिंस और मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं जबकि स्पिन विभाग की जिम्मेदारी ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा संभालेंगे।

हमारा लक्ष्य पंजाब को सर्वश्रेष्ठ टीम बनाना

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि उनका तात्कालिक लक्ष्य इंडियन प्रीमियर लीग में खिताब का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार खत्म करना है लेकिन उनका दीर्घकालिक लक्ष्य इस टीम को सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ टीम बनाना है। पंजाब ने इस सत्र के लिए पोंटिंग को मुख्य कोच और श्रेयस अय्यर को कप्तान नियुक्त किया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-03-25-26, दि. 17-03-2025 कार्य : वरिष्ठ मंडल अभियंता/मध्य/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न ट्रैक कार्य जैसे टी.आर.आर., टी.टी.आर., टी.एफ.आर., एस.ई.जे. ग्लूइड ज्वाइंट आदि का निष्पादन। निविदा मूल्य: 2,00,01,843.37/–, **अमानत राशि: ₹** 2,50,000.00/–, **कार्य पूर्णता की अवधि:** 12 माह।

क्र.सं. (2) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-04-25-26, दि. 17-03-2025 कार्य : सहायक मंडल अभियंता / पेण्ड्रा बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत खोडरी और खोंगसरा में प्रत्येक 50,000 लीटर क्षमता वाले, आरसीसी ओव्हरहेड टेंक, प्रेशर, फिल्टर, सेटलिंग, टेंक एवं अन्य पाइपिंग व्यवस्था का प्रावधान। निविदा मूल्य: 1,31,52,499.52/–, **अमानत राशि: ₹** 2,15,800.00/–, **कार्य पूर्णता की अवधि:** 12 माह। निविदा जमा की आरंभ तिथि : दिनांक 31–03–2025 के 11.00 बजे से, निविदा जमा की अंतिम तिथि: 14–04–2025 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/FL/574 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

खबर संक्षेप

इंग्लैंड की जीत से शुरुआत

लंदन। माइल्स लुईस-स्केली और हैरी केन के गोल की मदद से इंग्लैंड ने वेम्बली स्टेडियम में खेले गए मैच में अल्बानिया को 2-0 से पराजित करके विश्व कप क्वालीफाइंग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। इंग्लैंड के नए कोच थॉमस ट्यूशेल का इस टीम के साथ यह पहला मैच था। ट्यूशेल इंग्लैंड के लगातार 11वें ऐसे कोच हैं जिन्होंने अपने पदार्पण मैच में जीत हासिल की। ग्रुप जी में पोलैंड और फ़िनलैंड ने विजयी शुरुआत की। पोलैंड ने रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के 81वें मिनट में किए गए गोल की मदद से लिथुआनिया को अपने घरेलू मैदान पर 1-0 से हराया, जबकि फ़िनलैंड ने माल्टा के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। बोस्निया-हर्जेगोविना ने ग्रुप एच में रोमानिया को 1-0 से हराया।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा भुवनेश्वर

भुवनेश्वर। देश भर के शीर्ष पैरा तलवारबाज 28 से 31 मार्च तक यहां आयोजित होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारतीय पैरालंपिक समिति के अंतर्गत ओडिशा पैरा खेल संघ द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता बीजू पटनायक इंडोर स्टेडियम और कलिंगा खेल परिसर में होगी। ओडिशा सरकार के खेल और युवा सेवा विभाग द्वारा समर्थित इस चैंपियनशिप में 25 से अधिक राज्यों और 20 अतिरिक्त टीमों के भाग लेने की उम्मीद है जिसमें लगभग 200 पैरा तलवारबाज शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

फुटबॉल

अर्जेंटीना फीफा विश्व कप में जगह बनाने से एक अंक दूर

एजेंसी ▶▶| मोंटेवीडियो

अर्जेंटीना ने लियोनेल मेसी के बिना भी दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में उरुग्वे को 1-0 से हरा दिया। थियागो अल्माडा ने शुक्रवार रात को खेले गए मैच में 68वें मिनट में निर्णायक गोल किया जिससे गत चैंपियन अर्जेंटीना अगले साल होने वाले विश्व कप में सीधा प्रवेश पाने से केवल एक अंक दूर रह गया है।

- दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग मैच में उरुग्वे को 1–0 से हराया

अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिका क्वालीफाइंग में 13 मैचों के बाद 28 अंकों के साथ सबसे आगे बना हुआ है। अगर वह मंगलवार को ब्राजील के खिलाफ घरेलू धरती पर होने वाले मैच को ड्रा करने में सफल हो जाता है तो विश्व कप में अपनी जगह सुनिश्चित कर लेगा। इससे पहले जब फुटबॉल जगत की इन दो दिग्गज टीमों के बीच मुकाबला हुआ था तब अर्जेंटीना ने रियो डी जनेरियो के माराकाना स्टेडियम में 1-0 से जीत हासिल की थी। कोच लियोनेल स्कालोनी की टीम पहले से ही सातवें स्थान पर मौजूद बोलीविया से 15 अंक आगे है, जबकि प्रतियोगिता में अब केवल पांच दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

शीर्ष छह टीमें करेंगी क्वालीफाई

इक्वाडोर ने वेनेजुएला को 2-1 से हराया और दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफाइंग प्रतियोगिता की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। ब्राजील 21 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। वह उरुग्वे और पराग्वे से एक अंक आगे है। कोलंबिया 19 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग में शीर्ष छह स्थान पर रहने वाली टीमों को अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्व कप में सीधा प्रवेश मिलेगा जबकि सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरराष्ट्रीय प्लेऑफ में खेलेगी।

भारत वेस्टइंडीज और द.अफ्रीका की करेगा मेजबानी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भारत इस साल अक्टूबर में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 12 साल के अंतराल के बाद वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम नवंबर में सभी प्रारूपों के दौरे के लिए आएगी।

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बताया कि भारत दो अक्टूबर से मोहाली में पहले टेस्ट में विंडीज से भिड़ेगा, जबकि दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में होगा। वेस्टइंडीज का भारत का पिछला टेस्ट दौरा 2013-14 में हुआ था, जो महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर का अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच था। कैरेबियाई टीम का भारत का पिछला दौरा 2022 में तीन वनडे और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए हुआ था।

वेस्टइंडीज श्रृंखला के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की श्रृंखला के लिए भारत आएगी। टी20 श्रृंखला से दोनों टीमों को अगले वर्ष भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी का मौका मिलेगा। शुक्ला ने यहां कहा, 'पहला टेस्ट दिल्ली में होगा, जबकि दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में होगा।'

महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

भारत इस साल सितंबर में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा। शुक्ला ने कहा, 'तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं लेकिन विजाग में पहला मैच खेला जाएगा और अन्य स्थानों में गुवाहाटी, मुल्लांपुर (पंजाब), तिरुवनंतपुरम और इंदौर शामिल हैं। फाइनल के लिए स्थान अभी तय नहीं हुआ है।'

गुवाहाटी में होगा पहला टेस्ट

गुवाहाटी में पहला टेस्ट होगा, जो अक्सर सफेद गेंद के मैचों की मेजबानी करता है। यह शहर पिछले दो सत्रों से आईपीएल मैचों की मेजबानी भी कर रहा है। टेस्ट मैचों के बाद, पहला वनडे 30 नवंबर को रांची में होगा, जबकि रायपुर तीन दिसंबर को दूसरे वनडे की मेजबानी करेगा। अंतिम वनडे छह दिसंबर को विशाखापत्तनम में होगा। पहला टी20 मैच नौ दिसंबर को खेला जाएगा, इसके बाद 11, 14, 17 और 19 दिसंबर को मैच होंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई–निविदा सूचना क्रमांक: एनआईटी/11/25/07, दिनांक 12.03.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर संभाग निम्नलिखित सामग्रियों हेतु ई–निविदा आमंत्रित करता है।

क्रमांक	निविदा संख्या	निविदा खुलने की तिथि	निविदा खुलने का समय	निविदा पत्र की लागत (₹)	प्रतिभूति राशि जमा (₹)
1	11235685C	17.04.2025	10.30	00	181720.00

विवरण :– तीन चरण वाले इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के उन्नत संस्करण कम्प्यूटर नियंत्रण ब्रेक (सीसीबी) प्रणाली के लिए कार्यात्मक सिम्यूलेटर की आपूर्ति सीपना परीक्षण और कमीशनिंग। विस्तृत विवरण इसके साथ संलग्न है। निविदाकर्ता कृपया हमारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर जाएं।
नोट: विवादास्पद स्थिति में अंग्रेजी पाठ संस्करण मानी जाएगी।

वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक
CPR/10/FL/564 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दो साल बाद टीम इंडिया आएगी रायपुर, 3 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगी दूसरा वनडे मैच

वनडे में छत्तीसगढ़ को दूसरी बार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच की मिली मेजबानी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

क्रिकेट प्रेमियों को साल के अंतिम महीने में 3 दिसंबर को शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे मैच देखने का मौका मिलेगा। रोमांच से भरपूर इस मैच में टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी एक बार फिर चौके-छक्के लगाते नजर आएंगे। बता दें कि 21 जनवरी 2022 को रायपुर में भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच खेला गया था, और अब यह दूसरा मौका होगा जब टीम इंडिया रायपुर आएगी। बीसीसीआई की शनिवार को कोलकाता में हुई बैठक में वेस्ट इंडीज और दक्षिण अफ्रीका के दौरे को अंतिम रूप दिया गया। दक्षिण अफ्रीका की टीम नवंबर 2025 में भारत दौरे पर आएगी और इस दौरान वह भारत के खिलाफ दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगी।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला का पहला मुकाबला दिल्ली में होगा, जबकि दूसरा टेस्ट गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। यह गुवाहाटी में आयोजित होने वाला पहला टेस्ट मैच होगा, जो 22-26 नवंबर के बीच खेला जाएगा। इसके बाद वनडे सीरीज का पहला मैच 30 नवंबर को रांची में होगा। दूसरा वनडे मैच 3 दिसंबर को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में और तीसरा वनडे 6 दिसंबर को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। इसके बाद टी-20 मैच 9, 11, 14, 17 और 19 दिसंबर को क्रमशः कटक, नागपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे।

दो साल बाद होगा वनडे मुकाबला

शहीद वीरनारायण सिंह स्टेडियम में अंतिम वनडे मैच 21 जनवरी 2022 को खेला गया था, जिसमें रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इसके बाद 1 दिसंबर 2023 को सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हासिल की थी। अब दो साल बाद छत्तीसगढ़ को एक और वनडे मुकाबले की मेज़बानी मिल रही है, जिससे क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। दिसंबर 2025 में होने वाले इस मुकाबले में रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल जैसे बड़े खिलाड़ी टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू कल छत्तीसगढ़ आएंगी, विधानसभा परिसर में कड़ी सुरक्षा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सोमवार 24 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान विधानसभा में होने जा रहे खास कार्यक्रम में वे शामिल होंगी। यहां रजत जयंती वर्ष के दौरान प्रबोधन कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मू विधायकों से चर्चा करेंगी और सदन को संबोधित करेंगी। वे विधायकों की जिम्मेदारी, लोकतंत्र में विधानसभा की भूमिका, छत्तीसगढ़ की प्रगति और राज्य के विकास को लेकर अपने विचार साझा करेंगी। कार्यक्रम में विधायकों को सदन में काम करने को लेकर राष्ट्रपति अपनी ओर से टिप्स देंगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का छत्तीसगढ़ दौरे के संबंध में राष्ट्रपति भवन से मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम जारी किया गया है। वे 24 मार्च को रायपुर आएंगी। यहां उनका दौरा 1.55 घंटा रहेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भारतीय वायु सेना के विमान से

रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगी। एयरपोर्ट पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और अन्य गणमान्य उनकी अगवानी करेंगे। उसके बाद वे सड़क मार्ग से विधानसभा के लिए रवाना हो जाएंगी। आईपीएस सूरज परिहार को राष्ट्रपति का एस्कार्ट आफिसर बनाया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम इस प्रकार है- सुबह 8.30 बजे राष्ट्रपति भवन से रवाना होकर 8.45 बजे पालम हवाई अड्डा पहुंचेंगगी। 8.55 बजे पालम हवाई अड्डा से रायपुर रवाना होकर 10.35 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर पहुंचेंगी। 10.45 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से विधानसभा के लिए रवाना होंगी। 11.05 बजे छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुंचेंगी। 11.05 से 11.15 तक का समय आरक्षित। 11.15 से 12 तक पौधारोपण, विधायकों के साथ ग्रुप फोटो और विधायकों को संबोधन। 12 बजे विधानसभा से एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगी। 12.20 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पहुंचेंगी। 12.30 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से भारतीय वायु सेना के विमान से दिल्ली रवाना होंगी।

निगम का बजट 28 को

रायपुर। नगर निगम रायपुर का वार्षिक बजट 28 मार्च को सामान्य सभा की बैठक में पेश किया जाएगा। निगम सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने सामान्य सभा की तारीख तय कर इस संबंध में आदेश जारी किया है

भाजपा के तीन हजार सदस्य बनाने वाले कार्यकर्ताओं को तीन माह से सीएम के साथ भोजन और सम्मान का इंतजार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भाजपा के सदस्यता अभियान में बीते साल प्रदेश संगठन ने प्रदेश में 60 लाख सदस्य बनाकर इतिहास रचने का काम किया है। प्रदेश संगठन ने कार्यकर्ताओं को तीन हजार सदस्य बनाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ भोजन करने का मौका देने के साथ सम्मान भी करने का ऐलान किया था। सदस्यता अभियान समाप्त होने के तीन माह बाद भी कार्यकर्ताओं को सीएम के साथ भोजन करने और सम्मान का इंतजार है, अब तक इसके लिए कोई तिथि तय नहीं हो सकी है। संभावना है कि अगले माह कार्यकर्ताओं का इंतजार पूरा हो जाएगा। जहां एक तरफ प्रदेश के कई दिग्गज सांसद और विधायक अपना लक्ष्य पूरा नहीं सके, वहीं कई कार्यकर्ताओं ने दस-दस हजार तक सदस्य बनाने का काम किया है।

- कई सांसद, विधायक जहां अपना लक्ष्य पूरा नहीं कर सके, वहीं कई कार्यकर्ताओं ने दस-दस हजार तक सदस्य बना दिए

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने जब देश भर में बीते साल सितंबर से सदस्यता अभियान का प्रारंभ किया तो छत्तीसगढ़ को पहले 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया, लेकिन छत्तीसगढ़ में सदस्यता अभियान की रफ्तार को देखते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने रायपुर प्रवास में भाजपा का लक्ष्य 50 लाख से बढ़ाकर 60 लाख कर दिया। प्रदेश संगठन ने इस लक्ष्य को प्राप्त भी कर लिया। सदस्यता अभियान के लिए सांसदों के लिए जहां 20-20 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया, वहीं विधायकों के लिए दस-दस हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ सभी मंत्रियों और ज्यादातर विधायकों ने अपना लक्ष्य प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की। कुछ विधायक अपना लक्ष्य प्राप्त ही नहीं कर सके। इसी तरह से सांसदों में आधा दर्जन से ज्यादा सांसद अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं सके। ये सांसद तो आधे लक्ष्य तक भी नहीं पहुंचे सके। एक सांसद तो पांच सौ सदस्य भी नहीं बना सके थे।

कार्यकर्ताओं ने किया कमाल

जहां एक तरफ कई सांसद और विधायक लक्ष्य प्राप्त करने में सफल नहीं रहे, वहीं थोक में कार्यकर्ताओं ने तीन हजार सदस्य बनाने का काम आसानी से किया। इसी के साथ कई कार्यकर्ताओं ने दस हजार और इससे ज्यादा भी सदस्य बनाने का काम किया है। अब इन सभी कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री के साथ भोजन करने के साथ सम्मान का इंतजार है। भाजपा नेताओं का कहना है कि सदस्यता अभियान के बाद प्रदेश संगठन के चुनाव और इसके बाद नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के कारण सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता व्यस्त रहे हैं। नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों के बाद सभापति, उपाध्यक्षों और जिला पंचायत अध्यक्षों का चुनाव हुआ तो सब इसमें लग गए। अब सारे काम हो गए है तो कहा जा रहा है कि जल्द ही कोई तिथि तय करते कार्यक्रम किया जाएगा और वादे के मुताबिक कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा और उनको मुख्यमंत्री के साथ भोजन का भी मौका दिया जाएगा

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com